THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 318 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ 11, 2082 शुक्रवार, 13 फरवरी-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला 18 से 22 फरवरी तक भारत दौरे पर

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा के भारत दौरा को लेकर आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा 18 से 22 फरवरी 2026 तक भारत के राजकीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान राष्ट्रपति लूला दिल्ली में आयोजित होने वाले दूसरे एआई समिट (19–20 फरवरी) में भाग लेंगे। यह समिट कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग और नीतिगत समन्वय को लेकर महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है।

राफेल खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी

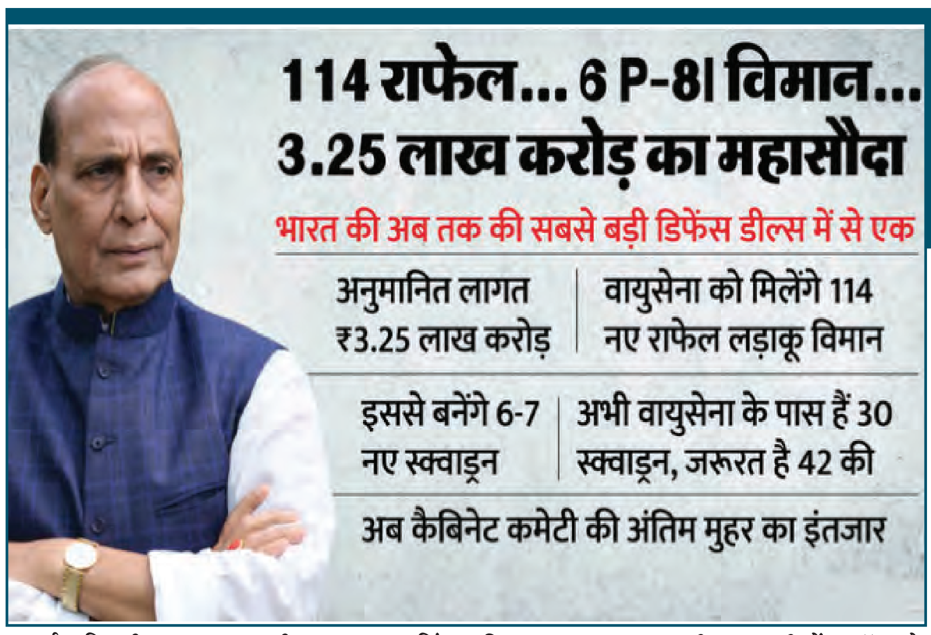

फ्रेंच प्रेसिडेंट मैक्रों के भारत आने पर हो सकता है सौदा

रक्षा बजट के लिए 7.8 लाख करोड़ मिले

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भारत की रक्षा अधिग्रहण परिषद ने गुरुवार को फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस डील की कीमत करीब 3.25 लाख करोड़ रुपए बताई जा रही है।

अब यह प्रस्ताव अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी के पास भेजा जाएगा। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के 17–20 फरवरी के 3 दिवसीय भारत दौरे पर सौदा हो सकता है। प्रस्ताव को 16 जनवरी को रक्षा खरीद बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी थी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, नए राफेल विमानों की खरीद से एयर डिफेंस और बॉर्डर एरिया में तैनाती की क्षमता मजबूत होगी।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली कमेटी ने कॉम्बैट मिसाइलों और एयर-शिप बेस्ड हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट्स के प्रपोजल को भी मंजूरी दी है। इन सभी सौदों की कुल कीमत 3.60 लाख करोड़ रुपए है।

केंद्रीय बजट 2026–27 में रक्षा मंत्रालय को 7.8 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो कुल बजट का 14.67% है। आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित 2.19 लाख करोड़ रुपए में से 1.85 लाख करोड़ रुपए पूंजीगत खरीद के लिए तय किए गए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 24% अधिक है।

यह सौदा 'मेक इन इंडिया' के तहत किया जाएगा। डसॉल्ट एविएशन एक भारतीय कंपनी के साथ मिलकर इन विमानों को बनाएगी। हाल ही में डसॉल्ट ने डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी 49% से बढ़ाकर 51% कर ली है। इस जॉइंट वेंचर में अनिल अंबानी की रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर भी भागीदार है। डसॉल्ट सभी 114 राफेल जेट में भारतीय हथियार, मिसाइल और गोला-बारूद को इंटीग्रेट करेगा। साथ ही सुरक्षित डेटा लिंक भी उपलब्ध कराएगा, जिससे विमानों को भारतीय रडार और सेंसर सिस्टम से जोड़ा जा सकेगा।

कंपनी एयरफ्रेम निर्माण के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी देगी। इंजन निर्माता साफ्रान और एवियोनिक्स कंपनी थेल्स भी इस प्रक्रिया का हिस्सा होंगी। टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पूरा होने के बाद इन विमानों में स्वदेशी कंटेंट 55 से 60 फीसदी तक होने की उम्मीद है।

एयरफोर्स ने सितंबर 2025 में 114 अतिरिक्त राफेल जेट की मांग रक्षा मंत्रालय को भेजी थी। एयरफोर्स के पास पहले से 36 राफेल विमान है, जबकि नौसेना ने 26 मरीन वेरिएंट राफेल का ऑर्डर दिया है।

अंबाला एयरबेस पर राफेल का ट्रेनिंग और एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सेंटर पहले से चालू है। एयरफोर्स के पास तुरंत दो स्क्वाड्रन (36—38 विमान) शामिल करने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेयर पार्ट्स और प्रशिक्षित स्टाफ मौजूद है।

हरदीप पुरी बोले-राहुल ने खुद को मूर्ख साबित किया

एपस्टीन से दो मुलाकातों पर दोषी नहीं ठहरा सकते; मंत्री पर यौन अपराधी से संबंध के आरोप

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने आप को मूर्ख साबित कर लिया है। पुरी ने एक निजी चैनल को इंटरव्यू में एपस्टीन फाइल्स में अपना नाम आने और विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। हरदीप पुरी ने दावा किया कि जब वे काम से जुड़े मुद्दों पर अमेरिकी फाइनेंसर और बाल यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से मिले थे तो उन्हें असहजता महसूस हुई थी। उन्होंने कहा- मैंने एपस्टीन से मिलने की इच्छा नहीं जताई थी। ये मुलाकातें अरेंज की गई थीं।

उन्होंने आगे कहा- दो मुलाकातों से किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मैं इस मामले में बेदाग हूं। उस समय तो मैं सरकार का हिस्सा भी नहीं था। उन्होंने कहा- राहुल गांधी ने तिल का ताड़ बनाना है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को संसद में दावा किया था कि अमेरिका में जारी किए गए एपस्टीन फाइल्स में हरदीप पुरी का नाम है। राहुल के आरोपों पर पुरी ने बुधवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस की और पहली बार माना था कि वह यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से तीन या चार बार मिले थे। पुरी से इंटरव्यू में जब पूछा गया कि क्या आपको आपराधिक आचरण की जानकारी थी तो पुरी ने कहा- 'मैं नहीं जानता था कि वह कौन था। मैं पहली बार एपस्टीन से एक मीटिंग में मिला था। मुझे उसके बैकग्राउंड के बारे में पता नहीं था।

10 ट्रेड यूनियनों के भारत बंद का मिला-जुला असर

यूएस से ट्रेड डील के खिलाफ पंजाब में हड़ताल, देश में बैंकिंग सेवाओं पर असर नहीं

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। किसान संगठनों और 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने गुरुवार को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल और 'भारत बंद' का आह्वान किया था। इस बंद को आम आदमी पार्टी समेत कई विपक्षी दलों ने भी अपना समर्थन दिया है। हालांकि बंद का मिला-जुला असर दिखाई दे रहा है।

पंजाब में भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के खिलाफ ट्रेड यूनियन, किसान संगठन और कर्मचारी संगठन आज हड़ताल पर हैं। कई जिलों में इसका मिलाजुला असर देखने मिल रहा है। कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी हड़ताल पर हैं, लेकिन रेगुलर कर्मचारी सेवाएं मुहैया करवा रहे हैं। सरकारी विभागों में कामकाज जरूर प्रभावित हो रहा है, लेकिन बिल्कुल बंद नहीं है।

हड़ताल के चलते आम लोगों के मन में सवाल है कि क्या आज बैंक बंद रहेंगे? इसका जवाब है– नहीं। बैंक बंद नहीं हैं और सामान्य दिनों की तरह काम करेंगे। लेकिन हड़ताल के कारण कामकाज की स्पीड पर असर पड़ सकता है। बैंकों ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे फंड ट्रांसफर, बिल पेमेंट और अकाउंट मॉनिटरिंग जैसे कामों के लिए नेट बैंकिंग और मोबाइल एप का इस्तेमाल करें। ये सेवाएं पूरी तरह से चालू रहेंगी।

राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव नहीं आएगा

भाजपा सांसद ने राहुल की सदस्यता खत्म करने का नोटिस दिया, कहा- वे गुमराह कर रहे

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा में सब्सटेंसिव मोशन पेश किया है। राहुल पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है। दुबे ने राहुल की संसद सदस्यता खत्म करने और चुनाव लड़ने पर लाइफटाइम बैन लगाने की मांग की है।

सरकार राहुल के खिलाफ सदन में उनकी स्पीच के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस नहीं लाएगी। इस पर प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदीजी ने छाती 56 इंच की नपवाई थी। उनके खिलाफ भी प्रस्ताव आना चाहिए। हालांकि, बीजेपी उनके (राहुल) भाषण से आपत्तिजनक हिस्से हटाने को लेकर अब भी अड़ी हुई है, क्योंकि उन्होंने अब तक अपने आरोपों को लेकर सबूत पेश नहीं किए हैं। बीजेपी के चीफ व्हिप संजय जायसवाल ने राहुल के बजट चर्चा के दौरान कहे गए कुछ अंशों को रिकॉर्ड से हटाने का औपचारिक नोटिस दिया है।

इससे पहले, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने X पर एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें 4 फरवरी को लोकसभा स्पीकर के चैंबर में हंगामे का जिक्र है। रिजिजू ने दावा किया है कि विपक्षी सांसदों ने प्रियंका गांधी की मौजूदगी में गालियां दीं। हालांकि प्रियंका ने कहा कि गालियां देने वाली बात झूठी है। उन्होंने किसी को नहीं उकसाया। वे चुपचाप थीं। आखिर में केवल शांति से अपनी बात रखी थी।

हर क्षेत्र में निर्णय उसी क्षेत्र के विशेषज्ञों को लेने चाहिए : मोहन भागवत

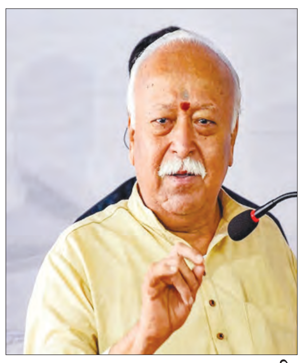

नागपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गुरुवार को एक अलग और सशक्त वेटरिनरी काउंसिल के गठन की पैरवी की। उन्होंने कहा कि जानवरों और जनसुरक्षा से जुड़े फैसले वेटरिनरी डॉक्टरों और विषय-विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में ही होने चाहिए। भागवत नागपुर में इंडियन सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ कैनाइन प्रैक्टिस (आईएसएसीपी) के 22वें वार्षिक अधिवेशन और 'रोल ऑफ कैनाइन इन वन हेल्थ: बिल्डिंग पार्टनरशिप्स एंड रिजॉल्विंग चैलेंजेज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इसका आयोजन आईएसएसीपी, महाराष्ट्र एनिमल एंड फिशरी साइंसेज यूनिवर्सिटी (एमएएफएसयू), नागपुर और नेशनल एसोसिएशन फॉर वेलफेयर ऑफ एनिमल्स एंड रिसर्च (एनएडब्ल्यूएआर) ने संयुक्त रूप से किया। अपने संबोधन की शुरुआत में भागवत ने कहा, "मैंने इसी कॉलेज में पढ़ाई की है। हालांकि मुझे वेटरिनरी क्षेत्र छोड़े 50 साल हो चुके हैं। ऐसा नहीं कि मुझे कुछ याद नहीं, लेकिन आप लोगों जितना ज्ञान अब मेरे पास नहीं है। फिर भी पूर्व छात्र के रूप में आपने मुझे बुलाया, इसके लिए मैं आभारी हूं।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि-आधारित देश को तब तक लाभ मिलता रहा, जब तक किसान खेती के साथ पशुपालन और मत्स्य पालन भी करते रहे। मोहन भागवत ने वेटरिनरी पेशे के दायरे को सीमित मानने की सोच को गलत बताते हुए कहा, पहले माना जाता था कि वेटरिनरी डॉक्टरों की भूमिका सीमित है, लेकिन यह सोच सही नहीं है। समाज, जनस्वास्थ्य और नीति निर्माण में उनकी बड़ी भूमिका हो सकती है। दिल्ली में हाल ही में लावारिस कुत्तों को लेकर हुए विवाद का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि बहस दो चरम सीमाओं में बंट गई थी, एक पक्ष कह रहा था कि सभी कुत्तों को मार दो, दूसरा कह रहा था कि उन्हें छुओ भी मत। लेकिन अगर इंसानों को कुत्तों के साथ रहना है, तो यह सोचना होगा कि कैसे साथ रहें। उन्होंने वैज्ञानिक और व्यावहारिक समाधान पर जोर देते हुए कहा, कुत्तों की संख्या नसबंदी के जरिए नियंत्रित की जा सकती है। इंसानों के लिए जोखिम कम करने के कई उपाय हैं। ये भावनाओं से नहीं, ज्ञान से निकले समाधान हैं। भागवत ने बताया कि उनके विचार उनकी वेटरिनरी पृष्ठभूमि से प्रभावित हैं।

मीडिया पर क्यों भड़के राहुल गांधी?

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी गुरुवार को उस समय मीडिया के एक वर्ग पर नाराज हो गए, जब उनसे बजट सत्र के दौरान सत्तारूढ़ दल की ओर से उनके खिलाफ संभावित विशेषाधिकार प्रस्ताव को लेकर सवाल किया गया।

विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने के संबंध में संसद परिसर में राहुल गांधी ने एक प्रश्न के जवाब में मीडियाकर्मियों से कहा, आप (पत्रकार) पूरी तरह से भाजपा के कर्मचारी नहीं हैं। कम से कम थोड़ा तो निष्पक्ष होकर काम करने की कोशिश कीजिए, यह बेहद शर्मनाक है... हद से ज्यादा हो रहा है। आप जिम्मेदार लोग हैं। मीडियाकर्मियों की निष्पक्षता आपकी जिम्मेदारी है। आप बस उनकी दी हुई बात को मानकर हर रोज अपना पूरा कार्यक्रम नहीं चला सकते। आप इस देश का अपमान कर रहे हैं।

सवाल सुनकर राहुल गांधी स्पष्ट रूप से नाराज़ दिखे और पत्रकारों से तीखे अंदाज़ में पूछा, क्या आपको आज के लिए यही कोड वर्ड दिया गया है?

लालू-राबड़ी और तेजस्वी को दिल्ली कोर्ट से फौरी राहत

लारा परियोजना मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। लारा परियोजना मनी लॉन्ड्रिंग केस में लालू-राबड़ी और तेजस्वी को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से फौरी राहत मिली है। कोर्ट ने बृहस्पतिवार को लारा परियोजना मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोप तय करने पर अपना ऑर्डर सुरक्षित रख लिया है। यह केस लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी प्रसाद यादव और दूसरे 16 आरोपियों के खिलाफ है। अब इस मामले में अदालत 3 मार्च को फैसला दे सकती है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले, आआरसीटीसी घोटाले के मामले में बुधवार (11 फरवरी) को आरोप तय करने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय के खिलाफ पूर्व रेल मंत्री नेता लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव की याचिका का सीबीआई ने दिल्ली हाई कोर्ट में विरोध किया। सीबीआई ने तर्क दिया था कि लालू सहित अन्य यह तर्क देकर मुकदमें से बच नहीं सकते कि जब ट्रायल कोर्ट ने मामले का संज्ञान लिया था तब उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी नहीं थी। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष सीबीआई की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त सालिसिटर जनरल डी पी सिंह ने कहा था कि याचिकाकर्ताओं पर मुकदमा चलाने के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत मंजूरी लेना अनिवार्य नहीं था। उन्होंने अदालत को बताया कि इस संबंध में मार्च 2020 में तत्कालीन अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने भी राय दी थी। डीपी सिंह ने आगे कहा था कि चूंकि मामला लंबा खिंच रहा था, इसलिए बाद में कानून के अनुसार मंजूरी ली गई थी।

सरला माहेश्वरी का निधन

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। दूरदर्शन की जानी-मानी न्यूज एंकर सरला माहेश्वरी का निधन हो गया है। 71 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली। सरला माहेश्वरी ने एंकरिंग के दौरान अपनी शांत डिलीवरी, सटीक उच्चारण और स्क्रीन पर शानदार मौजूदगी से दर्शकों के बीच खास जगह बनाई। वह लगभग तीन दशकों तक भारतीय न्यूज में एक सम्मानित हस्ती रहीं। उनकी बेहद नरम आवाज और शानदार प्रेजेंटेशन ने उन्हें दर्शकों के दिलों में एक खास जगह दिलाई।

सरला माहेश्वरी के निधन की जानकारी दूरदर्शन के एक्स हैंडल से दी गई है। एक्स पोस्ट में कहा गया कि 'दूरदर्शन परिवार की ओर से श्रीमती सरला माहेश्वरी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। वह दूरदर्शन की सम्मानित और प्रतिष्ठित समाचार वाचिका थीं, जिन्होंने अपनी सौम्य आवाज, सटीक उच्चारण और गरिमापूर्ण प्रस्तुति से भारतीय समाचार जगत में विशेष स्थान बनाया। उनकी सादगी, संयम और व्यक्तित्व ने दर्शकों के मन में गहरा विश्वास स्थापित किया।'

एक्स पोस्ट फैक्टो मंजूरी केस

एससी की फटकार के बाद जयराम रमेश ने वापस ली रिट याचिका

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश की उस याचिका पर सख्त टिप्पणी की है, जिसमें एक्स पोस्ट फैक्टो (पूर्व प्रभाव से) पर्यावरणीय मंजूरी देने की प्रक्रिया को कानून के खिलाफ बताया गया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने साफ कहा कि पहले से दिए गए निर्णय की समीक्षा रिट याचिका के जरिए नहीं मांगी जा सकती। अदालत ने पूछा आपने इस मुद्दे पर पुनर्विचार याचिका क्यों नहीं दाखिल की?

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि यह मामला दरअसल कोर्ट के ही पुराने फैसले से जुड़ा है। ऐसे में रिट याचिका के माध्यम से सीधे चुनौती देना उचित प्रक्रिया नहीं है। सीजेआई ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई पक्ष इस तरह से कोर्ट के फैसले की समीक्षा चाहता है, तो उसे भारी जुर्माने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि इस तरह की याचिकाएं कई बार सिर्फ मीडिया में चर्चा पाने के लिए दायर की जाती हैं। अदालत की सख्त टिप्पणियों के बाद जयराम रमेश की ओर से पेश वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका वापस लेने की अनुमति देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता कानून के तहत उपलब्ध उचित विकल्पों का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिसमें पुनर्विचार याचिका भी शामिल है।

किस फैसले के खिलाफ थी यह याचिका?

जयराम रमेश ने 2025 में सुप्रीम कोर्ट की तीनजजों की पीठ द्वारा दिए गए वनशक्ति फैसले को चुनौती दी थी। उस फैसले में अदालत ने कहा था कि जो परियोजनाएं बिना पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी के चल रही हैं, उन्हें एक्स पोस्ट फैक्टो मंजूरी के लिए आवेदन करने का अवसर दिया जा सकता है। कोर्ट ने कहा था कि बिना जांच के ऐसी परियोजनाओं को तुरंत ध्वस्त करना सार्वजनिक धन की हानि होगा। फैसले में यह भी कहा गया था कि यदि परियोजनाएं कानूनन स्वीकार्य पाई जाती हैं तो दंडात्मक राशि वसूलकर उन्हें जारी रखने दिया जा सकता है। लेकिन अगर परियोजनाएं कानून के खिलाफ पाई जाती हैं तो उन्हें तोड़ा जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी आज सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली में सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 और 2 का उद्घाटन करेंगे। वे शाम करीब 6 बजे सेवा तीर्थ में कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दोपहर करीब 1:30 बजे सेवा तीर्थ बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स का नामकरण करेंगे। इसके बाद वे सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 और 2 का औपचारिक उद्घाटन करेंगे।

यह उद्घाटन भारत के प्रशासनिक शासन संरचना में एक बड़ा बदलाव लाने वाला मील का पत्थर है और यह प्रधानमंत्री के एक मॉडर्न, कुशल, सुलभ और नागरिक-केंद्रित गवर्नेंस इकोसिस्टम बनाने के कमिटमेंट को दिखाता है। दशकों से कई जरूरी सरकारी ऑफिस और मंत्रालय सेंट्रल विस्टा एरिया में अलग-अलग जगहों पर बने हुए थे और पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर से काम करते थे।

इससे ऑपरेशनल खामियां, कोऑर्डिनेशन की चुनौतियां, बढ़ते मेंटेनेंस खर्च और काम न कर पाने लायक स्थिति बनी हुई थी। नए बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स, मॉडर्न और भविष्य के लिए तैयार सुविधाओं के अंदर प्रशासनिक कार्यों को एक साथ करके इन समस्याओं का समाधान करते हैं। सेवा तीर्थ में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय बने हुए हैं, जो पहले अलग-अलग जगहों पर थे। कर्तव्य भवन-1 और 2 में कई मंत्रालय होंगे, जिनमें वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, शिक्षा, संस्कृति, कानून, सूचना व प्रसारण, कृषि व किसान कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय और जनजातीय मामलों के मंत्रालय शामिल हैं।

डीके शिवकुमार के दिल्ली दौरे से कर्नाटक तक सियासी हलचल

डिप्टी सीएम बोले- समय देगा हर सवाल का जवाब

बंगलूरू, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा तेज हो गई है। सोनिया गांधी के आवास दस जनपथ से बाहर आने के बाद शिवकुमार ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि वह यहां सिर्फ दिल्ली की हवा में सांस लेने नहीं आए हैं, बल्कि राजनीति करने आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाला समय ही हर बात का जवाब देगा।

जब उनसे पूछा गया कि वह प्रियंका गांधी या राहुल गांधी में से किससे मिले, तो उन्होंने सीधा जवाब नहीं दिया। शिवकुमार ने कहा कि वह सड़क पर खड़े होकर राजनीति नहीं करना चाहते। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व से उन सभी मुद्दों पर चर्चा कर ली है, जो जरूरी थे। शिवकुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की। उन्होंने बताया कि दिल्ली आने पर उन्हें सभी मामलों की जानकारी देनी होती है और उन्होंने हर विषय पर विस्तार से बात की है।

शिवकुमार ने आगे कहा, हमने असम विधानसभा चुनाव और अन्य राजनीतिक मामलों पर चर्चा की है। उन्होंने वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल और अन्य नेताओं के साथ मिलकर असम में कांग्रेस की सरकार लाने की तैयारी पर चर्चा की। शिवकुमार के बयानों से कर्नाटक में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के भीतर हलचल मचने की संभावना है। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी से मुलाकात के बाद शिवकुमार आत्मविश्वास से भरे नजर आ रहे हैं।

शिवकुमार के समर्थक विधायक चाहते हैं कि पार्टी का आलाकमान दखल दे और नेतृत्व को लेकर चल रही उलझन को खत्म करे। इसी बीच उनके भाई और पूर्व सांसद डीके सुरेश ने एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी में बाहर से आए लोगों को ज्यादा महत्व मिल रहा है। इसे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर सीधा निशाना माना जा रहा है। सिद्धारमैया पहले दूसरी पार्टी में थे और बाद में कांग्रेस में शामिल हुए थे। सुरेश ने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री अपनी बात पर कायम रहेंगे, जिसे सत्ता के बंटवारे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

फ्री में नहीं मिला विदेशी युवक को होटल में कमरा फिर खुद को मार लिया चाकू; अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में बिना पैसे के होटल में ठहरने नहीं देने पर एक विदेशी युवक ने खुद को चाकू मारकर घायल कर लिया। उसकी पहचान तुर्कमेनिस्तान निवासी 29 साल के जेहुन के रूप में हुई है। घटना के समय वह नशे में धुत था। होटल कर्मियों और मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मी ने उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि अभी तक कि जांच में पता चला है कि 11 फरवरी को वह किसी नशीली चीज के नशे में खराब हालत में होटल लौटा। इस दौरान कमरे की मांग की और कहा कि उसके पास पैसे नहीं हैं और वह फ्री में रहना चाहते हैं। होटल स्टाफ ने उसकी मांग ठुकरा दी और कहा कि कोई कमरा खाली नहीं है।

रिजिजू ने नया वीडियो साझा किया

कहा- स्पीकर चैंबर में घुसे सांसदों ने तोड़ी मर्यादा

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। आज संसद के बजट सत्र का 12वां दिन है। केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा स्पीकर के चैंबर में हुए हंगामे को लेकर नया वीडियो पोस्ट किया है। बुधवार को जारी इस नई वीडियो क्लिप से पहले भी रिजिजू ने विपक्षी दलों पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस के 20-25 सांसदों ने अध्यक्ष के कमरे में घुसकर गालियां दी थी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ने सोशल मीडिया पर पोस्ट वीडियो के साथ लिखा 'यह कांग्रेस सांसद द्वारा बनाया गया अवैध वीडियो क्लिप है, जिसमें 20-25 कांग्रेस सांसद माननीय अध्यक्ष के कक्ष में घुसकर उन्हें अपशब्द कह रहे हैं और माननीय प्रधानमंत्री को धमकी दे रहे हैं। हमारी पार्टी बहस और चर्चा में विश्वास रखती है और सांसदों को शारीरिक रूप से धमकी देने के लिए कभी प्रोत्साहित नहीं करती।'

तेज आवाज में विरोध जताते दिखे सांसद

रिजिजू के हैंडल पर साझा वीडियो में दिख रहा है कि कांग्रेस सांसद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के चैंबर में घुसकर तेज आवाज में अपना विरोध जता रहे हैं। विरोध प्रदर्शन की इस वीडियो क्लिप के अलावा रिजिजू ने अपना बयान भी साझा किया है।

प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल पर गंभीर आरोप

उन्होंने कहा, 'प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में विपक्षी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर और पीएम मोदी को गालियां दीं और ये भी कहा कि जब प्रधानमंत्री संसद आएंगे तो देखिएगा हम क्या करते हैं।' रिजिजू ने कहा कि अगर हम भी अपने सांसदों को संयम बरतने के लिए नहीं कहते और उन्हें नियंत्रित नहीं करते तो संसद में महाभारत हो सकती थी।

लोकसभा में खत्म हुआ लंबा गतिरोध

बता दें कि इससे पहले मंगलवार को लोकसभा में आम बजट पर चर्चा हुई। इसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कई सांसदों ने भाग लिया। खास बात ये रही कि हंगामे के कारण कई दिनों तक बरकरार रहे गतिरोध के बाद मंगलवार को सदन में विधायी कामकाज हुए। चर्चा पूरी होने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चर्चा का जवाब भी दिया।

'संसद में उस दिन कुछ भी हो सकता था'

4 फरवरी के हंगामे पर चिराग पासवान ने बताई आंखों देखी

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का कहना है कि 4 फरवरी को लोकसभा में जो कुछ भी हुआ और जो माहौल था, उसमें कुछ अप्रिय घटना घट सकती थी। चिराग पासवान ने पीएम मोदी का संबोधन टालने के लोकसभा स्पीकर के फैसले का समर्थन किया। एएनआई को दिए एक ताजा इंटरव्यू में चिराग पासवान ने राहुल गांधी, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता और बिहार की राजनीति जैसे मुद्दों पर खुलकर बात की। 4 फरवरी की घटना पर चिराग पासवान ने कहा, 'मैं भी उस वक्त संसद में मौजूद था, जब विपक्ष की कुछ महिला सांसद आक्रामक तरीके से बैनर लेकर प्रधानमंत्री की सीट की तरफ बढ़ीं। अगर प्रधानमंत्री लोकसभा आते तो उस गुस्से के माहौल में कुछ भी हो सकता था।'

'मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं कि हिंसा होती, लेकिन कोई भी अप्रिय घटना घट जाती तो वह लोकतंत्र के इतिहास पर एक काला धब्बा होती।' केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'स्पीकर लोकसभा के संरक्षक हैं और उन्हें कुछ सूचना मिली होगी कि कुछ अप्रिय हालात पैदा हो सकते हैं। ऐसे में स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रधानमंत्री लोकसभा नहीं आए।'

बंगाली मजदूर की पुणे में हत्या: भडकी ममता बनर्जी

पीड़ित परिवार के साथ बंगाल सरकार- सीएम

ममता बनर्जी ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि बंगाल इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़ा है और न्याय दिलाने के लिए हर प्रयास किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहली बार नहीं है जब बंगाली प्रवासी मजदूरों के खिलाफ अन्य राज्यों में हिंसा हुई है और उन्होंने केंद्र सरकार पर भी लगातार इस मामले में चुप्पी बरतने का आरोप लगाया है।

सुखन महतो हत्या मामला

पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुखन महतो 2021 से पुणे में प्रवासी मजदूर के रूप में काम कर रहे थे। वे कोरेगांव भीमा के सनातबाड़ी क्षेत्र में एक कार पार्ट्स बनाने वाली कंपनी में कार्यरत थे। बुधवार दोपहर उनका शव शिकरपुर थाना क्षेत्र से बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि उन्हें बंगाली बोलने के कारण पीटा गया और मार दिया गया। उनके बड़े भाई तुलसीराम महतो ने इस संबंध में हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

कोलकाता, 12 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में एक बंगाली प्रवासी मजदूर की हत्या मामले में सियासत तेज हो गई है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना की कड़ी निंदा की और इसे भाषा और पहचान के आधार पर होने वाला घृणात्मक अपराध बताया।

मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस घटना का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि वे इस क्रूर हत्या से स्तब्ध और गुस्से में हैं। बता दें कि 24 वर्षीय मृतक सुखन महतो बंगाल के पुरुलिया जिले के बंडवान के रहने वाले थे और अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। ममता बनर्जी ने कहा कि एक युवक को उसकी भाषा, पहचान और जड़ों के कारण मारा गया।

सीएम ने आगे इस बात पर जोर दिया कि यह घृणात्मक अपराध सीधे उस माहौल का नतीजा है,

जिसमें विदेशियों और अन्य राज्यों के लोगों के खिलाफ झूठे भय को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की।

ईरानी डेरे से एक करोड़ का सोना जब्त

भोपाल, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भोपाल में पुलिस ने बड़े स्तर पर कॉम्बिंग गश्त करते हुए ईरानी डेरे पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की। करीब 400 पुलिसकर्मियों की टीम ने रात दो बजे दबिश दी। कार्रवाई में 31 पुरुष और 8 महिलाओं सहित 39 लोगों को गिरफ्तार किया गया। दबिश के दौरान 644 ग्राम से ज्यादा सोना (करीब 1 करोड़ रुपए कीमत) जब्त किया गया। पूरे शहर में चलाए गए अभियान में 283 स्थाई वारंटी और 125 गिरफ्तारी वारंटी सहित कुल 408 आरोपियों को पकड़ा गया। सभी आरोपी चोरी, नकबजनी, चेन स्नेचिंग और वाहन चोरी जैसे गंभीर मामलों में फरार थे। पुलिस के मुताबिक, गैंग का सरगना राजू ईरानी पहले ही सूरत से गिरफ्तार किया जा चुका है।

एनसीपी के नेता एकनाथ खडसे के खिलाफ केस दर्ज

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर हलचल मच गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे के खिलाफ सावदा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला गौण खनिज चोरी के एक प्रकरण से जुड़ा बताया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, खडसे गौण खनिज चोरी के एक मामले में पुलिस से जवाब लेने सावदा थाने पहुंचे थे। आरोप है कि इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों से अभद्र भाषा में बात की और उन पर दबाव बनाने की कोशिश की।

पुलिस का कहना है कि बातचीत के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया और थाने में हंगामा जैसी स्थिति बन गई। पुलिस ने एकनाथ खडसे पर आरोप लगाया है कि उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों के काम में दखल दिया और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई। साथ ही उन पर पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार करने का भी आरोप है। इस मामले में सावदा पुलिस थाने में उनके खिलाफ धारा 296 के तहत केस दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, पूरे घटनाक्रम की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि कानून सभी के लिए समान है।

डिंपल यादव का बयान

'अमेरिका के सामने नतमस्तक हुई सरकार केवल पर्दा डालने का कर रही काम'

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने ट्रेड डील को लेकर मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भारत सरकार पर जुबानी हमला बोला। उन्होंने ट्रेड डील को लेकर कहा कि सरकार सच्चाई छिपाने की कोशिश कर रही है। सांसद डिंपल यादव ने कहा कि कृषि उत्पादों का भारत में शून्य आयात शुल्क के साथ आयात किया जाएगा, डेयरी उत्पाद और जेनेटिकली मॉडिफाइड अनाज भी आएंगे।

इससे रोजगार में कमी आने की आशंका भी है। सरकार सच्चाई छिपाने की कोशिश कर रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ बीजेपी द्वारा विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की खबरों पर उन्होंने कहा कि वे लोगों का ध्यान व्यापार समझौते से भटकाने के लिए ऐसा कह रहे हैं। डिंपल यादव ने कहा कि सरकार केवल पर्दे डालने का काम कर रही है। सरकार यूएस के आगे नतमस्तक हुई है।

कार-ट्रक की भीषण टक्कर, दो महिलाओं की मौत

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एनएच-9 पर भीषण सड़क हादसा हो गया। टोल बूथ के पास किआ सेल्टोस कार और कंटेनर ट्रक की टक्कर में कार सवार दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत दो मासूम बच्चे घायल हो गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रेरा को खत्म कर देना बेहतर

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी ! बिल्डरों पर उठे बड़े सवाल

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। रियल एस्टेट सेक्टर को कंट्रोल करने के लिए बनाए गए कानून रेरा पर अब देश की सर्वोच्च अदालत ने ही गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर यह संस्था अपने मूल उद्देश्य से भटक गई है और घर खरीदारों की बजाय डिफॉल्टर बिल्डरों को राहत दे रही है, तो इसे समाप्त कर देने पर भी विचार किया जाना चाहिए। अदालत की इस टिप्पणी ने रियल एस्टेट जगत में हलचल मचा दी है।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ हिमाचल प्रदेश सरकार बनाम नरेश शर्मा मामले की सुनवाई कर रही थी। इस दौरान सीजेआई ने कहा कि राज्यों को आत्ममंथन करना चाहिए कि रेरा आखिर किसके लिए बनाई गई थी। अदालत ने चिंता जताई कि कई मामलों में आम खरीदारों को राहत मिलने की बजाय लंबी कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ता है, जबकि डिफॉल्टर बिल्डरों को फायदा मिल जाता है। सीजेआई ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि कोई संस्था अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर पा रही, तो उसके अस्तित्व पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

खरीदारों की परेशानी पर चिंता

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि रेरा का उद्देश्य घर खरीदारों को समय पर न्याय और पारदर्शिता प्रदान करना था। लेकिन जमीनी स्तर पर कई खरीदारों की शिकायत है कि उन्हें वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है और ठोस राहत नहीं मिलती।

क्या है पूरा मामला ?

मामला हिमाचल प्रदेश में रेरा कार्यालय को शिमला से धर्मशाला ट्रांसफर करने से जुड़ा है। राज्य सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी किया था, जिस पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट का मानना था कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के यह कदम संस्था के कामकाज को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करते हुए राज्य सरकार को कार्यालय ट्रांसफर करने की अनुमति दे दी। साथ ही यह निर्देश भी दिया कि रेरा और उसकी अपीलीय ट्रिब्यूनल दोनों का कामकाज प्रभावित नहीं होना चाहिए और लंबित मामलों की सुनवाई नियमित रूप से जारी रहे।

रेरा का मूल मकसद

रेरा कानून 2016 में लागू किया गया था ताकि रियल एस्टेट सेक्टर में पारदर्शिता लाई जा सके और बिल्डरों की मनमानी पर रोक लगे। हर राज्य में नियामक प्राधिकरण बनाकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की गई थी कि फ्लैट खरीदारों को समय पर घर और न्याय मिले।

कंटेट क्रिएटर ने माता वैष्णो देवी भवन के अंदर का बनाया वीडियो सोशल मीडिया पर किया शेयर सुरक्षा पर उठे सवाल

कटरा, 12 फरवरी (एजेंसियां)। माता वैष्णो देवी भवन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बड़ा मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर शिखा नाम की एक कंटेंट क्रिएटर का वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें भवन के अंदर की तस्वीरें और वीडियो दिखाई दे रहे थे। बता दें कि माता वैष्णो देवी भवन के अंदर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पूरी तरह से प्रतिबंधित है। श्राइन बोर्ड की ओर से स्पष्ट निर्देश हैं कि भवन परिसर के अंदर किसी भी प्रकार की फोटो या वीडियो रिकॉर्डिंग की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद वीडियो का सामने आना सुरक्षा व्यवस्था में संभावित चूक की ओर इशारा करता है। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए। कई श्रद्धालुओं ने इसे नियमों की अनदेखी बताते हुए प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, वीडियो के वायरल होने के कुछ समय बाद संबंधित कंटेंट क्रिएटर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से यह वीडियो डिलीट कर दिया।

कांग्रेस नेता राहुल ममकूटथिल को केरल हाईकोर्ट से बड़ी राहत, दुष्कर्म मामले में मिली अग्रिम जमानत

तिरुवनंतपुरम, 12 फरवरी (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को पलक्कड़ के कांग्रेस विधायक राहुल ममकूटथिल को दुष्कर्म और जबरदस्ती गर्भपात कराने के मामले में अग्रिम जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति कौसर एडप्पगथ ने विधायक की उस याचिका पर यह राहत दी, जिसमें उन्होंने तिरुवनंतपुरम सेशन कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसने उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। फिलहाल हाईकोर्ट का विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं हुआ है। बता दें कि राहुल ममकूटथिल को इस मामले में 6 दिसंबर 2025 से गिरफ्तारी से राहत मिल रही थी। यह पलक्कड़ विधायक के खिलाफ दर्ज पहला यौन शोषण मामला है। इसके अलावा उनके खिलाफ दो अन्य समान मामले भी हैं।

सेशंस कोर्ट कोर्ट में दायर की थी अपील

बता दें कि राहुल ममकूटथिल ने 17 जनवरी को मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद सेशंस कोर्ट में अपील दायर की थी। यह तीसरा यौन उत्पीड़न मामला 8 जनवरी को कोट्टायम जिले की एक महिला की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (दुष्कर्म) और 506(1) (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

11 जनवरी को हुई थी गिरफ्तारी

गौरतललब है कि पुलिस ने राहुल ममकूटथिल को 11 जनवरी को पलक्कड़ से गिरफ्तार किया था। इससे पहले, केरल हाई कोर्ट और तिरुवनंतपुरम की एक सेशंस कोर्ट ने राहुल ममकूटथिल को पहले दो यौन उत्पीड़न मामलों में गिरफ्तारी से राहत दी थी। ये दोनों मामले अलग-अलग महिलाओं की शिकायतों के आधार पर दर्ज किए गए थे।

विधायक को तीनों मामलों में से दो में गिरफ्तारी से राहत मिली थी, जबकि तीसरे मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया और दो सप्ताह से अधिक समय तक हिरासत में रहना पड़ा, जिसके बाद उन्हें नियमित जमानत मिली। इस मामले के साथ ही कांग्रेस नेता और विधायक के खिलाफ यौन अपराध के गंभीर आरोपों की जांच पर निगाह बनी हुई है, और हाईकोर्ट की जमानत के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी।

बजट सत्र के पहले तीन मंत्री बर्खास्त किए जाएं

भोपाल, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव को पत्र लिखकर बजट सत्र से पहले तीन मंत्रियों को बर्खास्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों और नैतिकता की अनदेखी हो रही है, जिससे सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अपने पत्र में आरोप लगाया कि 16 फरवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण के जरिए "आंकड़ों का आडंबर" पेश किया जाएगा, जबकि प्रदेश आर्थिक संकट और बढ़ते कर्ज के बोझ से जूझ रहा है। पटवारी ने तीन मंत्रियों के संदर्भ में नैतिक जवाबदेही तय करने की मांग की है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि इन मामलों के बावजूद मंत्रियों का पद पर बने रहना सरकार की नैतिकता, संवेदनशीलता और जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न लगाता है। पटवारी ने पत्र में लिखा है कि बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण से पूर्व इन मंत्रियों को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए, ताकि जनभावनाओं का सम्मान हो सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो यह संदेश जाएगा कि सरकार आरोपों पर मौन समर्थन दे रही है।

जेल से निकले मजीठिया अपना काडर सक्रिय करने में जुटे

चंडीगढ़, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब की सियासत में सबसे पुरानी पार्टी शिरोमणि अकाली दल (शिअद) में एक बार फिर दो शक्ति केंद्र उभर गए हैं। बिक्रम सिंह मजीठिया के जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद ऐसी स्थिति बन रही है। मजीठिया इन दिनों हाशिये पर पहुंचे अपने कैडर को फिर सक्रिय करने में जुटे हैं, वहीं शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल पहले ही खुद से नाराज पुराने अकालियों को पार्टी में वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं। ड्रग मनी केस के आरोपों में घिरे मजीठिया को जून 2025 में पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने गिरफ्तार किया था। उन पर आय से अधिक संपत्ति जुटाने के आरोप भी लगे और वे नाभा जेल में बंद थे। पिछले दिनों मजीठिया को सुप्रीम कोर्ट से इस केस में जमानत मिल गई है।

ईडी के सामने आज पेश नहीं होंगे कैप्टन अमरिंदर सिंह

चंडीगढ़, 12 फरवरी (एजेंसियां)। ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के मामले में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और उनके बेटे रनिंदर सिंह को पूछताछ के लिए तलब किया है। पिता-पुत्र पर स्विस बैंक खाते सहित कुछ विदेशी संपत्तियों के लाभार्थी होने का आरोप लगाया गया है। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि बीजेपी नेता अमरिंदर सिंह को केंद्रीय जांच एजेंसी ने बृहस्पतिवार को जालंधर स्थित अपने कार्यालय में पेश होने के लिए कहा है। जबकि उनके बेटे को शुक्रवार को तलब किया गया है।

आज ईडी के सामने नहीं होंगे अमरिंदर सिंह

सूत्रों ने बताया कि अमरिंदर सिंह 12 फरवरी को पेश नहीं हो सके क्योंकि उन्हें हाल ही में मोहाली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ईडी अमरिंदर सिंह को पेश होने और अपना बयान दर्ज कराने के लिए एक नयी तारीख दे सकता है।

अमरिंदर सिंह पर लगे हैं ये आरोप

ईडी का यह कदम पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के सितंबर 2025 के आदेश से संबंधित है। हाई कोर्ट ने तब अमरिंदर सिंह और उनके बेटे द्वारा दायर उन याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिनमें उन्होंने आयकर विभाग द्वारा उनके खिलाफ दाखिल आरोप पत्र की जांच करने से ईडी को रोकने का अनुरोध किया था। दोनों पर आरोप है कि वे स्विस बैंक खाते सहित कुछ विदेशी संपत्तियों के लाभार्थी हैं। यह मामला 2011 में फ्रांस सरकार से भारत को प्राप्त विश्वसनीय सूचनाओं से संबंधित है,

जानें पूरा मामला

आयकर विभाग ने 2016 में लुधियाना के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में आईपीसी की कुछ धाराओं के अलावा सेक्शन 277 (झूठे बयान देने या झूठे अकाउंट/डॉक्यूमेंट्स पेश करने के लिए मुकदमा) के तहत दोनों के खिलाफ प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट (चार्जशीट) फाइल की थी। इसके बाद ईडी ने टैक्स डिपार्टमेंट के फाइल किए गए डॉक्यूमेंट्स की जांच के लिए मजिस्ट्रेट कोर्ट में एक एप्लीकेशन दी और शिकायत करने वाले आईटी डिपार्टमेंट को उन डॉक्यूमेंट्स की एक कॉपी देने का निर्देश देने की मांग की, क्योंकि वह फ़ेमा के तहत उस मामले की जांच कर रहा था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने ईडी की अर्जी मान ली, लेकिन पूर्व सीएम के परिवार ने इसे लुधियाना के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज की कोर्ट में चुनौती दी। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 13 फरवरी, 2026 3

सु वि चा र: मुस्कुराने का असर सेहत पर होता है, इसलिए मुस्कुराकर खुद को सेहतमंद बनाए!

'म्युनिटी पुलिसिंग' जनता से जुड़ाव : सीपी

साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट का स्थापना दिवस मना

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के 24वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सीपी ने कहा कि 2003 में साइबराबाद मेट्रोपॉलिटन अधिनियम के तहत स्थापित साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्र की सेवा करने वाली एक प्रमुख अर्बन पुलिसिंग प्रणाली के रूप में उभरा है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले साइबराबाद पुलिस आयुक्त के रूप में एम. महेंद्र रेड्डी ने कार्यभार संभाला था और पिछले 23 वर्षों की इस यात्रा में क्षेत्र के विकास में पुलिस के परिश्रम, पसीने और त्याग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उन्होंने कहा कि साइबराबाद में बने हर निर्माण और हुए हर विकास कार्य में पुलिस की सेवाएं अमिट रूप से जुड़ी हुई हैं। राष्ट्रीय ध्वज को साक्षी मानकर उन्होंने जनसेवा के प्रति और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। सीपी ने बताया कि तकनीक के उपयोग से आधुनिक पुलिसिंग में साइबराबाद कमिश्नरेट को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित कमांड कंट्रोल सिस्टम, साइबर क्राइम जांच, ट्रैफिक प्रबंधन, कम्युनिटी पुलिसिंग और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के माध्यम से साइबराबाद पुलिस देशभर में एक आदर्श के रूप में उभरी है। पुलिस की पेशेवर दक्षता को राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार भी मिले हैं। सीपी ने कहा कि साइबराबाद क्षेत्र देश की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है और आईटी, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट, फार्मा, बायोटेक्नोलॉजी, एमएसएमई, इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट क्षेत्रों की प्रगति के पीछे पुलिस द्वारा प्रदान की जा रही सुरक्षा ही आधार है। आउटर रिंग रोड से लेकर एयरपोर्ट तक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। 23 वर्षों की प्रगति को दर्शाने वाला एक विशेष वीडियो भी जारी किया गया। साथ ही, अब तक सेवा दे चुके पूर्व पुलिस आयुक्तों को सम्मानित करने की घोषणा की गई। उन्होंने कहा कि सेवा और व्यवहार से जनता का विश्वास जीतना चाहिए और 'कम्युनिटी कनेक्ट' कार्यक्रमों के जरिए सभी वर्गों में भरोसा पैदा करना चाहिए कि पुलिस उनके साथ है।

विशेष अपराध शाखाएं, साइबर प्रवर्तन इकाइयां और जनभागीदारी कार्यक्रमों से सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत सीपी कार्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इसके बाद धीर, वीर, ध्रुव, भीम, राखी, तेजा, मौनी और लाइका नामक पुलिस डॉग्स ने गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें पुलिसकर्मियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 14649081H, Hav, Bhagavan Rao Y, R/o, Dist: Bengalore, Karnataka, changed my Father's name from Y R Eashwara Rao to Y R Eshwararao, vide Affidavit No.284601 dt. 09.02.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जनता से जुड़ाव के साथ मनाया गया 24वां स्थापना दिवस

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के 24वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज कमिश्नरेट क्षेत्र के सभी पुलिस स्टेशनों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। बाचुपल्ली पुलिस स्टेशन में स्कूली विद्यार्थियों के साथ केक काटकर उत्सव मनाया गया, जबकि रायदुर्गम पुलिस ने मणिकोंडा सरकारी विद्यालय के 500 छात्रों को पुस्तकें वितरित कीं। जीडीमेटला और मेडचल क्षेत्र में पुलिस ने अस्पतालों और आश्रमों का दौरा कर मरीजों को फल वितरित किए। वहीं ट्रैफिक पुलिस ने यातायात नियमों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। पुलिसिंग के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए मियापुर और रामचंद्रापुरम ट्रैफिक पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। यातायात नियमों का पालन करते हुए हेलमेट और सीट बेल्ट पहनने वाले वाहन चालकों तथा वर्दीधारी ऑटो चालकों को गुलाब के फूल और चॉकलेट देकर सम्मानित किया गया। जिम्मेदार ड्राइविंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह अनोखा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रकार कमिश्नरेट भर में रक्तदान शिविर, पौधारोपण और सामुदायिक सेवा गतिविधियों के साथ 24वां स्थापना दिवस लोगों के बीच एक उत्सव की तरह धूमधाम से मनाया गया।

भाजपा प्रत्याशी की आत्महत्या मामले में मंत्री ने आरोपों से किया इनकार

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मत्स्य पालन मंत्री वकिती श्रीहरी ने मक्थल नगरपालिका में भाजपा प्रत्याशी महादेवप्पा की आत्महत्या मामले में अपनी किसी भी प्रकार की संलिप्तता से इनकार किया है। रुवार को मीडिया से बातचीत में मंत्री ने कहा कि यदि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप सिद्ध होते हैं तो वे किसी भी कार्रवाई के लिए तैयार हैं। न्होंने कहा कि हादेवप्पा को कभी फोन नहीं किया। आवश्यकता हो तो कॉल डाटा की जांच कराई जाए।

SEVEN HILLS CO-OP. URBAN BANK LTD.

(T.A. No. 1452) 15-9-372/13, Mehaboobgunj, Hyderabad 500012. Tel: No: 24650044, 24650090

Ref No: SARFAESI/2/2025-26/13(4)/2 Date:09-02-2026

POSSESSION NOTICE

(Under Rule 8 (1) of the Security Interest (Enforcement) Rules, 2002) (For Immovable property)

Sub: Possession Notice under Section 13 (4) of the SARFAESI Act, 2002

Whereas: The undersigned being the Authorised Officer of Seven Hills Cooperative Urban Bank Limited under the provisions of the Securitisation And Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (SARFAESI Act) (Act 54 of 2002) and in exercise of powers conferred under Section 13 (4) of the Act with rule 8(1) of the Security Interest (Enforcement) Rules, 2002 has taken possession of the below mentioned secured asset(s) in connection with the loan / credit facility availed by the Borrower from Seven Hills Cooperative Urban Bank Limited, Hyderabad.

The Borrower/s was served with a Demand Notice dated 08-12-2025 under Section 13(2) read with Rule 9 of the SARFAESI Act, 2002, calling upon the Borrower to repay the outstanding amount of Rs.23,31,827.20 (Rupees Twenty Three Lakhs Thirty One thousand Eight hundred and Twenty Seven and Twenty paisa) due as on 07-12-2025 with further interest and other charges thereon within 60 days from the date of the said Notice. However, despite the lapse of the statutory period, you have failed to discharge your liability.

Accordingly, in the exercise of powers conferred under Section 13(4) of the SARFAESI Act, 2002, the undersigned has taken possession of the secured asset(s) described herein below:

Description of the Immovable Property IMMOVABLE ASSETS

All that the Residential Flat No.101, in First Floor, of G.M. Residency, Municipal H.No.30-239/A2/101, (PTI No.1170813267), Premises bearing H.No.30-266/37, on Plot No.37, consisting builtup area 790.0 Sft., (including all common areas, staircase, balconies and 1 Two-Wheeler Parking, etc.,), together with an undivided share of land admeasuring 27.81 Square Yards or 23.24 Square Meters out of 200.0 Square Yards or 167.2 Square Meters, in survey No.441, situated at Dwarakamai Colony, Old Safilguda, Malkajgiri, the then Malkajgiri Municipality, now within the limits of GHMC, Malkajgiri Mandal, the then Ranga Reddy District, now Medchal-Malkajgiri District, Telangana State and bounded by as under :-

BOUNDARIES FOR THE FLAT :
North : Open to Sky, South : Open to Sky, East : Open to Sky
West : Corridor, Staircase, Flat No.103 & Flat No.102

BOUNDARIES FOR THE ENTIRE PROPERTY:
North : 20'.0" Wide Road, South : House on Plot No. 32
East : House on Plot No. 36, West : House on Plot No. 38

The borrower(s) and the general public are hereby cautioned not to deal with the said asset(s) in any manner and any dealings with the said asset(s) will be subject to the charge of Seven Hills Cooperative Urban Bank Limited, for an amount of Rs.23,31,827.20/- (Rupees Twenty Three Lakhs Thirty One thousand Eight hundred and Twenty Seven and Twenty paisa) along with further interest, costs, and charges thereon.

The possession notice will also be published in Two Newspapers (One in an English Language and one in Local Vernacular language) as required under Rule 8(2) of the Security Interest (Enforcement) Rules, 2002.

For any further clarification, you may contact the undersigned at the details provided below.

Sd/- **(PULAGAM RAJARAO)**
Authorised Officer
Seven Hills Co-operative Urban Bank Ltd.,
15-9-372/13, Mehaboobgunj, Hyderabad-500012

Date : 09-02-2026
Place : Hyderabad.

To: A) Sri Ishaan Agarwal S/o. Guru Govind Agarwal, H.No.10-3-3/28, Flat No.502, Shantinivas, Behind Shenoy Nursing Home, East Marredpally, Secunderabad–500026

B) Sri Ishaan Agarwal, S/o Guru Govind Agarwal, H.No.30-239/A2/101, Flat No.101, First Floor, G.M. residency, Dwarakamai Colony, Old Safilguda, Medchal-Malkajgiri–500047

फंदे से लटका मिला डिप्टी जेलर की पत्नी का शव

समस्तीपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। समस्तीपुर में डिप्टी जेलर की पत्नी का शव उसके घर में फंदे से लटका मिला। मृतका की पहचान गांव के नंदू चौधरी की पत्नी श्वेता कुमारी के रूप में की गई है। नंदू चौधरी दरभंगा में सहायक जेल अधीक्षक के पद पर पोस्टेड हैं। मामला विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव का है, जहां बुधवार को शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। मायके वालों ने इसे हत्या बताते हुए पति, सास और ससुर को इस हत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया है। मृतक के भाई का आरोप है कि उनके बहनोई गिफ्ट में फॉर्च्यूनर और 10 लाख की डिमांड कर रहे थे। कुछ दिन पहले ही गाड़ी के लिए हत्या की धमकी दी थी।

पीएम मोदी नमो भारत मेट्रो का करेंगे उद्घाटन

मेरठ, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

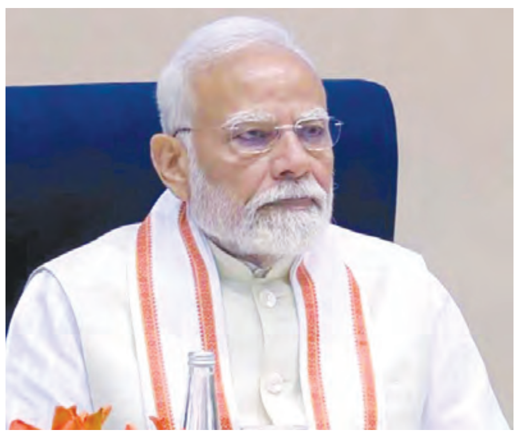

इंतजार की घड़ी खत्म होने वाली है। बहुप्रतीक्षित नमो भारत ट्रेन और मेरठ मेट्रो को हरी झंडी मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 फरवरी को दोनों ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री रैली को भी संबोधित करेंगे, जिसके लिए मोहिउद्दीनपुर में उस स्थल का चयन किया गया है
जहां पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित न्यू टाउनशिप विकसित की जानी है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल, डीएम विजय कुमार सिंह, एसएसपी अविनाश पांडेय, नगर आयुक्त सौरभ गंगवार, मेरठ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संजय मीना ने बुधवार को मेरठ साउथ स्टेशन से लेकर शताब्दी नगर स्टेशन व प्रस्तावित जनसभा स्थल की व्यवस्था परखी। वर्तमान में मेरठ के मेरठ साउथ (भूड़बराल) से दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्टेशन तक नमो भारत की सेवा जारी है। वर्तमान में इस हिस्से पर औसतन 60 हजार लोग प्रतिदिन यात्रा करते हैं, जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अलग-अलग समय पर दो चरणों में कर चुके हैं। अब दिल्ली के सराय काले खां और मेरठ के बाकी तीनों स्टेशनों (शताब्दीनगर, बेगमपुल व मोदीपुरम) पर यानी पूरे कारिडोर पर नमो भारत की सेवा शुरू होनी है।

वहीं इसी पटरी पर मेरठ में मेरठ साउथ स्टेशन से मोदीपुरम डिपो स्टेशन तक मेट्रो भी दौड़ेगी। इसका भी शुभारंभ इसी के साथ होगा। मेट्रो सभी 13 स्टेशनों पर रुकेगी। कुल 82 किमी लंबे कारिडोर में 23 किमी कारिडोर हिस्से पर मेरठ में मेट्रो भी दौड़ेगी। नमो भारत की अधिकतम संचालन गति 160 किमी प्रति घंटा है वहीं मेरठ मेट्रो की अधिकतम गति 120 किमी प्रति घंटा है।
30 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के निर्माण कार्य का शुभारंभ मार्च 2019 में हुआ था, जिसे जून 2025 में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया था।

यह है काम की स्थिति

नमो भारत व मेट्रो के मोदीपुरम स्टेशन तक संचालन के लिए सुरक्षा संबंधित अनुमति काफी पहले मिल चुकी है। यात्रियों के लिए आवश्यक प्रवेश-निकास द्वार तैयार हैं। तीनों भूमिगत स्टेशनों भी तैयार हैं। मोदीपुरम डिपो स्टेशन व मोदीपुरम डिपो अभी निर्माणाधीन हैं, इसके पूर्ण होने में समय लग जाएगा। अभी मेट्रो का भी शुभारंभ होगा, इसलिए सात-आठ महीने तक मेट्रो को दुहाई से ही लाया जाएगा। गौरतलब है कि नमो भारत का संचालन दुहाई डिपो से होता है, जबकि मोदीपुरम डिपो मेट्रो के संचालन के लिए बनाया जा रहा है।

थाने के अंदर चल रहा था 'इश्क का खेल

बिजनौर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस की साख पर एक बार फिर गहरा दाग लगा है। बिजनौर जिले के रेहड़ थाने में तैनात एक हेड कांस्टेबल और महिला कांस्टेबल का बेहद आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला तब और गंभीर हो गया जब वीडियो में महिला कांस्टेबल पुलिस की वर्दी पहने नजर आई। इस शर्मनाक घटना का संज्ञान लेते हुए एसपी अभिषेक झा ने तत्काल प्रभाव से दोनों को सस्पेंड कर दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो पुलिस महकमे में आग की तरह फैल गया। वीडियो में दोनों पुलिसकर्मी मर्यादा की सारी हदें पार करते नजर आ रहे हैं। जैसे ही यह मामला जिले के कप्तान तक पहुँचा, उन्होंने इसे अनुशासनहीनता की पराकाष्ठा मानते हुए कड़ी कार्रवाई की।

काली पट्टी बांधकर विपक्ष का प्रदर्शन

अपराध और बदहाली पर सरकार को घेरा; 700 रुपये दैनिक मजदूरी की मांग

पटना, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा के बजट सत्र के आठवें दिन वर्ष 2026-27 के आय-व्यय पर चर्चा शुरू होने से पहले सदन परिसर का माहौल गरमा गया। कांग्रेस नेता मुंह पर काली पट्टी बांधकर पोर्टिको में पहुंचे। इस प्रतीकात्मक प्रदर्शन के जरिए उन्होंने राज्य में बढ़ते अपराध और सरकार की कथित चुप्पी के खिलाफ आवाज उठाई। प्रदर्शन के दौरान कुछ देर तक नारेबाजी भी हुई। बाद में सभी विधायक सदन की कार्यवाही में शामिल होने के लिए भीतर चले गए। विधायक अभिषेक रंजन समेत कांग्रेस के अन्य नेताओं ने कहा कि प्रदेश में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। आरोप लगाया कि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर स्पष्ट जवाब देने से बच रही है। उनका कहना था कि इससे यह प्रतीत होता है कि सरकार अपराध के सवाल पर मौन साधे हुए है। कांग्रेस विधायकों ने कानून-व्यवस्था की स्थिति को चिंताजनक बताया। साथ ही सरकार से अपराध नियंत्रण पर ठोस कदम उठाने और सदन में विस्तृत चर्चा कराने की मांग की।
गुरुवार को बिहार विधानसभा परिसर में राजद और कांग्रेस नेताओं ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन किया। विपक्षी सदस्यों ने राज्य की मौजूदा स्थिति को बदहाल बताते हुए सरकार पर निशाना साधा। हाथों में नारे लिखी तख्तियां लेकर पहुंचे नेताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए। उनका कहना था कि विकास के दावे जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाते। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में विपक्षी विधायक मौजूद रहे।
विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि बिहार आज भी साक्षरता दर में देश में सबसे पीछे है। उनका कहना था कि प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है और राज्य में प्रति व्यक्ति निवेश भी न्यूनतम स्तर पर है। नेताओं ने कहा कि विकास के दावों के बावजूद आम जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है। विपक्ष ने सरकार से इन मुद्दों पर स्पष्ट जवाब देने की मांग की। साथ ही राज्य की आर्थिक स्थिति पर विस्तृत चर्चा की जरूरत बताई।
नेताओं ने कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी सरकार पर हमला बोला। उनका आरोप था कि राज्य में अपराध और प्रतिदिन होने वाली हत्याओं की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। इससे आम लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। विपक्षी विधायकों ने कहा कि सरकार कानून व्यवस्था संभालने में असफल रही है। उन्होंने सदन में इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा की मांग दोहराई।
प्रदर्शन के दौरान श्रमिकों के हितों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। विपक्ष ने राज्य में श्रमिकों के लिए न्यूनतम दैनिक मजदूरी 700 रुपये निर्धारित करने की मांग की। नेताओं का कहना था कि महंगाई के इस दौर में मजदूरों को पर्याप्त राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

बंगाल से आकर बिहार की ट्रेनों में करते थे चोरी, 8 महिला सहित 10 गिरफ्तार; 30 लाख के जेवरात बरामद

पटना, 12 फरवरी (एजेंसियां)। दानापुर रेल पुलिस ने हाल ही में क्षेत्र में हुई जेवरात चोरी के मामले का सफल उद्भेदन करते हुए अंतरराज्यीय चोर गिरोह के आठ महिलाओं समेत दस बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए लगभग 25-30 लाख रुपये के जेवरात पश्चिम बंगाल और झारखंड के धनबाद से बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह गिरोह पश्चिम बंगाल से आकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था और फिर वापस लौट जाता था। आरोपियों ने बताया कि वे चोरी किए गए जेवरात को अन्य स्थानों पर भेज देते थे। गिरोह में शामिल महिलाएं और छोटे बच्चे भी होते थे, जिससे वे भीड़ का फायदा उठाकर आसानी से फरार हो जाते थे।

दामाद के संग भागी महिला अब बहनोई के साथ हुई फरार

अलीगढ़, 12 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के अलीगढ़ में अप्रैल 2025 में अपनी बेटी के होने वाले दामाद के साथ फरार हुई महिला अब अपने बहनोई के साथ भाग गई है। यह घटना दादों थाना क्षेत्र के मनोहरपुर गांव से जुड़ी है और अब दामाद राहुल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, 38-39 वर्षीय सपना देवी ने पिछले साल अप्रैल में अपनी बेटी शिवानी की शादी से ठीक पहले 20-25 वर्षीय राहुल के साथ घर से नकदी और जेवर लेकर भाग गई थी। दोनों ने बिहार-नेपाल बॉर्डर तक पहुंचकर कुछ समय बिताया, लेकिन बाद में पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया और अलीगढ़ लौट आए। उस वक्त सपना ने पुलिस को बताया था कि वह राहुल के साथ जीवन भर रहना चाहती है। हालांकि, अब 10 महीने बाद नया ट्विस्ट आया है। राहुल ने दादों थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि सपना कुछ दिनों पहले उसके बहनोई के साथ फरार हो गई।
दोनों बिहार के सीतामढ़ी जिले के थाना बेला क्षेत्र के गांव उसरैना में रह रहे थे, जहां राहुल कपड़े का व्यापार कर रहा था। राहुल का दावा है कि सपना उसके कमाए हुए करीब 2 लाख रुपये नकद और जेवरात साथ लेकर चली गई। राहुल ने बताया कि वह थाने पहुंचा, लेकिन मामला अभी तक दादों थाने या सीतामढ़ी पुलिस में औपचारिक रूप से दर्ज नहीं हुआ है। इधर, सूत्रों के अनुसार सपना के मूल पति ने भी हाल ही में दूसरी शादी कर ली है, जिससे परिवार में पहले से तनाव था। यह घटना गांव और आसपास के इलाकों में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने पर जांच शुरू की जाएगी।

होटल में चल रहा था देह व्यापार

पुलिस ने छापामारी कर 11 लड़कियों को छुड़ाया; मैनेजर समेत तीन गिरफ्तार

साहिबाबाद, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कौशांबी थाना क्षेत्र के एक होटल में पुलिस ने मंगलवार रात छापामारी कर देह व्यापार का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से 11 युवतियों को मुक्त कराकर होटल मैनेजर समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मामले में फरार चार आरोपितों की तलाश में पुलिस जुटी है। पुलिस ने मौके से काफी आपत्तिजनक सामग्री व नशीला पदार्थ बरामद किया है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि होटल में देह व्यापार की सूचना पर पुलिस टीम के साथ छापा मारा गया। इस दौरान अलग-अलग कमरों से युवतियों का रेस्क्यू किया गया। कुछ युवतियां होटल के बाहर बताई गईं, जो पुलिस टीम को नहीं मिलीं। होटल के कमरों से नशे के लिए लाया चरस व गांजा भी बरामद हुआ।
आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई। मौके से होटल मैनेजर वैशाली के राहुल शर्मा, अलीगढ़ के कासिमपुर के अंकित चौहान और अलीगढ़ के अकराबाद के सुनील को गिरफ्तार किया है। चार आरोपित निर्दोष कसाना, सुमित , राहुल व अफजल फरार हैं। आरोपितों से पूछताछ में पता चला कि देह व्यापार का होटल में पूरा धंधा प्रबंधक राहुल शर्मा चला रहा था। अंकित और सुनील दोनों ग्राहक लाने या कमरों में ठहरने वालों से डील करते थे। निर्दोष की देखरेख में पूरा कारोबार चलाया जा रहा था। रेस्क्यू युवतियों को दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा, गुजरात, पश्चिम बंगाल से बुलाया गया था। सभी युवतियां गरीब घरों से हैं व अधिक पढ़ी-लिखी नहीं हैं।

एआईएमआईएम के यूपी चीफ शौकत अली का विवादास्पद बयान

बोले- बीजेपी की 'बी' टीम कहा तो कार्यकर्ता जूते से मारेंगे

अमरोहा, 12 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा के हसनपुर में एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली का बयान सियासी हलकों में चर्चा का विषय बन गया। अमरोहा की हसनपुर तहसील पहुंचे शौकत अली ने मीडिया से बातचीत के दौरान अपनी पार्टी को बीजेपी की 'बी' टीम बताए जाने पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने ऐसे लोगों को कार्यकर्ताओं की तरफ से जूते से मारने की धमकी दे डाली। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।
एआईएमआईएम को बीजेपी की बी टीम कहे जाने वाले सवाल पर शौकत अली ने कहा, 'ये इल्जाम कांशीराम पर भी लगाया गया था। बी टीम कोई साबित कर देगा, तो हमारे कार्यकर्ता जूता लेकर तैयार हैं। जो ये बात बोलेगा हमारे कार्यकर्ता उसे जूता निकलकर मारेंगे। जिस तरह से बिहार में जूता मारा गया, उसी तरह से महाराष्ट्र में भी जूता मारा गया। वो ही जूता यहां भी मारा जाएगा 2027 में, जो हमें बी टीम कहेगा।'
'एआईएमआईएम के टिकट भाजपा फाइनल करती है' वाले सवाल के जबाव में शौकत अली ने कहा कि ये बात वो लोग करते हैं जो मुरादाबाद में शराब की दुकानें चलाते हैं। बार चलाते हैं। वही लोग और उनके कार्यकर्ता ही ये बात करते होंगे।
जान लें कि शौकत अली अपने विवादास्पद बयानों को लेकर चर्चा में बन रहते हैं। हाल ही में शौकत अली ने 'हम दो, हमारे दो दर्जन' का नारा दिया था। उन्होंने मुसलमानों से अधिक बच्चे पैदा करने की अपील भी की थी। शौकत अली बोले थे कि हम तो कहेंगे कि आप अधिक से अधिक बच्चे पैदा करें। अल्लाह दे रहे हैं तो लीजिए। जिन लोगों के बच्चे नहीं होते, उनसे कोई चौखट नहीं बचती, जहां वे अपना माथा नहीं टेकते।
अल्लाह बच्चों को जब तक दे रहा है, तब तक उसे लेते रहिए। उन्होंने आगे कहा कि लोग थोड़ा परेशान होते हैं कि हमारी जनसंख्या बढ़ रही है। जितनी जनसंख्या बढ़ेगी, देश उतना मजबूत होगा। चीन की जनसंख्या ज्यादा है तो वह मजबूत है। साथ ही उन्होंने गर्व के साथ बताया कि उनके खुद के 8 बच्चे हैं, जबकि उनके बड़े भाई जिनका निधन हो चुका है, उनके भी 16 बच्चे हैं। हमारी वालिदा की उम्र 97 साल है और उनके कम से कम 72 नाती और पोते हैं, वो भी 6-6 फिट के।

खुदा करे कयामत हो

अखिलेश यादव का ये गाने वाले तंज नहीं भूलेंगे सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 12 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में 'कयामत' शब्द को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच दिलचस्प जुबानी जंग छिड़ गई है। इस बात की शुरुआत हुई सीएम योगी आदित्यनाथ के एक बयान से जिसमें कयामत शब्द का इस्तेमाल किया गया था। असल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के संदर्भ में कहा कि कयामत के दिन तक भी बाबरी के ढांचे का दोबारा निर्माण होगा। उन्होंने उन लोगों पर तंज कसा था जो बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण का सपना देख रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि राम मंदिर सनातन धर्म के गौरव के रूप में हमेशा बना रहेगा।
अखिलेश यादव ने बजट के बाद हुई अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में योगी आदित्यनाथ को सीधे शब्दों के बजाय एक पुराने फिल्मी गाने के जरिए जवाब दिया। उन्होंने मीना कुमारी की फिल्म बहू बेगम का मशहूर गाना बजवाया कि हम इंतजार करेंगे तेरा कयामत तक, खुदा करे कयामत हो और तू आए। अखिलेश यादव ने बिना कुछ बोले स्क्रीन पर यह गाना चलाकर योगी आदित्यनाथ के 'कयामत' वाले बयान पर कटाक्ष किया। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता रहे हुमायूं कबीर ने पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखने की बात कही थी। उन्हीं से जुड़ी खबरों के बीच सीएम योगी ने यह बयान दिया था। अब अखिलेश यादव का यदव गाने वाला जवाब सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

पुलिस एनकाउंटर में मारा गया कुख्यात बदमाश अमजद

मुजफ्फरनगर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के मुजफ्फरनगर स्थित बुढ़ाना में पुलिस और दो बदमाशों के बीच मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी अमजद मारा गया। दरोगा संदीप और सिपाही अशफाक घायल हुए हैं। एसपी देहात आदित्य बंसल की बुलेटप्रूफ जैकेट में भी गोली लगी है। वहीं बदमाश का साथी फरार हो गया। एसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि बृहस्पतिवार तड़के करीब तीन बजे बुढ़ाना में थाना बुढ़ाना, थाना तितावी और थाना शाहपुर पुलिस की संयुक्त टीम की बाइक सवार दो बदमाशों से मुठभेड़ हो गई।
पुलिस ने बदमाशों को रोकने का इशारा किया तो उन्होंने अचानक फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में 50 हजार रुपये का इनामी शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव हरसोली का रहने वाला अमजद घायल हो गया, जबकि उसका साथी भाग गया। बदमाश से एक पिस्टल और कार्बाइन बरामद हुई है।
घायल अमजद को बुढ़ाना सीएचसी ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। वह अन्तर्राज्यीय स्तर का अपराधी था। उसके विरुद्ध मेरठ, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली, बागपत, गाजियाबाद समेत कई जिलों में हत्या, लूट, चोरी, गैंगस्टर जैसी संगीन धाराओं में लगभग 40 मुकदमे दर्ज हैं। वह बुढ़ाना कोतवाली में दर्ज लूट के दो मामलों में वांछित चल रहा था। मुठभेड़ में बुढ़ाना कोतवाली के दरोगा संदीप और सिपाही अशफाक घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लेम्बोर्गिनी कांड- अरबपति कारोबारी का बेटा अरेस्ट

कानपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। लेम्बोर्गिनी केस में इस वक्त की सबसे बड़ी खबर आ रही है। अरबपति कारोबारी का बेटा आरोपी शिवम मिश्रा गिफ्तार हो चुका है। तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा के बेटे को बचाने की तमाम कोशिशें नाकाम हो गईं। कारोबारी ने पहले पुलिस को मैनेज किया। पैतरा एक्सपोज हुआ तो कोर्ट में ड्राइवर को सरेंडर कराया। हालांकि, कोर्ट ने ड्राइवर मोहन की अर्जी खारिज कर दी, उसे आरोपी नहीं माना। कोर्ट ने कहा कि पुलिस रिपोर्ट में आरोपी शिवम है, मोहन का कहीं नाम नहीं है। कार अभी थाने में ही रहेगी।
अब इस केस की सुनवाई 13 फरवरी को होगी। कानपुर के वीआईपी रोड पर 8 फरवरी को तेज रफ्तार लेम्बोर्गिनी ने 6 लोगों को घायल कर दिया। ये कार आर्यनगर में रहने वाले तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा के बेटे शिवम मिश्रा की है। हादसे के बाद रसूखदार परिवार के आगे पहले तो पुलिस सरेंडर हो गई और लेम्बोर्गिनी कार को थाने में वीआईपी ट्रीटमेंट दिया गया। इस कार को वहां खड़ा किया गया, जहां थानेदार की कार खड़ी होती है। कवर से ढक दिया गया। उसकी रखवाली के लिए बाउंसर खड़े किए गए।

धर्म बदलने या शादी करने के बाद किसी की जाति नहीं बदल जाती

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ऐसा क्यों कहा

प्रयागराज, 12 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए साफ कहा है कि किसी व्यक्ति का धर्म परिवर्तन या इंटर-कास्ट विवाह उसकी जन्मजात जाति को खत्म नहीं करता। यानी न धर्म बदलने से और न ही दूसरी जाति में शादी करने से किसी व्यक्ति की जाति बदल सकती है।
यह टिप्पणी कोर्ट ने एससी/एसटी एक्ट से जुड़ी एक क्रिमिनल अपील को खारिज करते हुए की। यह फैसला जस्टिस अनिल कुमार दशम ने अपीलकर्ता दिनेश व अन्य आठ लोगों की याचिका खारिज करते हुए सुनाया। अपीलकर्ताओं ने अलीगढ़ के स्पेशल जज एससी/एसटी एक्ट द्वारा 27 जुलाई 2022 को दिए गए आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। मामला 2022 में अलीगढ़ के खैर थाने में दर्ज एक एफआईआर से जुड़ा था, जिसमें आरोप था कि अपीलकर्ताओं ने शिकायतकर्ता महिला के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जातिसूचक अपमान किया।
एफआईआर में आईपीसी की धारा 323, 506, 452, 354 और एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1)(आर) के तहत केस दर्ज हुआ था। अपीलकर्ताओं का दावा था कि शिकायतकर्ता मूल रूप से बंगाल की रहने वाली है और एससी/एसटी समुदाय से है, लेकिन दूसरी जाति (जाट) के पुरुष से शादी करने के बाद वह अपनी एससी/एसटी पहचान नहीं रख सकती। शिकायतकर्ता ने जाट समुदाय में शादी की है, इसलिए वह अब एससी/एसटी श्रेणी में नहीं आती।
इस आधार पर एससी/एसटी एक्ट के तहत आरोप कायम नहीं किए जा सकते। अपीलकर्ताओं के खिलाफ पहले से दर्ज एफआईआर होने के कारण आरोप निराधार और 'जवाबी कार्रवाई' बताए गए। सरकार और शिकायतकर्ता की ओर से कहा गया है कि एफआईआर और शिकायत दोनों में एक ही दिन की घटना दर्ज है-आरोपियों ने हमला करने के साथ जातिसूचक गालियां दीं। घायलों की मेडिकल रिपोर्ट केस को मजबूत करती है।
शादी के कारण जाति बदलने की दलील कानूनन गलत है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि एक महिला दूसरी जाति में शादी कर ले, तब भी वह अपनी मूल जाति खोती नहीं है।
यदि कोई व्यक्ति धर्म बदल ले, तब भी वह अपनी मूल जाति ही रखता है, जब तक राज्य द्वारा औपचारिक रूप से जाति परिवर्तन मान्य न किया जाए। ट्रायल कोर्ट ने शिकायतकर्ता, गवाहों, चोट के सबूत और बयान को आधार बनाकर जो प्रक्रिया शुरू की, उसमें कोई गलती नहीं। दोनों पक्षों की क्रॉस एफआईआर होने से किसी की शिकायत को रद्द नहीं किया जा सकता।
अंततः कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ताओं का तर्क कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं और उनकी क्रिमिनल अपील खारिज कर दी। यह आदेश सामाजिक न्याय प्रणाली के लिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे यह सिद्धांत पुनः स्थापित होता है कि जाति जन्म आधारित पहचान है, जिसे विवाह या धर्म परिवर्तन प्रभावित नहीं करता। एससी/एसटी एक्ट के दायरे में शिकायतकर्ता की पहचान वैध है, चाहे उसने किससे विवाह किया हो।

'जब तक नया टाइटल नहीं बताओगे फिल्म रिलीज नहीं होने देंगे'; एससी की घूसखोर पंडत पर डायरेक्टर को फटकार

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। मनोज बाजपेयी की 'घूसखोर पंडत' फिल्म मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फिल्ममेकर नीरज पांडे फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप ऐसा टाइटल इस्तेमाल करके समाज के एक हिस्से को क्यों बदनाम कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्मेकर नीरज पांडे को फटकार लगाते हुए कहा कि जब तक आप हमें बदला हुआ टाइटल नहीं बताते, हम आपको फिल्म रिलीज नहीं करने देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 'घूसखोर पंडत' पर फिल्ममेकर नीरज पांडे से कहा कि फिल्म का टाइटल नैतिकता और पब्लिक ऑर्डर के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट ने नेटफ्लिक्स पर फिल्म 'घूसखोर पंडत' की रिलीज पर रोक लगाने की अर्जी पर केंद्र, सीबीएफसी और नीरज पांडे को नोटिस जारी किया है। बता दें कि बीते 03 फरवरी 2026 को नेटफ्लिक्स ने अपने साल 2026 के लिए 'इंडिया प्लान' का एलान किया। इसमें मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडत' का एलान भी टीजर रिलीज करके किया गया। लेकिन इसकी टाइटल को लेकर विवाद शुरू हो गया है।

लोग सड़कों पर उतर गए। इसके बाद यह मामला कोर्ट तक पहुंच गया। फिल्म में मनोज बाजपेयी एक भ्रष्ट पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभा रहे हैं। जिन्हें पुलिस महकमे में 'पंडत' कहा जाता है। फिल्म के टाइटल की रिलीज के साथ विवाद शुरू हो गया। अब सुप्रीम कोर्ट द्वारा नेटफ्लिक्स पर रिलीज के मामले में केंद्र और सीबीएफसी को भी नोटिस जारी किया गया है।

यह पक्षपाती और जबरदस्ती थोपा गया फैसला, 'वंदे मातरम' को अनिवार्य किए जाने पर बोले अरशद मदनी

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की ओर से राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम्' को अनिवार्य बनाए जाने को लेकर कई तरह की प्रतिक्रिया आ रही है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने इस फैसले पर निराशा जाहिर करते हुए कहा कि यह पक्षपाती और जबरदस्ती थोपा गया फैसला है। साथ ही संविधान की धारा 25 के खिलाफ बताया। वहीं देवबंदी उलेमा मौलाना कारी इसहाक गोरा ने भी इस फैसले की आलोचना की है। मौलाना अरशद मदनी ने केंद्र के फैसले पर विरोध जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत के रूप में सभी सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों, कॉलेजों और आयोजनों में इसकी समस्त पंक्तियों को अनिवार्य करना केंद्र सरकार का न केवल पक्षपाती बल्कि जबरदस्ती थोपा गया फैसला है। साथ ही यह आदेश संविधान में दी गई धार्मिक आजादी पर खुला हमला और अल्पसंख्यकों के अधिकार छीनने का निंदनीय प्रयास है।"

'संविधान की धारा 25, एससी के आदेश का उल्लंघन'

उन्होंने इस आदेश को संविधान का खुला उल्लंघन करार देते हुए कहा, "मुसलमान किसी को भी वंदे मातरम् पढ़ने या उसकी धुन बजाने से नहीं रोकते, चूंकि उसकी कुछ पंक्तियां बहुदेववादी आस्था पर आधारित हैं और धरती को ईश्वर के रूप में प्रस्तुत करती हैं, जो एकेश्वरवादी धर्म की आस्था से टकराती है, इसलिए मुसलमान, जो सिर्फ एक अल्लाह की वंदना करता है, उसको इसे पढ़ने पर विवश करना संविधान की धारा 25 और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का खुला उल्लंघन भी है।" फैसले के पीछे सरकार की साजिश का जिक्र करते हुए अरशद मदनी ने कहा, "आज इस गीत को अनिवार्य कर देना और नागरिकों पर थोपने की कोशिश असल में देशप्रेम नहीं, बल्कि चुनावी राजनीति, सांप्रदायिक एजेंडे और जनता का ध्यान मूल समस्याओं से हटाने की सोची-समझी चाल है।"

'मुसलमान सिर्फ अल्लाह की इबादत करता है'

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष ने कहा कि मातृभूमि से प्रेम का आधार नारे नहीं, बल्कि चरित्र और बलिदान होते हैं, जिनका उज्ज्वल उदाहरण मुसलमानों और जमीयत उलमा-ए-हिंद का अभूतपूर्व संघर्ष है। इस तरह के फैसले देश की शांति, एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने के साथ-साथ संविधान का भी उल्लंघन हैं। मुसलमानों के लिए इस फैसले के अमल नहीं किए जाने की बात करते हुए अरशद मदनी ने कहा, "याद रखिए! मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की इबादत करता है। हम सब कुछ बर्दाश्त कर सकते हैं, मगर अल्लाह के साथ किसी को शरीक करना कभी स्वीकार नहीं कर सकते। इसलिए वंदे मातरम् को अनिवार्य कर देना संविधान की आत्मा, धार्मिक आजादी और लोकतांत्रिक मूल्यों पर खुला हमला है।"

इस्लाम में एक की पूजा नहीं होती देवबंदी उलेमा

केंद्र सरकार के इस फैसले पर देवबंदी उलेमा का कहना है कि इसे लागू करने से पहले सरकार को ठीक से पहले सोचना चाहिए था। मुस्लिम धर्म गुरु और देवबंदी उलेमा मौलाना कारी इसहाक गोरा ने कहा, "पहले भी हमारे धर्म गुरु और अन्य उलेमा वंदे मातरम् के कुछ अंशों पर आपत्ति जता चुके थे। मजहबे इस्लाम में किसी की पूजा नहीं होती सरकार को इसे लागू करने से पहले सोचना चाहिए था। इसके अल्फाज किसी विशेष धर्म को आहत तो नहीं पहुंचा रहे इसका भी ध्यान रखना चाहिए था। वंदे मातरम् में कुछ अल्फाज ऐसे हैं जो हमें कबूल नहीं इस्लाम धर्म एक बहुत ही डिसीप्लेन वाला धर्म है।

'न्यू इंडिया में दुख पर भी कीमत का टैग है', टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी का तंज

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में जीएसटी को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बीच तीखी बहस देखने को मिली। बहस के बाद अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक लंबा पोस्ट करके वित्त मंत्री के आरोपों का जवाब दिया और कहा कि उन्होंने तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत सामने रखी है। सांसद अभिषेक बनर्जी ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह वित्त मंत्री का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने उनका भाषण ध्यान से सुना, लेकिन काश वह बंगाल के लोगों की भी उतनी ही गंभीरता से सुनतीं, जब वे मनरेगा, पीएम आवास योजना, पीएम ग्राम सड़क योजना और जल जीवन मिशन के बकाया फंड की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने उन पर तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने का आरोप लगाया है, इसलिए वह अब 'तथ्यों को सीधा' कर रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में कहा कि यह सही है कि ताजे दूध पर कोई जीएसटी नहीं है, लेकिन जो मां ताजा दूध खरीदने में सक्षम नहीं है और अपने बच्चे के लिए पाउडर वाला दूध लेती है, उस पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगता है।

एक साल पहले शादी, तीन महीने की गर्भवती की मौत, माता-पिता को बिना बताए ससुरालियों ने किया अंतिम संस्कार

पटियाला, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पटियाला के गांव धनेठा में 20 साल की विवाहित की मौत हो गई। हैरानी की बात यह है कि ससुरालियों ने मायके वालों को बिना बताए मृतका का अंतिम संस्कार भी कर दिया। मृतका की पहचान तनु के तौर पर हुई है। मायके वालों ने ससुरालियों पर बेटी की हत्या का आरोप लगाया है। अब यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है। हरियाणा की सीमा से सटे गांव गढ़ी साहिब में मृतका तनु का अंतिम संस्कार उसके माता-पिता को बताए बिना रात में ही कर दिया गया। गांव वाले इस मामले को हत्या मान रहे हैं, जबकि ससुराल वालों का कहना है कि तनु ने फंदा लगाकर आत्महत्या की है। गांव गढ़ी साहिब निवासी बबली, हरप्रीत, गुरमीत (पंच) और गांव के सरपंच राज सिंह ने आरोप लगाया कि 5 फरवरी को घरेलू झगड़े के बाद तनु गुस्से में घर से निकल गई थी।

दिल्ली हमले के पीछे था जैश-ए-मोहम्मद

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किला के पास हुए भीषण धमाके की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र की 37वीं रिपोर्ट में दिल्ली के लाल किला हमले से जैश-ए-मोहम्मद का नाम सामने आया है। पिछले साल 10 नवबर को इस हमले में 15 लोगों की मौत हुई थी। उस समय इस हमले की जिम्मेदारी जैश ने ली थी। संयुक्त राष्ट्र की 37वीं रिपोर्ट में मसूद अजहर की नई विंग 'जमात-उल-मुमिनात' का भी जिक्र है। यह रिपोर्ट सीमा पार आतंकवाद पर सवाल उठाती है, जबकि जैश की सक्रियता पर सदस्य देशों में मतभेद हैं। यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 सैंक्शंस कमेटी के लिए तैयार की गई है। इस रिपोर्ट में पहलगाम हमले का भी जिक्र किया गया है।

रिपोर्ट में क्या-क्या बताया गया?

रिपोर्ट के मुताबिक, 10 नवंबर को नई दिल्ली में रेड फोर्ट के पास हुए हमले

में 15 लोगों की मौत का दावा किया गया है। यूएन रिपोर्ट में कहा गया है कि एक सदस्य देश ने जानकारी दी कि जैश-ए-मोहम्मद ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी जिक्र है कि इस मामले को लेकर सदस्य देशों के बीच मतभेद हैं।

दोनों देशों का जैश को लेकर अलग-अलग दावा

भारत का दावा है कि जैश अब भी एक्टिव है और क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों से जुड़ा हुआ है, जबकि पाकिस्तान ने संगठन को निष्क्रिय बताया है। पाकिस्तान पहले भी यह कह चुका है कि जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद ये संगठन सक्रिय नहीं हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जैश प्रमुख मसूद अजहर ने 8 अक्टूबर को महिलाओं की एक अलग विंग बनाने का ऐलान किया था। जिसका नाम जमात-उल-मुमिनात रखा गया। हालांकि यह विंग अभी यूएन की प्रतिबंधित सूची में शामिल नहीं है। लेकिन, उस पर आतंकी गतिविधियों को समर्थन देने के आरोप हैं।

यूएन रिपोर्ट में पहलगाम हमले का भी जिक्र

यूएन रिपोर्ट में अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले का भी जिक्र है, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। उस समय हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। रिपोर्ट में यह भी जिक्र है कि 28 जुलाई 2025 को तीन संदिग्ध आतंकियों को मार गिराया गया था। मई 2025 में भारत द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई और उसके बाद चार दिनों तक चले सैन्य तनाव का भी जिक्र रिपोर्ट में किया गया है। कुल मिलाकर, यूएन की इस ताजा रिपोर्ट ने एक बार फिर सीमा पार आतंकवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रिक्शा ड्राइवर ने 10 साल की लड़की का हाथ पकड़ दबोचा, सहेली ने आंखों में मिट्टी डाल छुड़वाया

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बदलापुर में हुई बच्ची से छेड़छाड़ की घटना राज्य में चर्चा का विषय बनी थी, जिसके बाद लोगों में गुस्से की लहर दौड़ गई थी। बावजूद नाबालिग लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं अब भी सामने आ रही हैं। ताजा मामला बदलापुर से सामने आया है, यहां ट्यूशन जाने वाली एक 10 साल की नाबालिग बच्ची के साथ एक रिक्शा ड्राइवर ने हाथ पकड़कर छेड़छाड़ की। इस मामले में पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, बच्ची के विरोध करने के बावजूद रिक्शा ड्राइवर उसका हाथ नहीं छोड़ रहा था। आखिरकार, सूझबूझ दिखाते हुए उसके साथ मौजूद उसकी दोस्त ने रिक्शा ड्राइवर से छुटकारा पाने के लिए रिक्शा ड्राइवर की आंखों में मिट्टी फेंकी और वहां से भाग गई। यह घटना बदलापुर पूर्व इलाके की है। घटना की जानकारी परिजनों को दी गई, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और कुछ ही घंटों में आरोपी को अंबरनाथ से गिरफ्तार कर लिया। बदलापुर पूर्व पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस निरीक्षक राजेश गज्जल ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में बच्चों से जुड़े अपराधों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जा रही है।

प्रिया सचदेवा ने दिल्ली हाईकोर्ट में दायर किया मानहानि केस, ननद और पॉडकास्टर पर 20 करोड़ का दावा

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। प्रिया सचदेवा कपूर ने अब अपनी ननद मंदीरा कपूर स्मिथ और एक पॉडकास्टर के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में 20 करोड़ रुपये का सिविल मानहानि का मुकदमा दायर किया है। आरोप है कि पॉडकास्ट, इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर दिए गए बयानों से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। प्रिया सचदेवा कपूर इससे पहले भी इन्हीं कथित बयानों को लेकर मंदीरा कपूर स्मिथ के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज करा चुकी हैं। यह कानूनी लड़ाई आरके फैमिली ट्रस्ट और संपत्ति से जुड़े चल रहे पारिवारिक विवाद के बीच सामने आई है।

प्रिया का जन्म दिल्ली के एक कारोबारी परिवार में हुआ। उनके पिता अशोक सचदेव एक ऑटोमोबाइल डीलर हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) से गणित और व्यापार प्रबंधन की पढ़ाई की और यूसीएलए में भी कुछ समय पढ़ाई की। शुरुआत में प्रिया ने मॉडलिंग से सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने 2005 की बॉलीवुड फिल्म नील एन निक्की में एक छोटा सा रोल भी किया। उनकी लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक, वह इस समय सोना कॉमस्टार में गैर-कार्यकारी निदेशक हैं और कपूर परिवार की निवेश कंपनी 'ऑरियस इंवेस्टमेंट' की निदेशक हैं।

क्रेडिट सुइस फर्स्ट बॉस्टन से की पेशेवर करियर की शुरुआत

उन्होंने पेशेवर करियर की शुरुआत लंदन में क्रेडिट सुइस फर्स्ट बॉस्टन के मर्जर एंड एक्विजिशन डिवीजन से की। इसके बाद भारत लौटकर उन्होंने ऑटोमोबाइल रिटेल, इंश्योरेंस, फैशन और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में काम किया। बाद में उन्होंने टीएसजी इंटरनेशनल मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी शुरू की और रॉक एन शॉप नाम के लग्जरी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की सह-संस्थापक रहीं। वह ऑरियस पोलो टीम की लीडर भी हैं, जिसे उनके पति संजय कपूर ने शुरू किया था।

सागर में गौवंश की हत्या

सागर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर जिले के बांदरी थाना क्षेत्र में गौ-तस्करी और गौ-वध का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। बसिया के जंगल में अज्ञात आरोपियों ने दो पालतू दुधारू गायों की बेरहमी से हत्या कर उनका मांस लेकर फरार हो गए। घटना का खुलासा तब हुआ, जब गाय मालिक को जंगल में कटे हुए कान, नाक और पूंछ बरामद हुए। इस घटना से क्षेत्र के पशुपालकों में भारी आक्रोश है।

जानकारी के अनुसार जरूवाखेड़ा के मूडरा निवासी तुलसीराम प्रजापति की दो दुधारू गायें पिछले दो दिनों से लापता थीं। तुलसीराम ने बताया कि गायें रोज की तरह जंगल में चरने गई थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। उन्होंने आसपास के गांवों और जंगल में तलाश की, पर कोई सुराग नहीं मिला। तलाश के दौरान बसिया गांव के एक युवक ने तुलसीराम को सूचना दी कि जंगल में गायों के कटे हुए अंग पड़े हैं।

उद्धव ठाकरे का भाजपा पर निशानाः निकाय चुनाव में हार के बाद बोले- वफादारी की दीवार को नहीं तोड़ सकता पैसा

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए सभी चुनावों में शिवसेना (यूबीटी) को हार का सामना करना पड़ा। इसी बीच उद्धव ठाकरे ने अपने उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया। उद्धव ठाकरे ने भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति पर निशाना साधते हुए कहा कि नगर निगम के चुनावों में खुब पैसा बहाया गया इसके बाद भी ये वफादारी की दीवार नहीं तोड़ पाए। 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनावों में अधिकतर पर महायुति का दबदबा रहा। इसमें से कुछ सीटों पर चुने गए शिवसेना के सदस्यों और कार्यकर्ताओं से से हिम्मत न हारने और आगे की लड़ाइयों के लिए तैयार रहने को कहा। नगर परिषद, नगर पंचायत और नगर निगम में लगातार जीत के बाद, भाजपा ने जीत की हैट्रिक हासिल की है, जिससे वह राज्य में नंबर वन पार्टी बन गई है।

इसके उलट, महा विकास अघाड़ी को इस चुनाव में बड़ी हार का सामना करना पड़ा। हार मानते हुए, ठाकरे ने पार्टी सदस्यों और जीतने वाले उम्मीदवारों को हौसला बढ़ाने वाला मैसेज दिया। उन्होंने कहा आपने सच में चमत्कार किया है। आपने बहुत मुश्किल हालात में भी कामयाबी हासिल की है। उन्होंने आगे कहा भले ही आज हालात ठीक न हों, भविष्य हमारा है। जिस हिम्मत से आपने ये चुनाव लड़े, वही हमारी असली ताकत है। महायुति ने ग्रामीण महाराष्ट्र में काफी बढ़त हासिल की है। जो राज्य की रीढ़ है। ठाकरे का बयान इस बात की ओर इशारा है कि वह नई ऊर्जा के साथ वापस मैदान में लौट रहे हैं। ठाकरे 2026 के ग्रामीण चुनावों की भी तैयारी में नजर आ रहे हैं।

इन चुनावों को अगले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक पार्टियों के लिए काफी अहम माना जा रहा है। लातूर, सांगली और छत्रपति संभाजीनगर जैसे जिलों में भाजपा के प्रदर्शन ने उसकी जमीनी पकड़ को मजबूत किया है। दूसरी तरफ, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कोस्टल बेल्ट में अच्छा प्रदर्शन किया, और एनसीपी (अजीत पवार) ने पश्चिमी महाराष्ट्र में अपनी पकड़ बनाए रखी।

'तेज प्रताप घर के सदस्य, हमारे यहां लक्ष्मी आई', अनुष्का के भाई आकाश ने कहा

पटना, 12 फरवरी (एजेंसियां)। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि वे एक बेटी के पिता बने हैं लेकिन उन्होंने इसे खारिज कर दिया है। हालांकि अनुष्का यादव के भाई आकाश यादव ने बहुत कुछ साफ कर दिया है। अनुष्का यादव के बड़े भाई आकाश यादव ने साफ किया कि हमारे गोद में हमारी भगिनी आई है। हमारे घर में लक्ष्मी आई है और उस लक्ष्मी का नाम उज्जैनी है। इस सवाल पर कि तेज प्रताप कह रहे हैं कि उनकी एक ही बेटी है जिसका नाम कात्यायनी (तेजस्वी की बेटी) है। इस पर आकाश ने कहा कि ईश्वर करे कि तेज प्रताप यादव जिसको भी अपनी बेटी मानते हैं भगवान करे वो खुशहाल रहे। तेज प्रताप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जो भी कहा है उस पर हमको कोई टिप्पणी नहीं करनी है। इतना ही बोलना है कि परिवार की बातों को मैंने मीडिया के सामने ना कल रखा था ना आने वाले दिन में रखूंगा। आकाश ने कहा कि तेज प्रताप यादव घर के सदस्य हैं इसलिए वो जो भी कहते हैं मैं एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देता हूं। अगर किसी दूसरे-तीसरे ने हमारी बहन, मां और भगिनी पर उठाया तो नहीं छोड़ूंगा। तस्वीर और वीडियो जो वायरल हुआ है तो दोनों (तेज प्रताप और अनुष्का यादव) ने कोर्ट का रास्ता देखा है। दोनों कोर्ट जा सकते हैं।

एक सवाल के जवाब में आकाश ने कहा कि वो (तेज प्रताप) हमारे घर आए थे तो क्या मैंने बुलाया था? क्या तस्वीर मैंने शेयर की? उज्जैनी के पिता का नाम हम सार्वजनिक मंच से नहीं लेना चाहते हैं क्योंकि उनकी जान पर खतरा है और वे कानून दांव पेंच में फंसे हैं। अगर किसी को जानना है कि अनुष्का का पति कौन है, उज्जैनी का पिता कौन है, आकाश का बहनोई कौन है तो सुप्रीम कोर्ट का रास्ता खुला है,

बेलडांगा हिंसा के 36 आरोपियों को एनआईए दूसरी बार भी अदालत नहीं ला सकी, नहीं मिली पुलिस सुरक्षा

कोलकाता, 12 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) पश्चिम बंगाल के अल्पसंख्यक बहुल मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में हुई हिंसा की जांच कर रही है। हालांकि एनआईए की टीम गुरुवार सुबह हिंसा मामले में गिरफ्तार किए गए 36 आरोपियों को विशेष एनआईए अदालत में पेश करने में विफल रही। यह दूसरी बार है जब एनआईए आरोपियों को अदालत में पेश करने में विफल रही है, और इसका कारण यह है कि मुर्शिदाबाद जिला पुलिस एक बार फिर पर्याप्त पुलिस सुरक्षा प्रदान करने में असफल रही।

इससे पहले, 5 फरवरी को, एनआईए की टीम आरोपी को अदालत में पेश करने में विफल रही थी, और उस समय, राज्य पुलिस इस उद्देश्य के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम नहीं थी, जो इस मामले में एक बाधा बन गई। पता चला है कि एनआईए ने मुर्शिदाबाद जिला पुलिस को एक अनुरोध दिया था, लेकिन पुलिस ने पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित उच्च माध्यमिक परीक्षाओं के कारण पुलिसकर्मियों की व्यस्तता का हवाला देते हुए उस अनुरोध को पूरा करने से इनकार कर दिया, जो गुरुवार से शुरू हुई थीं।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय को इस मामले में एनआईए जांच शुरू करने की स्वतंत्रता दी गई थी। एनआईए ने बेलडांगा हिंसा की जांच अपने हाथ में ले ली। यह हिंसा कथित तौर पर झारखंड में मुर्शिदाबाद के एक प्रवासी मजदूर की हत्या की फर्जी खबर के कारण भड़की थी। पिछले महीने जिस खबर के आधार पर तनाव और हिंसा भड़की थी, वह झूठी निकली। झारखंड पुलिस ने आधिकारिक बयान जारी कर प्रवासी मजदूर की मौत का कारण आत्महत्या बताया है। झारखंड पुलिस ने अपने बयान के समर्थन में प्रवासी मजदूर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी हवाला दिया है।

हालांकि पश्चिम बंगाल सरकार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों की पीठ ने 11 फरवरी को राज्य सरकार की याचिका खारिज कर दी और एनआईए को निर्देश दिया कि वह कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी स्थिति रिपोर्ट - चाहे वह जांच के बाद की हो या जांच के दौरान की - एक सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत करे, जिसमें यह बताया जाए कि एकत्रित सामग्री के आधार पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है या नहीं।

'अवैध बांग्लादेशी रेहड़ी-पटरी वालों को हटाएंगे' बीएमसी मेयर रितु तावड़े का शपथ के बाद एक्शन

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। मेयर रितु तावड़े ने शहर की फुटपाथों पर कथित तौर पर कब्जा जमाए अवैध बांग्लादेशी रेहड़ी-पटरी वालों को हटाने का साफ ऐलान कर दिया है। उन्होंने बुधवार को पदभार संभालते ही अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस और बीएमसी की सामान्य बैठक में कहा कि फुटपाथ अब 'असली मुंबईयों' और टैक्स देने वालों के लिए उपलब्ध नहीं रह गए हैं, क्योंकि इन अवैध रेहड़ी-पटरी वालों ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने वादा किया कि यह उनका सबसे पहला बड़ा काम होगा हॉकरों की पहचान कर उन्हें हटाया जाएगा। तावड़े ने कहा कि संबंधित विभागों को पत्र भेज दिए गए हैं और प्रशासन के साथ उनकी पहली बैठक इसी मुद्दे पर होगी। रितु तावड़े ने साफ किया कि अवैध बांग्लादेशी हॉकरों की जांच के लिए दस्तावेज जैसे आधार कार्ड की जांच की जाएगी। जिनके कागजात सही नहीं पाए जाएंगे, उन्हें हटाया जाएगा। उन्होंने कहा, फुटपाथ मूल मुंबईयों के लिए हैं, टैक्सपेयर्स के लिए हैं, लेकिन अवैध बांग्लादेशी हॉकरों ने इन्हें कब्जा कर लिया है। रितु तावड़े ने कहा कि वह सरप्राइज चेकिंग भी करेंगी।

सड़कों, गलियों, अस्पतालों और स्कूलों में अचानक जाकर असल हालात का जायजा लेंगी। इससे प्रशासन पर दबाव बनेगा और काम तेजी से होगा। मेयर रितु तावड़े ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की बात कही। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों के लिए अतिरिक्त फंड जुटाए जाएंगे। उन्होंने राजावाड़ी और पूर्वी उपनगरों के अन्य अस्पतालों को मिलाकर मेडिकल कॉलेज बनाने का पुराना प्रस्ताव फिर से आगे बढ़ाने की बात कही। बजट पहले से ही प्रावधानित था, लेकिन लागू नहीं हुआ। अब इसे लागू किया जाएगा

इजराइल ने गाजा में प्रतिबंधित वैक्यूम बम गिराए थे

इनसे तापमान 3,500 डिग्री पहुंचा हजारों इंसान भाप बनकर गायब

वाशिंगटन, 12 फरवरी (एजेंसियां)। इजराइल पर गाजा में 'वैक्यूम बम' इस्तेमाल करने का आरोप लगा है। रिपोर्ट 'द रेस्ट ऑफ द स्टोरी' के मुताबिक, ये बम पहले हवा में ईंधन जैसा एक बादल फैलाते हैं और फिर उसमें आग लगा देते हैं। इससे बहुत बड़ा आग का गोला बनता है और आसपास की हवा खिंचकर एक तरह का जीरो (वैक्यूम) पैदा हो जाता है।

इन धमाकों से तापमान 3,500 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इन बमों में एल्यूमिनियम और मैग्नीशियम जैसे तत्व होते हैं, जो कुछ ही सेकेंड में शरीर को जला देते हैं।

मिलिट्री एक्सपर्ट्स और चश्मदीदों का भी कहना है कि इजराइल ने वहां ऐसे हथियारों का इस्तेमाल किया, जिन्हें 'वैक्यूम बम', 'थर्मल' या 'थर्मोबैरिक' बम कहा जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमलों में मारे गए कई लोगों के शव तक नहीं मिले। गाजा की सिविल डिफेंस टीम ने 2,842 ऐसे फिलिस्तीनियों का रिकॉर्ड दर्ज किया है, जिनके बारे में कहा गया

कि दफनाने के लिए उनका कोई हिस्सा तक नहीं बचा। वहीं 3,500 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं।

सीजफायर लागू होने के बाद से गाजा में 500 लोगों की मौत

इस वक्त गाजा में औपचारिक सीजफायर लागू है और समझौते के 100 दिन पूरे होने के बाद यह दूसरे चरण में पहुंच चुका है, लेकिन तनाव अभी भी बना हुआ है। 10 अक्टूबर 2025 से अब तक 500 से ज्यादा फिलिस्तीनियों के मारे जाने की खबरें आई हैं।

एक मां, यासमीन महानी, ने अपनी आपबीती सुनाई। 10 अगस्त 2024 को गाजा सिटी के अल-तबिन स्कूल पर हमले के बाद वह अपने बेटे साद को ढूंढ रही थीं। उन्हें वहां अपने पति तो मिल गए, लेकिन बेटे का कोई निशान नहीं मिला। उन्होंने बताया कि मस्जिद में उन्हें जमीन पर मांस और खून बिखरा मिला, लेकिन दफनाने के लिए बेटे का कोई हिस्सा तक नहीं मिला।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यासमीन जैसी हजारों माताएं आज भी अपने बच्चों को अस्पतालों और मुर्दाघरों में तलाश रही हैं। इस युद्ध में मरने वालों की संख्या 72,000 से ज्यादा बताई जा रही है।

मानवाधिकार संगठनों ने इजराइल पर युद्ध अपराधों के आरोप लगाए हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ऐसे बमों का इस्तेमाल घनी आबादी वाले इलाकों में करना बहुत गंभीर मामला है।

एमके-84 'हैमर': करीब 900 किलो का बम, जो 3,500 डिग्री तक तापमान पैदा कर सकता है। इसका दबाव और गर्मी शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं।

बीएलयू-109 बंकर बस्टर: यह मजबूत ढांचे में घुसकर अंदर फटता है और बंद जगहों में आग का बड़ा गोला बनाता है।

जीबीयू-39: इसे सटीक निशाना लगाने वाला ग्लाइड बम बताया गया है। अल-तबिन स्कूल पर हमले के बाद इसके टुकड़े मिलने की बात कही गई है।

अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में सैन्य तैनाती बढ़ाई

ईरान से तनाव के बीच मिसाइलों को ट्रकों पर तैनात किया, सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा

वॉशिंगटन, 12 फरवरी (एजेंसियां)। ईरान से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में सैन्य तैनाती बढ़ा दी है। सैटेलाइट तस्वीरों में सामने आया है कि कतर के अल-उदीद बेस पर पैट्रियट मिसाइल सिस्टम को स्थायी लॉन्चर की जगह ट्रकों पर तैनात किया गया है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक अलग-अलग बेस पर विमानों और सैन्य उपकरणों की संख्या भी बढ़ी है। यह बदलाव जनवरी के बाद क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच हुआ है।

फोरेंसिक इमेजरी एनालिस्ट विलियम गुडहाइंड के मुताबिक, जनवरी की तुलना में फरवरी की सैटेलाइट तस्वीरों में क्षेत्र में सैन्य गतिविधि बढ़ी हुई नजर आ रही है। उन्होंने बताया कि फरवरी की शुरुआत में अल-उदीद बेस पर पैट्रियट मिसाइलें ट्रकों पर लगी नजर आईं।

उनके अनुसार, मिसाइलों को ट्रकों पर रखने से उन्हें जल्दी एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है या हमले की स्थिति में नई पोजिशन पर तैनात किया जा सकता है। कतर के अल-उदीद

बेस पर 1 फरवरी की तस्वीरों में एक आरसी-135 रीकॉनिसेंस विमान, तीन सी-130 हरक्यूलिस, 18 केसी-135 स्ट्रैटो टैंकर और सात सी-17 विमान दिखे।

17 जनवरी की तस्वीरों में यहां 14 स्ट्रैटो टैंकर और दो सी-17 थे। यानी कुछ ही हफ्तों में टैंकर और ट्रांसपोर्ट विमानों की संख्या बढ़ी है। इसके अलावा, अधिकतम 10 एमआईएम-104 पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम एचईएमटीटी ट्रकों पर खड़े दिखाई दिए। जॉर्डन के मुवाफ्फक बेस पर 2 फरवरी की तस्वीरों में 17 एफ-15ई स्ट्राइक विमान, 8 ए-10 थंडरबोल्ट, चार सी-130 और चार हेलीकॉप्टर नजर आए।

उसी बेस की दूसरी लोकेशन पर 2 फरवरी को एक सी-17, एक सी-130 और चार ईए-18जी ग्रोलर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर विमान दिखे। 25 जनवरी की तस्वीरों में वहां कोई विमान नजर नहीं आया था।

सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान बेस पर 2 फरवरी को एक सी-5 गैलेक्सी और एक सी-17 विमान दिखाई दिए। 6 दिसंबर की तस्वीरों में यहां पांच विमान थे, जो सी-130 जैसे दिख रहे थे।

6 फरवरी की तस्वीरों में हिंद महासागर के डिएगो गार्सिया बेस पर 31 जनवरी की तुलना में सात ज्यादा विमान दिखे। ओमान के दुकान बेस पर 25 जनवरी और 10 फरवरी की तस्वीरों में भी विमानों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

ट्रम्प पहले ही ईरान को चेतावनी दे चुके हैं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमको लेकर पहले ही बमबारी की चेतावनी दे चुके हैं। हालांकि तनाव कम करने के लिए दोनों पक्षों के बातचीत जारी है।

ईरान की रिवोल्यूशनरी गाड्र्स ने कहा है कि अगर उसके क्षेत्र पर हमला हुआ तो वह किसी भी अमेरिकी बेस को निशाना बना सकती है।

अमेरिकी सांसद बोलीं- ट्रम्प की वजह से भारत में क्वाड समिट नहीं हो पाया

वाशिंगटन, 12 फरवरी (एजेंसियां)। डेमोक्रेट पार्टी की अमेरिकी सांसद सिडनी कमलेगर डोव ने राष्ट्रपति ट्रम्प के भारत पर लगाए गए टैरिफ की कड़ी आलोचना की है।

उन्होंने कहा कि भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाकर दोनों देशों के बीच वर्षों में बना भरोसा नुकसान पहुंचाया गया है। उनके मुताबिक यह फैसला बेवजह था और इससे रिश्तों में दरार आई।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ट्रम्प प्रशासन ने भारत के साथ ट्रेड डील में 1 साल से ज्यादा समय लगा दिया।

इस वजह से 2025 में होने वाला दिल्ली क्वाड समिट नहीं हो पाया। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

कमलेगर डोव ने पहले भी ट्रम्प की नीतियों की आलोचना करते

हुए कहा था कि वीजा शुल्क, टैरिफ और राजनीतिक तनाव के कारण अमेरिका अपनी एक अहम साझेदारी को कमजोर कर रहा है।

ट्रम्प ने भारत पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया था, जिसमें रूसी कच्चे तेल के आयात पर अतिरिक्त दंड भी शामिल था। बाद में एक नए व्यापार समझौते के तहत 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया और रूसी तेल पर लगाया गया 25 प्रतिशत दंड हटा लिया गया।

तस्लीमा नसरीन बोलीं-जमात-ए-इस्लामी लोकतंत्र के लिए खतरा

सत्ता में आए तो देश बन जाएगा अफगानिस्तान

ढाका, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश चुनाव को लेकर मशहूर लेखिका और एक्टिविस्ट तस्लीमा नसरीन ने अपनी राय रखी है। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत करते हुए तस्लीमा नसरीन ने कहा कि कुछ मतदान केंद्रों पर गड़बड़ी और झड़पों की खबरें आईं, लेकिन ज्यादातर जगहों पर वोटिंग शांतिपूर्ण रही। आरोप है कि कल शाम से, जमात-ए-इस्लामी के एक्टिविस्ट्स ने कुछ पोलिंग स्टेशनों पर खुद वोट डाला। जमात का एक नेता 74 लाख टका कैश के साथ पकड़ा गया है। उन पर पैसे बांटकर वोट खरीदने का आरोप है। तस्लीमा ने यह भी कहा कि जमात के लोग धर्म के नाम पर प्रचार कर रहे हैं। वे दावा कर रहे हैं कि उनके चुनाव निशान तराजू पर वोट देने से जन्नत मिलेगी और यह अल्लाह का आदेश है।

लेखिका नसरीन ने दी चेतावनी

तस्लीमा ने जमात-ए-इस्लामी को लेकर कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर यह पार्टी सत्ता में आई, तो बांग्लादेश में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा और कट्टरपंथ हावी हो जाएगा। इससे अल्पसंख्यकों पर जुल्म बढ़ेगा और उन्हें देश छोड़ना पड़ेगा। महिलाओं को बुर्के और नकाब के अंधेरे में धकेल दिया जाएगा। उन्होंने डर जताया कि देश दूसरा अफगानिस्तान बन सकता है। तस्लीमा ने याद दिलाया कि

जमात ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था। ये ताकतें भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक हैं। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि जमात इस बार भी चुनाव नहीं जीत पाएगी।

बीएनपी पर क्या बोलीं नसरीन?

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बारे में बात करते हुए तस्लीमा ने कहा कि अगर यह पार्टी सत्ता में आती है, तो उसके सामने बड़ी चुनौतियां होंगी। सरकार को हर हाल में लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और बोलने की आजादी की रक्षा करनी होगी। महिलाओं की बराबरी, मानवाधिकार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर काम करना जरूरी है। उन्होंने सलाह दी कि सरकार को अमीरी-गरीबी के बीच की खाई कम करनी चाहिए और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पक्की करनी चाहिए। अगर बीएनपी इन पर सही से काम करती है, तो उसे जनता का भरोसा मिलेगा।

117 मुस्लिम वोटर्स के नाम कटे

50 साल से निवासरत, यहां नहीं रहते बताकर नाम कटवाया, कांग्रेस बोली- बीजेपी के इशारे पर हुआ

बिलासपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 117 मुस्लिम वोटर्स का नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के चांटीडीह इलाके में रहने वाले वोटर्स जो मुस्लिम समाज से आते हैं। उनका नाम एसआईआर लिस्ट में नहीं आया। आरोप है कि वे पते पर नहीं रहते बताकर किसी ने उनका नाम कटवा दिया। जबकि वे यहां 40-50 साल से रहे हैं।

प्रभावित वोटरों का कहना है कि वे मूलतः बिहार के रहने वाले थे, लेकिन बचपन से इसी इलाके में रह रहे हैं। एसआईआर में नाम नहीं आने पर प्रभावितों ने 11 फरवरी को कलेक्ट्रेट पहुंचकर नाम जुड़वाने के लिए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ये वोटर्स कांग्रेस समर्थित हैं, इसलिए भाजपा के इशारे पर निर्वाचन आयोग ने नाम काटा है। वहीं इन आरोपों पर बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस खुद नाम कटवाकर राजनीति करना चाह रही।

दरअसल, यह मामला बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के चांटीडीह इलाके से जुड़ा है। यहां बूथ नंबर 191, 192 और 193 वार्ड नंबर 55-56 में आते हैं। यह क्षेत्र मुस्लिम बाहुल माना जाता है। बूथ नंबर 191 के 10, बूथ नंबर 192 के 15 और बूथ नंबर 193 के 92 मतदाताओं के नाम हटाने के लिए 'प्राण' नामक व्यक्ति ने फॉर्म-7 जमा किए गए थे। फॉर्म 7 मतदाता सूची से किसी का नाम हटवाने या किसी नाम पर आपत्ति दर्ज करने के लिए उपयोग किया जाता है।

इमरान खान की आंख 85 फीसदी खराब हो चुकी है

इस्लामाबाद, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की आंख की जांच के लिए मेडिकल टीम बनाने का आदेश दिया है। कोर्ट में पेश की गई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इमरान की दाहिनी आंख तकरीबन खराब हो चुकी है। उनकी इस आंख में सिर्फ 15 फीसदी रोशनी बची है।

रिपोर्ट पर गौर करते हुए गुरुवार को कोर्ट ने निर्देश दिया कि इमरान की आंखों की जांच 16 फरवरी से पहले कराई जाए। इमरान को उनके बच्चों से बात करने की इजाजत भी कोर्ट ने दी है।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के चीफ जस्टिस याह्या अफरीदी की अगुवाई वाली बेंच ने अडियाला जेल में बंद इमरान खान की सेहत से जुड़े मामले की सुनवाई शुरू की है। इमरान खान की सेहत को लेकर उनके परिवार और पार्टी ने लगातार सवाल उठाए हैं। खासतौर से इमरान की आंख में दिक्कत को उन्होंने परेशानी का सबब कहा है।

चीफ जस्टिस अफरीदी ने सुनवाई के दौरान कहा कि इमरान की सेहत का मुद्दा अहम है और इसमें हमारा हस्तक्षेप जरूरी था। कोर्ट इमरान की हेल्थ के मामले पर सरकार का स्टैंड जानना चाहता है। सीजेपी अफरीदी ने यह भी कहा कि इमरान की अपने बच्चों के साथ टेलीफोन कॉल का मुद्दा भी जरूरी है, उनकी बात बच्चों से होनी चाहिए।

पीटीआई के वकील सलमान सफदर को एमिकस क्यूरी बनाया गया था। वह मंगलवार को जेल में इमरान से मिले थे। उन्होंने जेल में इमरान की सेहत के बारे में सुप्रीम कोर्ट को सात पेज की रिपोर्ट सौंपी है। इमरान ने सफदर को बताया कि हालिया दिनों में इलाज के बावजूद उनकी दाहिनी आंख की रोशनी 85 फीसदी खत्म हो गई है। पाकिस्तान में इमरान खान की सेहत पर रवैये को लेकर सरकार की आलोचना हो रही है। पाकिस्तान के सीनियर पत्रकार जाहिद गिशकोरी ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि इमरान खान पर एमिकस क्यूरी सलमान सफदर की पूरी रिपोर्ट को पढ़ना चिंताजनक, दर्दनाक और उदास करने वाला है। जाहिद ने लिखा है कि रिपोर्ट में जेल अधिकारियों की लापरवाही साफ दिखती है। इमरान की आंखों की रोशनी जाने की बात को अनसुना किया गया। यह मानवीय लिहाज से ठीक नहीं है। जेल में इमरान के रहने के हालात भी ठीक नहीं रखे गए।

गांव छोड़ो या गोली खाने को तैयार रहो

टीएसपीसी के पूर्व कमांडर के घर माओवादियों ने चिपकाया पोस्टर पुलिस मुखबिरी का आरोप

चतरा, 12 फरवरी (एजेंसियां)। चतरा जिले के कुंदा थाना क्षेत्र स्थित गेंदरा गांव में माओवादियों ने एक बार फिर दहशत फैलाने की कोशिश की है। बुधवार आधी रात श्याम भोक्ता के घर पर एक धमकी भरा पोस्टर चिपकाया। उन्हें और उनके परिवार को गांव छोड़ने की चेतावनी दी गई है। पोस्टर में माओवादी संगठन की दक्षिणी जोनल कमेटी का नाम अंकित है।

उसमें लिखा है एसपीओ श्याम भोक्ता, गांव छोड़कर भाग जाओ, वरना गोली खाने के लिए तैयार रहो। माओवादियों ने उन्हें पुलिस का दलाल बताते हुए 28 दिसंबर की घटना का जिक्र किया है। अगली बार मौका नहीं देने की चेतावनी दी है। घटना के बाद पूरे इलाके में भय का माहौल है।

ताइवान के बाद जापान, फिलीपींस और भारत

एशिया में 6 महायुद्ध लड़ेगा चीन, ताइवानी राष्ट्रपति ने दी चेतावनी

ताइपे, 12 फरवरी (एजेंसियां)। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने चेतावनी दी है चीन, सिर्फ ताइवान पर ही कब्जा करके नहीं मानेगा। उन्होंने कहा कि ताइवान के बाद जापान और फिलीपींस जैसे देश चीन के अगले निशाने हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि संसद जरूरी रक्षा खरीद की मदद करने के लिए 40 अरब डॉलर के अतिरिक्त फंड को मदद देगा। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका को ताइवान को हथियार बेचने के खिलाफ चेतावनी दी है। लेकिन ताइवान के राष्ट्रपति ने कहा कि वॉशिंगटन ताइवान के साथ खड़ा रहेगा और उसे बीजिंग के साथ मोलभाव करने वाली चीज़ के तौर पर इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं होगी।

राष्ट्रपति लाई ने कहा कि अगर चीन ने ताइवान पर कब्जा कर

लिया तो बीजिंग और ज्यादा आक्रामक हो जाएगा जिससे इंडो-पैसिफिक में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और नियमों पर आधारित इंटरनेशनल ऑर्डर कमजोर हो जाएगा। लाई ने मंगलवार को ताइपे में प्रेसिडेंशियल ऑफिस बिल्डिंग में एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू के दौरान एएफपी को बताया कि अगर ताइवान पर चीन कब्जा कर लेता है तो चीन की विस्तारवादी इच्छाएं यहीं नहीं रुकेंगी। उन्होंने कहा कि अगले खतरे में आने वाले देश जापान, फिलीपींस और इंडो-पैसिफिक रीजन के दूसरे देश होंगे, जिसके नतीजे आखिरकार अमेरिका और यूरोप तक पहुंचेंगे।

आपको बता दें कि पिछले साल, जापानी पीएम साने ताकाइची ने बीजिंग में तब हंगामा खड़ा कर दिया था जब उन्होंने कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है तो टोक्यो मिलिट्री दखल दे सकता है। इससे पहले 2021 में चीनी वेबसाइट सोहू पर छपे एक ओपीईडी में बताया गया था कि बीजिंग कैसे अपने पड़ोसियों से हिसाब बराबर कर सकता है और खोए हुए इलाकों पर कब्जा कर सकता है। इसमें कहा गया था कि चीन कम से कम 6 युद्ध लड़ेगा, जिनमें ताइवान युद्ध, दक्षिण चीन सागर पर पूर्ण नियंत्रण के लिए युद्ध, अरूणाचल को लेकर भारत से युद्ध (2035-40), सेनकाकू द्वीप के लिए जापान से युद्ध (2040-2045), बाहरी मंगोलिया के लिए युद्ध (2045-2050) और फिर रूस से युद्ध (2055-2060) करेगा।

पाकिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद ने बदली रणनीति

इस्लामाबाद, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान से चलने वाला आतंकी गुट जैश-ए-मोहम्मद महिलाओं को शामिल कर रहा है। इसके पीछे जैश का मकसद दुनिया की आंखों में धूल झोंकते हुए महिला आतंकियों के जरिए टेरर फैलाना है। संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया मॉनिटरिंग रिपोर्ट से पता चलता है कि जैश-ए-मोहम्मद ने अपनी रणनीति बदलते हुए महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने पर जोर दिया है। जैश चीफ मसूद अजहर ने महिला विंग को जमात उल-मुमिनात नाम दिया है।

रिपोर्ट में जैश और मसूद अजहर के इरादों पर चिंता जाहिर करते हुए कहा गया है कि महिला विंग का मकसद आंतकी अभियानों को तेज करना है। यह जैश के संगठन में टैक्टिकल बदलाव का इशारा है। अभी तक यह गुट आतंकी हमलों के लिए पुरुषों पर निर्भर रहा है। जैश में महिलाओं की भागीदारी ने भारत के लिए चिंता बढ़ाई है।

जैश के जमात अल-मुमिनात पर सर्कुलर में इसे धर्म से जोड़ा है। इसे ऐसे तैयार किया गया है, जिससे शहरी मुस्लिम महिलाओं को आकर्षित किया जा सके। जैश और दूसरे संगठनों से जुड़ीं महिला अभी तक रिक्रूटर, फंडरेजर, लॉजिस्टिक फैसिलिटेटर और मैसेज कूरियर का काम करती रही हैं। इस परंपरागत रोल के उलट जैश की महिला विंग सीधे आतंकी हमलों में शामिल होने का संकेत देती है। इस विंग की शुरुआत 2024 में हो गई थी लेकिन अक्टूबर, 2025 के बाद इसमें तेजी आई है।

जैश ने महिलाओं का रोल क्यों बढ़ाया

सुरक्षा अधिकारियों ने जमात अल-मुमिनात के मटीरियल और पाकिस्तान में मौजूद अल-मुहाजिरत और मरकज उस्मान-ओ-अली जैसी संस्थाओं से जुड़े पब्लिकेशन के स्टाइल में समानता देखी है।

इनका पता बहावलपुर से चला है, जिसे लंबे समय से JeM का गढ़ माना जाता है। यह क्रॉस-बॉर्डर डिजाइन की ओर इशारा करते हैं।

बांग्लादेश में चुनावी हार-जीत से आगे निकली जमात-ए-इस्लामी

ढाका, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में गुरुवार को आम चुनाव की वोटिंग हो रही है। देश को अगले एक हफ्ते में नई सरकार मिल जाने की उम्मीद है। इस चुनाव में जमात-ए-इस्लामी और बीएनपी के बीच सीधी टक्कर है।

शेख हसीना की अवामी लीग पर बैन ने चुनाव को इन दोनों पार्टियों के इर्द-गिर्द समेट दिया है। एक्सपर्ट का कहना है कि जमात एक बड़ी जीत नतीजों से पहले ही हासिल कर चुकी है। जमात ने यूनुस की अंतरिम सरकार में जो पैठ तमाम संस्थाओं में बनाई है, उसे कम करना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं होगा।

शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद मोहम्मद यूनुस के शासन

के 18 महीने जमात के लिए किसी सपने के पूरे होने जैसा है। मोहम्मद यूनुस ने पद संभालने के बाद जमात-ए-इस्लामी पर से बैन हटा दिया था।

इससे पार्टी को अपने कट्टर रूढ़िवादी एजेंडे को आगे बढ़ाने और देश की राजनीति में जगह बनाने का रास्ता मिल गया।

जमात ने बना ली अपनी पैठ

शेख हसीना के हटने के बाद जमात बिना किसी रोक-टोक के काम कर रही है। जमात का कैडर और नेता अंतरिम सरकार के सभी लेवल पर अपनी जगह बना चुके हैं। बीइंग हिंदू इन बांग्लादेशः द अनटोल्ड स्टोरी और इंशाअल्लाह बांग्लादेशः द स्टोरी ऑफ एन अनफिनिश्ड रेवोल्यूशन के लेखक दीप हलदर का कहना है कि जमात ने असल में एक तरह का डीप स्टेट बनाया है।

हलदर ने फर्स्टपोस्ट से कहा, 'यूनुस के राज में जमात ने सरकारी संस्थाओं में अपनी जगह बना ली है।

यूनुस ने अवामी लीग के हटने के बाद खुलकर जमात को बढ़ावा दिया गया। जमात इस मौका का फायदा उठाकर जमीन पर एक ताकत बन गई है।

चीन में सड़क धंसी, 20 मीटर चौड़ा गड्ढा बना

पाइपलाइन फटने से हादसा

शंघाई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। चीन के शंघाई में एक व्यस्त सड़क अचानक धंस गई और 10 से 20 मीटर चौड़ा गड्ढा बन गया। घटना मिनहांग डिस्ट्रिक्ट के किक्सिन रोड के पास हुई, जिसका वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया।

इससे पहले यहां पानी के रिसाव की सूचना दी गई थी। निर्माण एजेंसियों ने 11 फरवरी को सड़क के नीचे पानी के रिसाव की पहचान की थी। इसमें किसी की मौत नहीं हुई है, लेकिन आसपास की इमारतों में दरारें आ गईं और इलाके में दहशत फैल गई। कुछ ही सेकंड में सड़क की सतह भीतर की ओर धंस गई। स्थानीय प्रशासन ने तुरंत सड़क बंद कर दी। घटना स्थल के पास रेलवे लाइन का निर्माण का काम चल रहा था। चीन रेलवे टनल ब्यूरो ने आपात मरम्मत शुरू कर दी है। मशीनें गड्ढे के किनारों की जांच कर रही हैं और अंदर से लगातार पानी निकलता दिख रहा है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि मुख्य पाइपलाइन फटी है।

महाशिवरात्रि के दिन दिख जाएं ये 3 चीजें तो मिलेगी दोगुनी खुशी

बेलपत्र: मनोकामना पूरी होने का संकेत बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय माना जाता है। अगर महाशिवरात्रि के दिन अचानक बेल का पेड़ दिख जाए, या पूजा के लिए बेलपत्र सहजता से मिल जाए, तो इसे शुभ माना जाता है। कई श्रद्धालुओं का अनुभव है कि जिस साल उन्हें बिना प्रयास बेलपत्र मिल गया, उस साल उनकी कोई बड़ी इच्छा पूरी हुई। शास्त्रों में भी बेलपत्र को त्रिदेव का प्रतीक बताया गया है। माना जाता है कि सच्चे मन से चढ़ाया गया बेलपत्र दरिद्रता और बाधाओं को दूर करता है।

रुद्राक्ष: मानसिक शांति और भाग्य का द्वार रुद्राक्ष को शिव के आंसुओं से उत्पन्न माना जाता है। महाशिवरात्रि के दिन अगर किसी को रुद्राक्ष मिल जाए, या किसी मंदिर में सहज रूप से रुद्राक्ष की माला मिल जाए, तो इसे महादेव का विशेष आशीर्वाद समझा जाता है। आजकल कई लोग फैशन में भी रुद्राक्ष पहनते हैं, लेकिन आस्था से धारण किया गया रुद्राक्ष मानसिक स्थिरता देता है ऐसा विश्वास है। ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि शिवरात्रि के दिन रुद्राक्ष घर लाना सकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करने जैसा है।

नंदी और नीलकंठ पक्षी: समृद्धि का प्रतीक भगवान शिव के वाहन नंदी के दर्शन को अत्यंत शुभ माना जाता है। अगर शिवरात्रि के दिन मंदिर में नंदी के सामने दीप जलाते समय मन में शांति का अनुभव हो, तो इसे संकेत माना जाता है कि आपकी प्रार्थना सुनी जा रही है। वहीं, नीलकंठ पक्षी का दर्शन भी बेहद शुभ समझा जाता है। लोकमान्यता है कि नीलकंठ दिख जाए तो धन और सम्मान में वृद्धि होती है। ग्रामीण इलाकों में लोग आज भी मानते हैं कि शिवरात्रि के दिन नीलकंठ दिखना आने वाले समय में आर्थिक उन्नति का संकेत है।
अन्य शुभ क्रियाएं जो बदल सकती हैं माहौल तांबे का कलश और जलाभिषेक महाशिवरात्रि पर तांबे का कलश घर लाकर उससे शिवलिंग पर जल अर्पित करना कल्याणकारी माना गया है। तांबा शुद्धता और ऊर्जा का प्रतीक है। कई परिवारों में यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है।

शिवलिंग पर विशेष अर्पण

शिवपुराण के अनुसार, दूध और घी मिश्रित जल से अभिषेक करने या चंदन से लिखे बेलपत्र चढ़ाने से आर्थिक तंगी दूर होती है। हालांकि इन बातों को पूरी तरह आस्था से जोड़कर ही देखा जाता है, लेकिन श्रद्धालु इसे जीवन में सकारात्मक बदलाव से जोड़ते हैं।

अन्य शुभ क्रियाएं जो बदल सकती हैं माहौल तांबे का कलश और जलाभिषेक महाशिवरात्रि पर तांबे का कलश घर लाकर उससे शिवलिंग पर जल अर्पित करना कल्याणकारी माना गया है। तांबा शुद्धता और ऊर्जा का प्रतीक है। कई परिवारों में यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है।

महाशिवरात्रि और शुभ संकेतों की परंपरा भारत में त्योहारों के साथ संकेतों और प्रतीकों की परंपरा बहुत पुरानी है। महाशिवरात्रि पर विशेष रूप से कुछ चीजों का दिखना शुभ माना जाता है।

गांवों में आज भी बुजुर्ग कहते हैं, "शिवरात्रि की सुबह जो दिख जाए, वही साल का हाल बता जाए।" शहरों में भले यह बातें कम सुनाई देती हों, लेकिन आस्था आज भी उतनी ही गहरी है।

शिवलिंग पर विशेष अर्पण शिवपुराण के अनुसार, दूध और घी मिश्रित जल से अभिषेक करने या चंदन से लिखे बेलपत्र चढ़ाने से आर्थिक तंगी दूर होती है। हालांकि इन बातों को पूरी तरह आस्था से जोड़कर ही देखा जाता है, लेकिन श्रद्धालु इसे जीवन में सकारात्मक बदलाव से जोड़ते हैं।

आस्था, विश्वास और सकारात्मक सोच महाशिवरात्रि के ये संकेत केवल धार्मिक प्रतीक भर नहीं हैं। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो ये विश्वास व्यक्ति में उम्मीद और सकारात्मक सोच जगाते हैं। जब मन में भरोसा होता है कि सब अच्छा होगा, तो व्यक्ति के फैसले भी बेहतर होते हैं।

महाशिवरात्रि पर बेलपत्र, रुद्राक्ष, नंदी और नीलकंठ पक्षी का दर्शन शुभ संकेत माना जाता है। ये प्रतीक सुख, समृद्धि और सकारात्मक बदलाव का संदेश देते हैं, जो आस्था और विश्वास को और मजबूत करते हैं।

महाशिवरात्रि पर सुबह से रात तक क्या करें?

महाशिवरात्रि भगवान शिव की पूजा का सबसे बड़ा दिन माना जाता है। कहते हैं इस दिन विधि-विधान से की गई शिव पूजा जीवन के सारे कष्टों को दूर कर देती है। धार्मिक मान्यताओं अनुसार ये शिवरात्रि इसलिए खास होती है क्योंकि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। तो वहीं कुछ कथाओं अनुसार महादेव का शिवलिंग के रूप में प्राकट्य भी इसी दिन हुआ था। इसी कारण से इस शिवरात्रि पर शिवलिंग की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। यहां हम आपको बताएंगे महा शिवरात्रि पर सुबह से लेकर रात तक क्या-क्या करना चाहिए और पूजा का शेड्यूल क्या है।

महाशिवरात्रि पर सुबह क्या करें?

महाशिवरात्रि पर सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और इसके बाद स्वच्छ कपड़े पहनें।

संभव हो तो इस दिन सफेद या हल्के रंग के कपड़े पहनें।

घर के मंदिर की सफाई करें।

इसके बाद मंदिर में घी का दीपक जलाएं और हाथ में जल लेकर व्रत और पूजा का संकल्प लें।

फिर भगवान शिव का ध्यान करते हुए ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें।

शिवलिंग का जल, दूध, दही, शहद और घी से अभिषेक करें। आप ये काम घर पर या मंदिर में कहीं भी कर सकते हैं। लेकिन इस मंदिर जरूर जाना है।

इसके बाद शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, भांग, आक के फूल और सफेद पुष्प चढ़ाएं। अगर घर पर शिवलिंग नहीं है तो भगवान की प्रतिमा पर ये सब चीजें अर्पित करें।

संभव हो तो शिव चालीसा का पाठ जरूर करें। साथ ही महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।

इस दिन शिव परिवार की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है इसलिए भगवान शिव के साथ माता पार्वती, गणेश जी, कार्तिकेय और नंदी की पूजा भी अवश्य करें।

भगवान को भोग लगाएं और उनकी आरती करें।

सुबह की पूजा के बाद आप चाहें तो फलाहारी चीजों का सेवन कर सकते हैं।

महाशिवरात्रि पर दोपहर में क्या करें?

अपने दैनिक कार्यों को करते रहें। लेकिन जब समय मिले तब मन ही मन भगवान शिव को भी याद जरूर करें।

इस दिन क्रोध करने और झूठ बोलने से बचें। किसी का दिल न दुखाएं।

अगर उपवास नहीं कर रहे हैं तो भी सात्विक भोजन करें।

इस दिन जरूरतमंदों को भोजन, जल या वस्त्र का दान जरूर करें।

यहां देखें - महाशिवरात्रि की पूजा के शुभ मुहूर्त और पूरी विधि

महाशिवरात्रि की शाम में क्या करें?

कई भक्त महाशिवरात्रि की शाम में भगवान शिव की पूजा और अभिषेक करते हैं।

तो शाम की पूजा से पहले एक बार फिर से स्नान कर लें।

फिर घर के मंदिर में दीपक जलाएं और महाशिवरात्रि की कथा सुनें।

भगवान को फूल, बेलपत्र, भांग, धूतरा इत्यादि चीजें चढ़ाएं और मौसमी फल अर्पित करें।

फिर शिव जी की आरती करें।

इसके बाद परिवार के साथ बैठकर भजन या कीर्तन करें।

महाशिवरात्रि की रात में क्या करें?

वैसे महाशिवरात्रि की पूजा का सबसे शुभ मुहूर्त रात का ही होता है।

रात की पूजा से पहले फिर से स्नान करें।

शिवलिंग का अभिषेक करें और उस पर बेलपत्र, भांग, धतूरा इत्यादि चीजें चढ़ाएं।

भगवान के समक्ष दीपक जलाएं और उन्हें भोग लगाएं।

परिवार सहित भगवान शिव की आरती करें।

फिर रात्रि भर जागरण करें और सुबह 6 बजे के करीब फिर से भगवान की पूजा करके अपने व्रत का पारण कर लें।

साल की पहली शनि त्रयोदशी पर 5 राशि वाले जरूर करें ये खास उपाय

साल की पहली शनि त्रयोदशी 14 फरवरी 2026 को पड़ रही है। ये दिन उन लोगों के लिए बेहद खास साबित होगा जिन पर शनि साढ़े साती या शनि ढैय्या चल रही है। बता दें इस समय कुंभ, मीन और मेष राशि वालों पर शनि साढ़े साती चल रही है तो वहीं सिंह और धनु राशि वालों पर शनि ढैय्या है। चलिए जानते हैं शनि त्रयोदशी के दिन किन उपायों को करने से इन राशि वालों को शनि दोषों से राहत मिल जाएगी।

जब त्रयोदशी तिथि शनिवार के दिन पड़ती है तो उसे शनि त्रयोदशी के नाम से जाना जाता है। ये तिथि शनि दोष, साढे.साती और ढैय्या जैसे ग्रह-दोषों से राहत पाने के लिए शुभ होती है।

शनि त्रयोदशी उपाय 2026

शनि त्रयोदशी के दिन मंदिर में जाकर शनि देव की पूजा करें।

शनि चालीसा और हनुमान चालीसा का पाठ करें।

शनि देव की प्रतिमा के समक्ष सरसों का या तिल के तेल का दीपक जलाएं।

काले वस्त्र, काले जूते, काली दाय या काले तिल का दान करें।

जरूरतमंदों को भोजन खिलाएं।

पीपल वृक्ष के पेड़ पर जल अर्पित करें और उसकी परिक्रमा करें।

अपनी छाया दान करें।

शनि देव को शमी के फूल जरूर चढ़ाएं।

इस दिन शिवलिंग की पूजा भी अवश्य करें। कहते हैं भगवान शिव की पूजा करने वालों पर शनि की विशेष कृपा रहती है।

साथ ही पूजा के समय महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना भी बिल्कुल भी न भूलें।

अगर शनि त्रयोदशी के दिन ऊपर दिए गए उपायों को करते हैं तो आपके ऊपर से शनि साढ़े साती या शनि ढैय्या का प्रभाव कम होने लगेगा।

शनिवार में छाया दान कैसे करें?

इसके लिए एक कटोरी में सरसों का तेल लें।

फिर शांत मन से उस तेल में अपनी परछाईं देखें।

साथ ही इस मंत्र का जाप करें - ॐ शनैश्चराय नमः

इसके बाद ये तेल पात्र सहित किसी जरूरतमंद व्यक्ति को या शनि मंदिर में दान कर दें।

दान के बाद पीछे मुड़कर न देखें। कहते हैं ये शनि दोष से मुक्ति पाने का सबसे अचूक उपाय है।

विजया एकादशी आज

एकादशी के व्रत को हिंदू धर्म में बहुत ही खास माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस खास दिन पर भगवान विष्णु की आराधना की जाती है और सच्चे मन के साथ एकादशी का व्रत रखा जाए तो भगवान विष्णु अपनी कृपा जरूर बरसाते हैं।

पंचांग के अनुसार हर महीने 2 एकादशी व्रत पड़ती है, एक एकादशी महीने के शुक्ल पक्ष को पड़ती है तो दूसरी एकादशी महीने के कृष्ण पक्ष में पड़ती है। इस महीने यानी फरवरी में बहुत ही महत्वपूर्ण एकादशी पड़ने वाली है, पहली है विजया एकादशी और दूसरी आमलकी एकादशी।

विजया एकादशी की तिथि और शुभ मुहूर्त

विजया एकादशी का विशेष महत्व माना जाता है, इस एकादशी का संबंध विजय से है, यानी जीवन की परेशानियों और नकारात्मकता पर जीत हासिल करना। मान्यता है कि जो व्यक्ति सच्चे मन से इस दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करता है, उसे जीवन की बाधाओं से मुक्ति मिलती है और उसके लिए सफलता का मार्ग आसान होता है।

- पंचांग के अनुसार, फरवरी महीने की पहली एकादशी 13 फरवरी (शुक्रवार) को पड़ रही है।
- इस दिन पूजा करने का शुभ समय सुबह 6:26 बजे से 9:15 बजे तक है।
- एकादशी का पारण अगले दिन सुबह करना शुभ माना जाता है।

एकादशी व्रत की विधि

एकादशी व्रत से एक दिन पहले ही शाम के बाद भोजन न करें।

फिर एकादशी के दिन प्रातःकाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नानादि करें और सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करें।

घर के मंदिर में दीप जलाएं और व्रत करने का संकल्प लें।

भगवान विष्णु की मूर्ति पर चंदन, रोली लगाएं और पीले फूल, अक्षत और तुलसी दल अर्पित करें।

इसके बाद एकादशी की कथा पढ़ें। अगर सुबह के समय कथा नहीं पढ़ पाते हैं तो शाम में पढ़ लें।

आप ही शिव का मंदिर हैं

श्री श्री रवि शंकर

जब आपका शरीर बना, तो शुरुआत सिर्फ़ एक कण से हुई थी। वही एक कण पूरा शरीर बन गया। उस कण को बिल्कुल पता था कि आँखें कहाँ बनानी हैं, कान कहाँ, किडनी कहाँ होगी, दिल कहाँ होगा। वही एक कण अलग-अलग तरीकों से बढ़ता गया और नाख़ून, बाल, जीभ, मांसपेशियाँ, हड्डियाँ—सारे अंग बनते चले गए। क्या आपने कभी इस पर सोचा है? एक ही कण से इतने अलग-अलग अंग बन गए। शरीर एक है, फिर भी उसमें इतनी विविधता है—स्वभाव और बनावट दोनों में। यही एकता में विविधता पूरी सृष्टि में दिखती है। पूरा ब्रह्मांड—सूर्य, चंद्रमा, तारे, हवा, बादल, पानी, धरती—सब एक ही तत्व से बने हैं। सब कुछ एक से बना है। उसी एक को हम शिव कहते हैं—कल्याणकारी, जिनकी हम इस पावन श्रावण मास में उपासना करते हैं।

शिव तत्व के बारे में बोलना बहुत कठिन है, क्योंकि उसे शब्दों से नहीं, अनुभव से जाना जाता है। शब्द बस पास तक ले जाते हैं, फिर लौट आते हैं। क्या शिव कोई व्यक्ति हैं? कोई रूप हैं? कहीं बैठा हुआ कोई? नहीं। शिव पूरा ब्रह्मांड हैं। शिव तत्व वही है जहाँ से सब कुछ आया, जिससे सब कुछ टिका है और जिसमें अंततः सब कुछ विलीन हो जाता है। आप कभी भी शिव तत्व से बाहर कदम नहीं रख सकते, क्योंकि शिव ही सारी सृष्टि हैं।

शिव विश्वरूप हैं—पूरा ब्रह्मांड उनका रूप है, और फिर भी वे निराकार हैं। उन्हें जानना हो तो ॐ में गहराई से उतरिए—यह ब्रह्मांड की आदिध्वनि है। शिव को कैसे समझें? केवल ध्यान से। शिवरात्रि से जुड़ी एक सुंदर कथा है। एक बार ब्रह्मा (सृष्टिकर्ता) और विष्णु (पालनकर्ता) ने शिव की सीमा जानना चाहा। ब्रह्मा बोले, "मैं ऊपर जाकर उनके सिर का पता लगाता हूँ, तुम नीचे जाकर उनके चरण खोजो।" विष्णु हज़ारों वर्षों तक नीचे गए, ब्रह्मा उतनी ही देर ऊपर गए—पर न तो चरण मिले, न सिर। अंत में दोनों बीच में मिले और कहा—शिव का न कोई आरंभ है, न कोई अंत।

शिव में पूरी सृष्टि समाई है, और सृष्टि विरोधों से भरी है। एक ओर वे श्वेत वस्त्रधारी कहे जाते हैं, दूसरी ओर कृष्ण वर्ण—अर्थात गहरे रंग के। वे ब्रह्मांड के स्वामी हैं, फिर भी उनके पास वस्त्र या आभूषण तक नहीं। एक ओर रुद्र—प्रचंड, दूसरी ओर भोलेनाथ—अत्यंत सरल। वे सुंदरेश्वर—सौंदर्य के स्वामी हैं, और साथ ही अघोर—गहन, तीव्र। शिव तत्व में सुंदर नृत्य की गति और ध्यान की स्थिरता, अंधकार और प्रकाश, मासूमियत और बुद्धि, उग्रता और करुणा—सब एक साथ बंधे हैं। महामृत्युंजय मंत्र वैदिक परंपरा के सबसे पूज्य मंत्रों में से एक है। मृत्युंजय का अर्थ है—मृत्यु पर विजय। आत्मा की मृत्यु नहीं होती; वह एक शरीर से दूसरे शरीर में जाती है। मृत्युंजय का मतलब है—क्षणभंगुर से ऊपर उठकर शाश्वत की ओर जाना। मन समझ लेता है, "मैं शाश्वत हूँ। मेरे भीतर कुछ है जो बदलता नहीं।" तब भय नहीं रहता। भय मृत्यु का एक लक्षण है। भय पर विजय पाओगे तो नश्वर से जुड़ी छोटी पहचान से ऊपर उठकर अविनाशी की पहचान में आ जाओगे। हम दोनों का मिश्रण हैं—आत्मा अविनाशी है, शरीर नश्वर। अक्सर मन नश्वर से चिपक जाता है और डरने लगता है। मृत्युंजय मंत्र मन को सीमित पहचान से असीम पहचान की ओर ले जाता है। इसमें प्रार्थना है—"शिव मुझे बल दें, मुझे बंधनों से मुक्त करें।"

अक्सर लोग पूछते हैं—"जीवन का उद्देश्य क्या है? सृष्टि का उद्देश्य क्या है?" ब्रह्मांड किसी मंज़िल की यात्रा नहीं है। सृष्टि का कोई उद्देश्य नहीं—यह चेतना का खेल और प्रकट होना है। जैसे नर्तक और नृत्य अलग नहीं हो सकते, वैसे ही सृष्टि और सृष्टिकर्ता अलग नहीं हैं। यही सत्य नटराज के रूप में दर्शाया गया है। पंचमहाभूत नटराज में समाए हैं—और स्वयं नटराज ही चेतना हैं। चेतना का नृत्य ही पूरा ब्रह्मांड है। यह ब्रह्मांड संघर्ष नहीं कर रहा, यह उत्सव मना रहा है—यह आनंद है। जो इसे नहीं जानता, वह दुखी, उदास रहता है। जो जान लेता है कि सारी सृष्टि एक नृत्य है, उसे आनंद मिलता है। वही सत्य शिव तत्व है।

स्वतंत्र वार्ता
शुक्रवार, 13 फरवरी - 2026

महाकाल देवता ही नहीं वैज्ञानिक तथ्य भी हैं !

राजशेखर व्यास

भारतीय कथा-साहित्य में उज्जैन का राजा विक्रमादित्य बड़ा लोकप्रिय रहा है। उसके प्रसंग को लेकर हजारों कहानियाँ देश की विविध भाषाओं में प्रचलित हैं। उसके नवरत्नों की कथा भी सर्वविदित है, परंतु आश्चर्य की बात है कि ऐसे लोक प्रसिद्ध राजा के विषय में कथा कहानियों के अतिरिक्त कोई जानकारी नहीं मिल पायी है। विदेशी इतिहासकार उसे केवल कल्पित राजा मानते हैं। भारतीय इतिहासकारों के मनमें अवश्य उसे ऐतिहासिक महापुरुष मानने का मोह बना हुआ है। उन्होंने इसकी वास्तविकता को सिद्ध करने के लिए अनेक प्रकार के अन्वेषण अनुसंधान भी किए, फिर भी निश्चित रूप से उसके अस्तित्व को सिद्ध नहीं कर पाए हैं।

विक्रम की नगरी उज्जैन में महाकाल का सुप्रसिद्ध मन्दिर है। देश के अन्य किसी भाग में महाकाल का कोई मंदिर नहीं है। अतः निश्चय ही यह प्रश्न उपस्थित होता है कि यह 'महाकाल' कौन देवता हैं, जिसका केवल देशभर में एक मंदिर है। सामान्यतया 'महाकाल' शिव का पर्याय मान लिया गया है और उज्जैन के 'महाकाल' के मंदिर को शिव का मंदिर माना जाता है। परंतु प्रश्न यह है कि शिव के अन्य मंदिर 'महाकाल' के मंदिर क्यों नहीं कहलाते ? हमारे विचार से विक्रमादित्य, उज्जयिनी, नव-रत्न और महाकाल इन चारों शब्दों के निर्वचन से इसके वास्तविक अर्थ पर कुछ प्रकाश पड़ सकता है और सुप्रसिद्ध कथा की गुत्थी सुलझ सकती है।भारतीय ज्योतिष के विद्वान यह जानते हैं कि उज्जैन का सूर्योदय काल देश भर के पंचांगों के लिए प्रामाणिक उदयकाल माना जाता रहा है। भारतीय ज्योतिषियों के अनुसार दक्षिण में लंका, भारत के मध्य में उज्जैन और (संभवतः वर्तमान) रोहतक नगरों के मध्य से जाने वाली देशांतर रेखा का सूर्योदय काल प्रामाणिक सूर्योदयकाल हैं परिवर्तित ज्योतिष ग्रंथों में उसका नाम 'लंकोदय' काल रहा है। लंकोदय की देशांतर रेखा से पूर्व में तथा पिश्चम में स्थित स्थानों के सूर्योदय का काल ज्ञात करने की विधियाँ निर्धारित की हुई हैं। इस प्रकार उज्जयिनी का सूर्योदय काल देशभर के लिए प्रामाणिक सूर्योदय काल था और आधुनिक भाषा में उसे भारत का 'स्टैण्डर्ड टाइम' कहा जा सकता है। ईसा पूर्व के ज्योतिषी संभवतया इसी को महाकाल कहते थे। विविध शास्त्रीय तथ्यों को देव रूप में स्वीकार करने की हमारे यहां परम्परा रही है। इसी परम्परा के अंतर्गत महाकाल (स्टैण्डर्ड टाइम) को देव रूप में दिया गया और उसके मंदिर की स्थापना उज्जयिनी में की गयी। उज्जयिनी को क्यों चुना गया, यह भी एक ज्वलंत प्रश्न है। जब एक ही देशांतर रेखा देश के इतने लंबे-चौड़े भाग से निकलती है, तो उज्जैन ही को क्यों महत्त्व दिया जाए, उत्तर यह है कि उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है, जहां तक उत्तरायण सूर्य आता है और पुनः लौटकर मकर रेखा तक दक्षिणगामी होता है। कर्क रेखा पर स्थित होने के कारण भारतीय ज्योतिर्विदों ने उज्जयिनी को महाकाल की नगरी माना। विक्रमादित्य शब्द में दो खंड हैं विक्रम-आदित्य। आजकल विक्रम का अर्थ सामान्यतया 'पराक्रम' समझा जाता है ओर आदित्य का 'सूर्य'। इस प्रकार विक्रमादित्य का अर्थ शक्ति का सूर्य किया जाता है। परंतु विक्रम शब्द में क्रम धातु है, जिसका अर्थ है चलना। इसी से बना हुआ दूसरा शब्द 'संक्रम' है, जो सूर्य की गति के विषय में सर्वविदित है। सूर्य का संक्रम, संक्रमण और संस्कृति आधुनिक ज्योतिषियों के लिए अपरिचित शब्द नहीं है।

उज्जैन की व्युत्पत्ति इस समय उज्जयिनी में मानी जाती है। उज्जैन के प्राकृत नाम 'उज्जैणी' या 'उज्जैन नगरी' थे, जो स्पष्टतः संस्कृत 'उदयिनी' एवं 'उदयन नगरी' से व्युत्पन्न प्रतीत होते हैं। पुनः संस्कृतिकरण की यह प्रक्रिया 'कथा कथा सरित्सागर' आदि में बहुत अधिक पायी जाती है। उज्जैन वास्तव में विक्रमादित्य के उदय की नगरी थी। भारतीय कथा साहित्य का सुप्रसिद्ध उदयन भी सूर्य का ही अन्य नाम है, जिसका विवेचन आगे किया जायेगा।

इस प्रकार विक्रमादित्य महाकाल तथा उज्जयिनी की व्युत्पत्ति पर विचार करने से यही ज्ञात होता है कि विक्रमादित्य नाम का वास्तविक राजा नहीं था। वह दक्षिणगामी सूर्य का ही कल्पित नाम है और उसे राजा का स्वरूप दे दिया गया है। उसे राजा मानने पर उसकी राजधानी उयिनी अथवा उजैणी (बाद में उज्जयिनी) कल्पित की गयी और उसी नगरी का समय संपूर्ण देश के लिए प्रमाणिक समय होने के कारण 'महाकाल' कहलाया। इतने विवेचन के बाद नवरत्नों की कल्पना भी स्पष्ट हो जाती है जो निःसंदेह नव ग्रह हैं।

एक नियम स्थान तक आगे बढ़कर वापस मूल स्थान तक पहुंचना सिंह विक्रांत कहलाता है। सिंह का स्वभाव शिकार करने के लिए कुछ दूर तक वन में आगे बढ़कर पुनः लौटने की क्रिया के लिये 'सिंह विक्रांत' या 'सिंह विक्रमण' शब्द प्रसिद्ध हुआ। कर्क राशि तक उत्तर दिशा में चलकर पुनः दक्षिण की ओर विक्रमण करने वाला सूर्य 'सिंह विक्रमी' हुआ। यही 'सिंह' राशि व्युत्पत्ति है। सूर्य 31 दिन तक कर्क राशि पर रहकर 32 वें दिन सिंह राशि पर पहुंचता है। यही सिंहासन बत्तीसी का रहस्य है। सूर्य सिंह राशि का स्वामी माना जाता है। कर्क तक आगे बढ़कर वह वापस लौटता है और अपने घर की राशि तक आकर वहां आसीन होता है। सूर्य की उत्तर दक्षिण यात्राएं नीचे. स्पष्ट की जा रही हैः- सिंह के बाद सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करता है (संभवतः प्राचीन भारतीय राशि विभाजन खगोल का नहीं भूमंडल का था। भूमि के जिस भाग पर सूर्य राशियाँ सीधी पड़ती थीं, वही राशि विशेष खंड का था। 'राशि' शुद्ध संभवतः 'रश्मि' के प्राकृत रूप 'रस्सियां', 'रश्शि' का पुनः संस्कृत रूप है। सतरंगी किरणों के कारण 'सप्ताश्व' सूर्य का रूपक भी इस 'रश्मि' शब्द से स्पष्ट होता है।) उत्तर भारत के ईसा पूर्व कालीन आर्यों की दृष्टि से वह प्रदेश कुमारी कन्याओं का प्रदेश था। भारत का यह दक्षिण भू-भाग (अर्थात 16 अक्षांश से 8 अक्षांश का भू-भाग) कुमारी कन्याओं का प्रदेश माना जाता था। उस प्रदेश पर सीधी किरणें फेंकने वाला सूर्य कन्यार्क कहलाता था। कन्याओं के उस देश की स्मृति के रूप में आज भी कुमारी अन्नीप का दर्शनीय कन्याकुमारी का मन्दिर जगत प्रसिद्ध है। वहां से दक्षिण की ओर बढ़ता हुआ सूर्य जब विषुवत रेखा पर पहुंच जाता है और वहां उसकी किरणें सीधी पड़ती हैं, वह तुला राशि पर पहुंचा हुआ माना जाता है। 'तुला' नाम बहुत सार्थक है। विषुवत रेखा पर जब सूर्य पहुंच जाता है और तो भूमंडल का उत्तर और दक्षिण का भाग बिल्कुल बराबर तुला हुआ होता है। यही तुला शब्द की सार्थकता है, उसके बाद आगे बढ़कर सूर्य जब वृश्चिक राशि पर पहुंचता है, तो उज्जयिनी पर पड़ने वाली सूर्य की किरणें उतनी ही वक्र होती हैं, जितना बिच्छू का डंक होता है। उससे आगे बढ़ने पर उज्जैन पर पड़ने वाली किरणें और भी अधिक वक्र हो जाती हैं और धनुष के समान दिखायी पड़ती हैं। यह 'धनु' का अर्थ है। उसके बाद समुद्र के मध्यगत मकर राशि तक पहुंचकर सूर्य का पुनः उत्तरायण प्रारंभ होता है। मकर का स्वभाव अगाध जल में पहुंचकर पुनः स्थल की और लौटने का है, यही 'मकर' राशि की सार्थकता है। वहां से संक्रमण करता हुआ सूर्व सर्वप्रथम जिस स्थल भाग के निकट आता है, वह स्थल भाग किसी समय सम्भवतः घड़े को घोण जैसा था और इसलिए 'कुम्भघोण' नाम से प्रसिद्ध है, जहां का स्थल भाग घड़े के घोण जैसा है।

लापता बच्चे और बिखरी व्यवस्था?

हर साल बड़ी संख्या में लोग लापता हो रहे हैं, जिनमें महिलाओं और बच्चों की अधिक संख्या चिंताजनक है। वर्ष की शुरुआत में ही दिल्ली सहित कई राज्यों से बड़ी संख्या में लोगों के गायब होने की खबरों ने इसे राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला किया है। सवाल सिर्फ घटनाओं की संख्या का नहीं, बल्कि उस तंत्र की कमजोरी का है जो इन घटनाओं की रोकथाम और समाधान के लिए जिम्मेदार है।देश में लापता लोगों, विशेषकर बच्चों, से जुड़े मामलों का कोई समेकित राष्ट्रीय डाटा उपलब्ध नहीं है। विभिन्न राज्यों में जो रिकॉर्ड रखे जाते हैं, उससे किसी पैटर्न या संगठित गिरोह की भूमिका का आकलन नहीं हो पाता है। बच्चों की गुमशुदगी के पीछे मानव तस्करी, बाल श्रम, अवैध गोद लेने के रैकेट या अन्य आपराधिक नेटवर्क के सक्रिय होने की आशंका होने लगी है। गृह मंत्रालय द्वारा राज्यों से जानकारी एकत्र कर विश्लेषण का निर्देश देना एक सकारात्मक कदम है। परंतु असली चुनौती है राज्यों के बीच प्रभावी समन्वय, त्वरित सूचना साझा करने की व्यवस्था और जवाबदेही सुनिश्चित करने की। कई मामलों में लापता बच्चों से संबंधित आंकड़े समय पर केंद्र को उपलब्ध नहीं कराए गए। यदि सर्वोच्च न्यायालय को भी इस विषय में हस्तक्षेप करना पड़े और राज्यों को निगरानी तंत्र मजबूत करने का निर्देश देना पड़े, तो यह प्रशासनिक ढांचे की गंभीर खामी को उजागर करता है। गुमशुदगी का हर मामला केवल एक आंकड़ा नहीं होता, वह किसी परिवार की टूटती उम्मीद, किसी मां की अधूरी नींद और किसी बच्चे का छीना हुआ भविष्य होता है। देश की राजधानी दिल्ली जैसे महानगरों में समस्या अधिक गंभीर है, लेकिन यह सिर्फ बडे शहरों तक ही सीमित नहीं है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी अनेक मामले दर्ज होते हैं, जिनमें से कई तो कभी प्रकाश में ही नहीं आ पाते। बीते हफ्ते ही बिहार के गोपालगंज जिले के एक गांव से कई लडकियां अचानक गायब हो गई। काफी छानबीन के बाद हैदराबाद, बैंगलूरू से कुछ की बरामदगी हुई तो लगभग एक दर्जन लडकियां कोलकाता से बरामद की गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष लाखों लोग लापता दर्ज किए जाते हैं। इनमें बड़ी संख्या बच्चों की होती है। यह आंकड़ा केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक विफलता का प्रमाण है। यदि आज हम डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटी और आधुनिक निगरानी प्रणालियों की बात करते हैं, तो फिर बच्चों की सुरक्षा के मामले में ऐसी बुनियादी कमियां क्यों है? समाधान स्पष्ट है, पहला, राष्ट्रीय स्तर पर एकीकृत और रीयल-टाइम डाटा सिस्टम, जिसमें हर राज्य से अनिवार्य रूप से जानकारी अपडेट हो। दूसरा, पुलिस थानों में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को सरल और संवेदनशील बनाया जाए। तीसरा, मानव तस्करी और बाल अपराध से जुड़े मामलों की विशेष जांच इकाइयों को तकनीकी और मानव संसाधन के स्तर पर मजबूत किया जाए। और चौथा, लापरवाही की स्थिति में संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। लापता बच्चों का प्रश्न केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदना और शासन की प्राथमिकता की कसौटी है। जब तक सुरक्षा की कड़ियां मजबूत नहीं होंगी, तब तक हर नई गुमशुदगी की खबर हमारे तंत्र की एक और कमजोरी उजागर करती रहेगी। अब समय आ गया है कि आंकड़ों की धुंध हटे और जिम्मेदारी की स्पष्ट रेखाएं तय हों-ताकि कोई बचपन यूं ही भीड़ में खो न जाए।

दुनिया की 4 दिग्गज कंपनियां एआई पर 650 अरब डालर खर्च करेंगी

स्नेहा सिंह

दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का डंका जोर-शोर से बज रहा है। इसी बीच भारत में 'इम्पैक्ट समिट 2026' आयोजित करने की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इस समिट के माध्यम से भारत विश्व को यह संदेश देना चाहता है कि एआई की दौड़ में हम भी अग्रिम पंक्ति के देशों के साथ खड़े हैं और नई तकनीक का अधिकतम उपयोग करने के लिए तैयार हैं।

19 और 20 फरवरी, 2026 को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाली इस समिट में दुनिया भर के विशेषज्ञ भाग लेंगे और भारत का विजन समझेंगे। वैश्विक कंपनियां भी इस समिट में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली पहुंचेंगी।सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की नामचीन और दिग्गज कंपनियां तकनीक के क्षेत्र में अरबों डालर निवेश कर रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की लहर तेजी से उभर रही है और कंपनियां इसमें भारी निवेश कर रही हैं। भारत सरकार वर्ष 2026 में पूरे देश पर जितना खर्च करने जा रही है, लगभग उतनी ही राशि दुनिया की शीर्ष चार कंपनियां अकेले एआई पर खर्च करने की योजना बना चुकी हैं।

दुनिया की ये चार शीर्ष कंपनियां हैं, गूगल, अमेजन, मेटा और माइक्रोसाफ्ट। वर्ष 2026 में ये चारों मिलकर एआई पर 650 अरब डालर खर्च करने की तैयारी में हैं।करीब ग्यारह दिन पहले भारत सरकार ने 2026-2027 का बजट पेश किया था, जिसका आर्थिक आकार 670 अरब डालर है। यह राशि उन चार कंपनियों द्वारा एआईपर खर्च की जाने वाली राशि से मात्र 20 अरब डालर अधिक है। संभव है कि यह अंतर भी न रहे, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि नामचीन आईटी कंपनियां अपने पूर्व निर्धारित बजट से अधिक खर्च करती रही हैं। इन चार कंपनियों के अलावा दुनिया की अन्य कंपनियां भी एआई पर भारी निवेश करने जा रही हैं। वर्ष 2026 में एआई पर होने वाला कुल वैश्विक खर्च भारत के ताजा बजट से भी अधिक हो सकता है। टेक्नोलाजी से जुड़ी कंपनियां अपने वार्षिक परिणामों के साथ आने वाले वर्ष में संभावित निवेश का भी उल्लेख करती हैं। कुछ दिन पहले गूगल ने 2026 में 185 अरब डालर खर्च करने की बात कही थी। इसके बाद अमेज़न ने 200 अरब डालर के निवेश की घोषणा की। मेटा ने 135 अरब डालर और माइक्रोसाफ्ट ने 120 अरब डालर खर्च करने की योजना बनाई है। दुनिया की टेक्नोलाजी कंपनियां दिन-ब-दिन अधिक महत्वाकांक्षी होती जा रही हैं। बड़ी कंपनियां एआई रिसर्च में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लगी हैं। नए अनुसंधान और नवाचार के लिए वे बेहिसाब धन खर्च करने को तैयार हैं। इन कंपनियों के बीच आंतरिक प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र है कि वे नए नवाचारों के जरिए ग्राहकों को हर हाल में अपने साथ बनाए रखना चाहती हैं। भारत के बजट में रक्षा, खाद्य सब्सिडी, तकनीक, कल्याणकारी योजनाएं, स्वास्थ्य आदि विभिन्न क्षेत्रों में धन आवंटित किया जाता है। दूसरी ओर, ये चार बड़ी कंपनियां अकेले एआई के लिए 650 अरब डालर खर्च करने जा रही हैं। इन चार कंपनियों का एआई बजट विकसित देश स्वीडन सहित कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से भी अधिक है। स्वीडन का जीडीपी लगभग 620 अरब डालर है। मामला केवल शीर्ष चार कंपनियों तक सीमित नहीं है। टेक्नोलाजी क्षेत्र की कई अन्य कंपनियां भी एआई पर भारी निवेश करने की तैयारी में हैं। एआई एक ओर नौकरियां खत्म कर रहा है, तो दूसरी ओर नई और अधिक वेतन वाली नौकरियां भी पैदा कर रहा है।

पाखंड की ओट में छुपा दानः क्या यह सच में पुण्य है?

आरके जैन

मनुष्य की आत्मा जब अपने कर्मों का निष्पक्ष लेखा-जोखा करती है, तब सबसे पहले यह प्रश्न उसके अंतर्मन में गूँजता है-क्या धन की पवित्रता से बड़ा कोई नैतिक मूल्य हो सकता है? आज के युग में, जब अनेक लोग छल, कपट और अनैतिक तरीकों से अर्जित धन को धार्मिक कार्यों में लगाकर स्वयं को धर्मात्मा सिद्ध करने का प्रयास करते हैं, तब इस प्रवृत्ति की गंभीर समीक्षा अनिवार्य हो जाती है। यह विषय केवल दान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चरित्र, विवेक और सामाजिक उत्तरदायित्व की कसौटी है। भव्य मंदिर, विशाल दानशालाएँ और चमकदार आयोजन हमारी आँखों को चकाचौंध कर सकते हैं, किंतु उनके पीछे छिपा अन्याय प्रायः दृष्टि से ओझल रह जाता है। यही भ्रम धीरे-धीरे हमारी चेतना को शिथिल करता है और हमें नैतिक पतन की खाई की ओर धकेल देता है।अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि यदि कोई व्यक्ति अपनी गलत कमाई को अच्छे कार्यों में लगा रहा है, तो कम से कम वह समाज का हित तो कर ही रहा है। परंतु यह सोच न केवल सतही है, बल्कि अत्यंत भ्रामक भी है। जिस धन की नींव शोषण, धोखा और भ्रष्टाचार पर रखी गई हो, वह कभी भी सच्चे कल्याण का माध्यम नहीं बन सकता। ऐसा धन पीड़ितों की आहों, आँसुओं और असहनीय पीड़ा से जुड़ा होता है। जब उसी धन से दान किया जाता है, तब वह सहायता नहीं, बल्कि अन्याय का एक नया रूप बन जाता है—अन्याय का पुनर्वितरण। समाज को यह स्पष्ट रूप से समझना होगा कि सच्ची भलाई का मार्ग केवल शुद्ध और न्यायपूर्ण साधनों से होकर ही गुजरता है।

भारतीय दर्शन सदैव साधन और साध्य-दोनों की शुद्धता पर बल देता आया है। उपनिषद, गीता और स्मृतियाँ एक स्वर में यह उद्घोष करती हैं कि अधर्म से अर्जित धन कभी भी पुण्य का स्रोत नहीं बन सकता। श्रीमद्भगवद्गीता में सात्त्विक, राजस और तामस दान का विवेचन करते हुए शुद्ध भावना और ईमानदार कमाई को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। मनुस्मृति भी यही प्रतिपादित करती है कि अन्यायपूर्ण साधनों से प्राप्त संपत्ति आत्मिक उन्नति में बाधक बनती है। वास्तव में धर्म का उद्देश्य मनुष्य को नैतिक ऊँचाइयों तक पहुँचाना है, न कि उसे अपने पापों पर आडंबर का आवरण चढ़ाने की अनुमति देना। इतिहास स्वयं इस निर्विवाद सत्य का साक्षी है कि अपराध और दान का संगम कभी भी महानता की रचना नहीं कर सका। अनेक शासकों और धनाढ्य व्यक्तियों ने अस्पताल, विद्यालय और धार्मिक स्थलों का निर्माण करवाया, परंतु उनके अत्याचार, अन्याय और निर्दयता उन्हें कभी महान नहीं बना सके। जनता के खून-पसीने और पीड़ा से अर्जित धन से खड़े किए गए भवन केवल निर्जीव पत्थर के ढाँचे होते हैं, जिनमें नैतिकता और संवेदनशीलता की आत्मा का सर्वथा अभाव होता है। समय ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि व्यक्ति का वास्तविक मूल्य उसके आचरण और कर्मों से आँका जाता है, न कि उसके दान की भव्यता और राशि से। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी गलत कमाई से किया गया दान आत्म-शुद्धि का एक झूठा भ्रम उत्पन्न करता है। अनेक लोग इसे अपने अपराध-बोध से मुक्ति पाने का सरल उपाय मान लेते हैं। वे यह मान बैठते हैं कि कुछ धन दान कर देने मात्र से उनके पाप धुल जाएँगे और उनका अंतर्मन निर्मल हो जाएगा। किंतु यह मानसिकता आत्म-सुधार नहीं, बल्कि आत्म-छल और आत्म-प्रवंचना का रूप है। सच्चा प्रायश्चित तभी संभव होता है, जब मनुष्य अपने गलत मार्ग को त्यागकर सत्य, ईमानदारी और नैतिकता के पथ पर दृढ़ता से अग्रसर हो। बिना आचरण बदले किया गया दान आत्मा को अस्थायी संतोष देने वाला एक छलावा मात्र बनकर रह जाता है। समाज पर इस प्रवृत्ति का प्रभाव अत्यंत गहरा और चिंताजनक होता है। जब बेईमान लोग बड़े-बड़े दानों के माध्यम से सम्मान, प्रतिष्ठा और सामाजिक स्वीकार्यता प्राप्त कर लेते हैं, तब ईमानदार और परिश्रमी व्यक्ति स्वयं को उपेक्षित और हताश अनुभव करता है। इससे समाज का नैतिक संतुलन डगमगाने लगता है और युवाओं को यह गलत संदेश मिलने लगता है कि सफलता का मार्ग सत्य और परिश्रम से नहीं, बल्कि चतुराई, छल और अनैतिकता से होकर जाता है। धीरे-धीरे यही सोच पूरे सामाजिक ताने-बाने को खोखला कर देती है और परस्पर विश्वास की नींव को गहराई से हिला देती है। वास्तव में सच्चा दान वही होता है, जो त्याग, करुणा और पवित्र परिश्रम की भूमि पर अंकुरित होता है। जब कोई व्यक्ति अपनी सीमित आय और साधनों के बावजूद दूसरों की पीड़ा को समझकर सहायता के लिए हाथ बढ़ाता है, तब उसका योगदान आकार में छोटा होकर भी मूल्य में महान बन जाता है। उसमें अहंकार का प्रदर्शन नहीं, बल्कि निःस्वार्थ सेवा की भावना होती है। ऐसा दान समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है और नैतिक मूल्यों की जड़ों को और अधिक सुदृढ़ करता है। इसके विपरीत, गलत कमाई से किया गया दान प्रायः दिखावे, प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि की अतृप्त लालसा से प्रेरित होता है, जिसमें संवेदना से अधिक स्वार्थ छिपा होता है।

समाधान का मार्ग पूर्णतः स्पष्ट और निर्विवाद है। हमें दान की मात्रा और भव्यता से अधिक उसके स्रोत और भावना की शुद्धता पर ध्यान केंद्रित करना होगा। समाज का दायित्व है कि वह भ्रष्टाचार और अनैतिकता से अर्जित धन को सम्मान देने के बजाय ईमानदार, परिश्रमी और सत्यनिष्ठ जीवन को सर्वोच्च आदर्श के रूप में स्थापित करे। शिक्षण संस्थानों, धार्मिक संगठनों और मीडिया को भी इस विषय पर निरंतर जागरूकता फैलाकर लोगों की सोच को सही दिशा देनी चाहिए। जब हम संपत्ति से ऊपर चरित्र को स्थान देंगे, तभी सच्चे अर्थों में एक न्यायपूर्ण, संवेदनशील और नैतिक समाज का निर्माण संभव हो सकेगा।यह निर्विवाद रूप से कहा जा सकता है कि गलत तरीकों से कमाए गए धन से किया गया दान पुण्य नहीं, बल्कि अन्याय और पाप पर चढ़ाया गया एक चमकदार आवरण मात्र है। यह समाज को भ्रमित करता है, सत्य को ढक देता है और नैतिक मूल्यों को धीरे-धीरे क्षीण कर देता है। सच्ची धार्मिकता मंदिरों, मस्जिदों या दानपेटियों की सीमाओं में नहीं, बल्कि ईमानदार जीवन, अडिग सत्यनिष्ठा और करुणामय आचरण में निवास करती है। हमें इतना साहस अवश्य दिखाना होगा कि हम ऐसे दिखावटी दान की प्रशंसा करने से इंकार करें और स्पष्ट शब्दों में यह घोषित करें-पुण्य का मार्ग केवल शुद्ध, न्यायपूर्ण और नैतिक साधनों से होकर ही जाता है।

वैलेंटाइनः प्रेम का पर्व या बाजार का उत्सव?

कृति जैन

वैलेंटाइन डे का नाम लेते ही आज मन में गुलाब, चॉकलेट, टेडी और महंगे गिफ्ट्स की चमकदार तस्वीर उभर आती है। प्यार जैसे पवित्र भाव को हमने धीरे-धीरे बाजार की सजावटी वस्तु बना दिया है। ऐसा प्रतीत होता है मानो बिना तोहफों के प्रेम अधूरा और बेकार है। लेकिन क्या सच में प्यार की पहचान इन दिखावटी चीजों से होती है? बिल्कुल नहीं। प्यार की असली भाषा त्याग, समर्पण और एक-दूसरे के लिए खुद को पीछे रखना है। जब कोई व्यक्ति अपनी खुशी छोड़कर प्रियजन की मुस्कान में अपना सुख खोजता है, वही सच्चा प्रेम कहलाता है। दुर्भाग्य से आज का आधुनिक वैलेंटाइन इस पवित्र भावना को लगभग भुला चुका है।

पारंपरिक प्रेम की जड़ें त्याग और समर्पण में गहराई से जुड़ी हुई थीं। राम-सीता, राधा-कृष्ण, हीर-रांझा और लैला-मजनूं जैसी प्रेम कथाएं हमें सिखाती हैं कि प्रेम में त्याग सर्वोच्च मूल्य था। प्रेमियों ने समाज, परिवार और यहां तक कि अपने जीवन तक का बलिदान दिया। वैलेंटाइन डे की शुरुआत भी संत वैलेंटाइन के महान त्याग से हुई, जिन्होंने प्रेम की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उस समय प्यार कोई व्यापार नहीं था, बल्कि आत्माओं का पवित्र रिश्ता था। आज के दौर में यह भावना कमजोर होती जा रही है। त्याग की जगह अब दिखावे और स्वार्थ ने ले ली है।

मॉडर्न लव की दुनिया में सोशल मीडिया ने प्यार को एक मंच बना दिया है।

इंस्टाग्राम और फेसबुक पर महंगे डिनर, लग्जरी ट्रिप और कीमती गिफ्ट्स की तस्वीरें आज प्रेम का प्रमाण मानी जाती हैं। लोग अब कम महसूस करते हैं और ज्यादा दिखाते हैं। पारंपरिक प्रेम में त्याग चुपचाप होता था, बिना किसी प्रचार और प्रदर्शन के। मां का बच्चे के लिए रातभर जागना, पिता का अपनी इच्छाओं को दबाना - ये निःस्वार्थ प्रेम के सच्चे उदाहरण थे। लेकिन आज का वैलेंटाइन इन मूल्यों को लगभग भूल चुका है। पूंजीवाद ने प्यार को व्यापार में बदल दिया है, जहां भावनाएं भी बिकाऊ वस्तु बन गई हैं।

दार्शनिक दृष्टि से प्रेम आत्माओं का मिलन है, न कि वस्तुओं का लेन-देन। प्लेटो और अरस्तू जैसे महान दार्शनिकों ने प्रेम को आत्मिक विकास और चरित्र निर्माण का माध्यम माना। पारंपरिक प्रेम इसी विचारधारा पर आधारित था, जहां प्रेम इंसान को बेहतर बनाता था। लेकिन आधुनिक समाज में व्यक्तिवाद तेजी से बढ़ा है। लोग अपने सुख और सुविधा को प्राथमिकता देने लगे हैं। गिफ्ट्स केवल क्षणिक आत्म-संतोष देते हैं, जबकि त्याग स्थायी आत्म-परिवर्तन लाता है। डेटिंग ऐप्स की संस्कृति ने रिश्तों को अस्थायी और सतही बना दिया है। आज प्यार एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक विकल्प बनकर रह गया है। भारतीय संस्कृति में त्याग को सदैव पवित्र और श्रेष्ठ माना गया है। सावित्री, सती-सावित्री, मीरा और सीता जैसे आदर्श चरित्र हमें प्रेम में समर्पण और निष्ठा का सही अर्थ समझाते हैं। यहां प्यार केवल एक भावना नहीं, बल्कि साधना और तपस्या था। लेकिन वैश्वीकरण के प्रभाव से वैलेंटाइन पश्चिमी संस्कृति के साथ भारतीय समाज में प्रवेश कर गया। धीरे-धीरे युवा वर्ग ने इसे अपनाया, पर उसके साथ उपभोगवाद भी फैलता गया। गिफ्ट्स प्रेम का मापदंड बन गए। रिश्ते तेजी से बनते हैं और उतनी ही जल्दी टूट भी जाते हैं। स्थिरता की जगह अब अस्थिरता ने ले ली है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से त्याग विश्वास, सुरक्षा और अपनापन पैदा करता है। एरिक फ्रॉम के अनुसार, प्रेम देना सीखना ही सच्चा प्रेम है। पारंपरिक प्रेम इसी सिद्धांत पर आधारित था। त्याग से विश्वास मजबूत होता था और रिश्ते गहराते थे। लेकिन महंगे उपहार केवल क्षणिक खुशी देते हैं। वे डोपामाइन बढ़ाते हैं, पर स्थायी संतोष नहीं दे पाते। जैसे ही उपहार कम होते हैं, रिश्तों में दूरी आने लगती है। कई युवा वैलेंटाइन पर अपेक्षाएं पूरी न होने पर निराश हो जाते हैं, जिससे मानसिक तनाव और अकेलापन बढ़ता है। साहित्य और सिनेमा भी हमें त्याग का महत्व बार-बार समझाते हैं। फिल्म 'टाइटैनिक' में जैक का बलिदान आज भी दर्शकों की आंखें नम कर देता है, इसलिए वह प्रेम अमर बन गया। इसके विपरीत, फूल और चॉकलेट कुछ ही दिनों में मुरझा जाते हैं। वे गहरी यादें नहीं बनाते, केवल क्षणिक सुख देते हैं।

पारंपरिक प्रेम में त्याग जीवनभर की कहानी बन जाता था। आज मार्केटिंग ने प्यार को एक इंस्टेंट प्रोडक्ट बना दिया है। कंपनियां मुनाफा कमाती हैं, लेकिन रिश्ते दिन-ब-दिन खोखले होते जा रहे हैं। प्यार की असली भाषा त्याग है, गिफ्ट नहीं। वैलेंटाइन डे ने इस सच्चाई को धीरे-धीरे भुला दिया है, क्योंकि उपभोगवाद ने प्रेम को आकर्षक पैकेज में बदल दिया है। पारंपरिक प्रेम में त्याग से रिश्ते मजबूत और स्थायी होते थे, जबकि आधुनिक प्रेम में दिखावे से वे कमजोर और अस्थिर होते जा रहे हैं। हमें फिर से छोटे-छोटे त्यागों को अपनाना होगा- समय देना, समझना, साथ निभाना और सम्मान करना। वैलेंटाइन जरूर मनाएं, लेकिन दिल और भावना से। जब प्रेम में त्याग वापस लौटेगा, तभी वह सच्चा, गहरा और अमर बन सकेगा।

तेईसवीं सदी का गधा-पच्चीसी

डॉ. सुरेश कुमार

बाईसवीं सदी की पूंछ कट चुकी थी और तेईसवीं की मूंछ उगी ही थी कि कस्बे के स्वयंभू नेता, स्वघोषित बुद्धिजीवी और पेशेवर जेबकतरे गजाधर बाबू ने अपनी 'एंटी-ग्रैविटी' लाठी हवा में लहराई। मामला उस पुश्तैनी प्लॉट का था जो चांद के उस पार 'शिव शक्ति पॉइंट' के बगल में गिरवी पड़ा था। गजाधर ने अपनी आँखों को पिचकाकर कस्बे के इकलौते रोबोटिक दरोगा 'लोहासिंह' से कहा, देखो पटवारी, मशीन हो तो मशीन बनके रहो, हमारे खानदानी लालच के बीच में अपनी लॉजिक वाली टाँग मत अड़ाओ। कस्बे में लालच का यह आलम था कि लोग दूसरे की थाली का खाना चबाने के बजाय उसकी पाचन शक्ति हड़पने की फिराक में रहते थे। पूरी पंचायत इस बात पर खिसियाई हुई थी कि अगर सब बराबर अमीर हो गए, तो फिर एक-दूसरे को नीचा दिखाने का सुख कैसे मिलेगा। गजाधर के सगे साले, जिनका नाम 'डिजिटल दीनू' था, उन्होंने एक ऐसी स्कीम पेश की जिससे नरक के दरवाजे भी शर्म से बंद हो जाएं। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि क्यों न हम अपने पड़ोसियों के दिमाग में एक ऐसा वायरस डाल दें कि वे अपनी सारी जमीन हमारे नाम 'गिफ्ट' कर दें और बदले में उन्हें 'पुण्य' का एक नकली सर्टिफिकेट दे दिया जाए। दीनू की मूंछें इस विचार पर ऐसे फड़क रही थीं जैसे किसी मरी हुई छिपकली की पूंछ। पंचायत में बैठे लोग ऐसे झूम रहे थे मानो ईमानदारी का जनाज़ा निकल रहा हो और वे सब कंधे देने के लिए लाइन में लगे हों। गजाधर ने अपनी खटिया पर करवट बदलते हुए कहा, बेटा दीनू, चोरी ऐसी करो कि पुलिस भी कहे-साहब, थोड़ा हिस्सा हमारा भी है क्या? तभी कस्बे के सबसे बड़े 'धार्मिक ठग' पोंगा पंडित ने अपनी डिजिटल माला घुमाते हुए कहा कि जिस जमीन पर गजाधर की नज़र है, वहाँ सदियों पहले एक महापुरुष ने अपना 'खजाना' छिपाया था। यह सुनते ही कस्बे के लोगों की लार ऐसे टपकी कि फर्श पर फिसलन हो गई और दो रोबोटिक कुत्ते फिसलकर अपनी मेमोरी लॉस कर बैठे। लालच की इस आंधी में गजाधर ने अपनी पत्नी के जेवर तो क्या, पड़ोसी के घर की वायरिंग तक उखाड़कर 'इन्वेस्टमेंट' के नाम पर दांव पर लगा दी। हर कोई उस खजाने का सपना देख रहा था जिसमें से शायद हीरा-पन्ना नहीं, बल्कि 'अमरता का कोड' निकलने वाला था।

सस्पेंस ऐसा कि हवा में तैरते ड्रोन भी डर के मारे अपना रास्ता बदल लेते थे। तहसीलदार रोबोट के सामने जब गजाधर और दीनू भिड़े, तो लगा कि महाभारत का पार्ट-२ रिलीज होने वाला है। गजाधर ने दावा किया कि वह उस जमीन का असली वारिस है क्योंकि उसके दादा ने वहां एक बार 'थूका' था और थूकना ही कब्जे की निशानी है। दूसरी तरफ दीनू ने अपनी फोटोशॉप की हुई वसीयत दिखाई जिसमें साक्षात विधाता के अंगूठे का निशान लगा था। रोबोटिक तहसीलदार का प्रोसेसर इस डेटा को पढ़कर गरम होने लगा और उसमें से धुंआ निकलने लगा। पंचायत ने तय किया कि जो सबसे बड़ा 'त्यागी' बनेगा, खजाना उसी का होगा। फिर क्या था, पूरे कस्बे में 'त्याग' की ऐसी होड़ लगी कि लोग अपनी लुंगी तक दान करने लगे ताकि बाद में दूसरों का रेशम लूट सकें। अचानक खबर आई कि खजाने वाली जगह पर खुदाई शुरू हो गई है। गजाधर और दीनू अपनी टांगें बचाते हुए वहां ऐसे भागे जैसे पीछे से यमराज का बुलेट आ रहा हो। वहां पहुंचकर देखा तो एक बहुत बड़ा स्टील का संदूक बाहर निकला था, जिस पर पुराने जमाने का ताला लटका था। भीड़ की धड़कनें 'हाई-वोल्टेज' बिजली की तरह दौड़ रही थीं। गजाधर ने मन ही मन तय कर लिया था कि वह दीनू को वहीं गड्ढे में धक्का देकर सारा माल समेट लेगा। दीनू भी अपनी जेब में एक 'लेजर कटर' छिपाए बैठा था ताकि गजाधर का गला और तिजोरी का ताला, दोनों एक साथ साफ कर सके। सस्पेंस का मीटर अब फटने की कगार पर था।

सलमान के जीजा को मिली धमकी : रिपोर्ट में दावा-आयुष शर्मा से ईमेल के जरिए करोड़ों रुपए की मांग की गई

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद बुधवार को सलमान खान के जीजा और एक्टर आयुष शर्मा को भी करोड़ों रुपए की मांग के साथ धमकी दिए जाने की खबर सामने आई है।

दरअसल, खबर आई थी कि सलमान के रिश्तेदार को ईमेल के जरिए धमकी मिली। धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस गैंग से जुड़ा बताया। बताया गया कि अगर मांग पूरी नहीं की गई तो जान का खतरा होगा।

शुरुआती जानकारी में रिश्तेदार की पहचान साफ नहीं थी, लेकिन अब एक रिपोर्ट में दावा किया है कि यह शख्स सलमान की छोटी बहन अर्पिता खान शर्मा के पति और एक्टर आयुष शर्मा हैं। बता दें कि आयुष शर्मा फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले में अभी तक सलमान या आयुष की ओर से पुलिस में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। हालांकि, पुलिस एहतियातन सतर्क है और पूरे मामले पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

रणवीर सिंह को मिली थी धमकी

आयुष शर्मा से पहले मंगलवार को रणवीर सिंह को धमकी मिली थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रणवीर को ये धमकी व्हॉट्सएप में वॉइस नोट के जरिए भेजी गई है, जिसमें कहा गया है कि अगर करोड़ों रुपए नहीं दिए जाते तो एक्टर को जान का खतरा होगा।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने रणवीर के बांद्रा स्थित घर की सिक्योरिटी बढ़ा दी थी। इसके साथ ही मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच ने वॉइस नोट भेजने वाले शख्स की तलाश शुरू कर दी है। उस शख्स ने भी खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया था।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस से कनेक्शन की जांच

धमकियों के इन मामलों से ठीक पहले 31 जनवरी की देर रात को डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग की गई थी। अब पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या रणवीर सिंह को मिली धमकी का कोई सीधा संबंध रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग की घटना से है या यह डर फैलाने की साजिश है।

टारगेट में थे रोहित शेट्टी

निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित घर के बाहर 31 जनवरी को पांच राउंड फायरिंग की घटना सामने आई थी, जिसके बाद से मुंबई क्राइम ब्रांच इस मामले की जांच में जुटी हुई है। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ है कि इस फायरिंग में रोहित शेट्टी ही हमलावरों का मुख्य टारगेट थे।

इस मामले में पुलिस ने 5 फरवरी को आरोपी आसाराम फसाले को गिरफ्तार किया था। पुलिस जांच के मुताबिक, आसाराम फसाले पिछले चार वर्षों से गैरेज मैकेनिक के तौर पर काम कर रहा था और लॉरेंस गैंग से जुड़ा हुआ था। वह गैंग के मास्टरमाइंड शुभम लोंकर के निर्देश पर हथियारों की सप्लाई करता था।

क्राइम ब्रांच को यह भी जानकारी मिली है कि आसाराम के गैंग से जुड़े होने की भनक उसके कुछ करीबी लोगों को थी। हालांकि, वे लोग कौन हैं और क्या उनका भी लॉरेंस गैंग से कोई सीधा कनेक्शन है, इस एंगल से पुलिस अब जांच कर रही है।

तापसी पन्नू ने फैंस से की थिएटर जाकर फिल्म 'अस्सी' देखने की अपील, कहा- 'काश...शब्द नहीं रहना चाहिए'

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने फिल्म 'अस्सी' की सिनेमाघरों में रिलीज से पहले दर्शकों से अपील की है कि वे इस फिल्म को थिएटर्स में जाकर देखें। हालांकि, उन्होंने अनोखे अंदाज में यह बात एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कही है। साथ ही यह जानकारी भी दी है कि इस फिल्म की थिएटर रिलीज से पहले अलग-अलग शहरों में इसकी स्क्रीनिंग होगी और यह सिलसिला पूरे सप्ताहभर चलेगा।

'अच्छे सिनेमा के हकदार तभी हैं, जब उसकी कद्र करते हैं'

तापसी पन्नू ने आज गुरुवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा है, 'चलो समय बदलते हैं, क्योंकि दुख की बात है कि अब सिर्फ अपनी फिल्म बनाकर आराम से बैठ जाना ही सब कुछ नहीं रह गया है। हम अच्छे सिनेमा के हकदार तभी हैं, जब हम उसकी कद्र करते हैं। समाज जल्द ही अच्छी फिल्मों से भर जाएगा, इसलिए नहीं कि हमने लगातार औसत दर्जे की फिल्में चुनी हैं, बल्कि इसलिए कि आपने तब चुप रहना चुना, जब आपकी आवाज आपको सबसे ऊपर ले जा सकती थी'।

अलग-अलग शहरों में होगी स्क्रीनिंग

तापसी ने आगे लिखा है, 'हम अपनी ऑफिशियल रिलीज से एक हफ्ते पहले अलग-अलग शहरों में स्पेशल स्क्रीनिंग के साथ फिल्म 'अस्सी' के लिए आपका भरोसा और प्यार पाने का अपना सफर शुरू कर रहे हैं। इसे हमारी फिल्म पर भरोसा कहें या आपका फैसला, हम यह पक्का कर रहे हैं कि हमारी कहानी में 'काश....' न हो। आप पक्का करें कि आपकी कहानी में भी यह न हो'।

फिल्म 'अस्सी' 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। तापसी के हालिया पोस्ट पर नेटिजन्स सपोर्ट कर रहे हैं और फिल्म के प्रति उत्सुकता जता रहे हैं।

फिल्म 'दृश्यम 3' में प्रकाश राज की एंट्री

एक्टर ने शूटिंग शुरू की; बोले- किसी को रिप्लेस नहीं कर रहा हूं

अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' की कास्ट में प्रकाश राज शामिल हो गए हैं। एक्टर ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर यह जानकारी शेयर की। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले फिल्म से अक्षय खन्ना के बाहर होने की खबर के चलते यह चर्चा में थी। बता दें कि प्रकाश राज ने साफ किया कि वह किसी को रिप्लेस नहीं कर रहे हैं।

प्रकाश राज ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया कि उन्होंने फिल्म के हिंदी वर्जन की शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने इसे एक एंगेजिंग फ्रेंचाइजी बताया और एक शानदार टीम व दमदार किरदार के साथ जुड़ने की बात कही। उन्होंने यह भी साफ लिखा, हां, मैं किसी को रिप्लेस नहीं कर रहा हूं। यह अपडेट अक्षय खन्ना के फ्रेंचाइजी से बाहर होने की खबरों के बीच आया है। हाल ही में खबर आई थी कि 'दृश्यम 2' में उनकी शानदार परफॉर्मेंस के बावजूद खन्ना ने यह प्रोजेक्ट छोड़ दिया।

खबर है कि तीसरे पार्ट में प्रकाश राज के लिए खास तौर पर एक नया किरदार लिखा गया है। फिल्म को अभिषेक पाठक डायरेक्ट कर रहे हैं, जिन्होंने इसका दूसरा पार्ट भी डायरेक्ट किया था। अजय देवगन एक बार फिर विजय सालगांवकर का रोल निभाएंगे। कास्ट में तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर, इशिता दत्ता और मृणाल जाधव शामिल हैं। स्क्रीनप्ले अभिषेक पाठक, अमिल कियान खान और परवेज शेख ने लिखा है। फिल्म 2 अक्टूबर 2026 को थिएटर में रिलीज होगी।

गौरतलब है कि इस तारीख को फैंस अक्सर दृश्यम डे के तौर पर याद करते हैं। मलयालम वर्जन 'दृश्यम 3', जिसमें मोहनलाल लीड रोल में हैं और जिसका निर्देशन जीतू जोसेफ ने किया है, 2 अप्रैल को रिलीज होने की उम्मीद है।

खुशी कपूर का स्वैग: बिकिनी टॉप और अनबटन जींस में कपूर खानदान की लाडली ने ढाया धमाल

बोनी कपूर की बेटी और जाह्नवी कपूर की छोटी बहन खुशी कपूर अपने ग्लैमरस अंदाज और फैशन सेंस से फैंस को क्रेजी कर देती हैं. खुशी का हर लुक एक से बढ़कर एक होता है. 25 साल की खुशी कपूर ने अब अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर रेड एंड व्हाइट बिकिनी में अपनी कुछ स्टनिंग तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें भी तेज हो गई हैं. खुशी कपूर ने बिकिनी टॉप के साथ जैकेट भी कैरी की है, जिसे उन्होंने फ्रंट से ओपन ही रखा है. बिकिनी संग एक्ट्रेस ने जींस को भी अनबटन करके स्टाइल किया है.

खुशी कपूर के इस अनोखे स्टाइल स्टेटमेंट से फैंस काफी इंप्रेस नजर आ रहे हैं. एक्ट्रेस ने इस लुक को स्मोकी आई मेकअप, ग्लॉसी लिपस्टिक के साथ कंप्लीट किया. ओपन हेयर में वो डीवा लग रही हैं. खुशी ने कभी बैठकर, कभी लेटकर तो कभी खड़े होकर कई अलग अंदाज में पोज दिए. उनका हर एक पोज बेहद किलर है. एक्ट्रेस के ग्रेस और स्वैग से नजरें हटाना भी मुश्किल है.

खुशी ने फोटोज के कैप्शन में लिखा- हैप्पी संडे. उनकी ये ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. जाह्नवी कपूर ने भी बहन की तस्वीरों पर रिएक्ट किया है. उन्होंने कैप्शन में लिखा- नाइस कैजुअल कैप्शन.

फैंस भी खुशी पर दिल हार बैठे हैं. एक्ट्रेस के पोस्ट का कमेंट सेक्शन तारीफों से भरा हुआ है. एक यूजर ने लिखा- आपसे प्यार हो गया है. दूसरे ने लिखा- सुपर हॉट. कोई हार्ट इमोजी बना रहा है, तो कोई फायर इमोजी बनाकर रिएक्शन दे रहा है. खुशी कपूर की बात करें तो वो बॉलीवुड में अपने कदम जमाने में लगी हैं. खुशी ने 'द आर्चीज' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था. इसके बाद वो 'लवयापा', 'नादानियां' में नजर आईं.

'मेरी शादी टूटने का इंतजार कर रहे थे लोग' प्रियंका चोपड़ा का हेटर्स को करारा जवाब

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी इंडियन सिनेमा में कमबैक फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं. उनके इंडियन फैन्स उन्हें फिर से बड़े पर्दे पर इंडियन अवतार में देखने के लिए उत्सुक हैं. हाल ही में प्रियंका ने एक इंटरव्यू में अपनी अपकमिंग फिल्म से लेकर पर्सनल लाइफ से जुड़ी कुछ बातें साझा की हैं.

निक से शादी के वक्त उठे सवाल?

प्रियंका चोपड़ा ने वैराइटी इंडिया से अपनी चर्चित शादी को लेकर बात की है. उन्होंने बताया कि कैसे हॉलीवुड के फेमस सिंगर-एक्टर निक जोनस संग शादी को लेकर कई लोगों को आपत्ति थी. एक्ट्रेस ने साथ ही साथ अपनी शादी टूटने की बातों पर भी रिएक्ट किया. प्रियंका ने कहा, 'हमारी शादी को अब 8 साल हो गए हैं. अगर लोग अभी भी इंतजार कर रहे हैं कि ये रिश्ता कब टूटेगा या बर्बाद होगा, तो वो उनकी मर्जी.'

'मैंने तो अब इसके बारे में सोचना ही छोड़ दिया है. पता नहीं हमने ऐसा क्या किया जो लोगों को हमारा रिश्ता इतना खटकता था. शायद इसलिए क्योंकि हम अलग-अलग देशों से हैं, अलग-अलग धर्म के हैं, और उम्र में भी फर्क है. ये सब सुनकर बहुत दुख होता था.' प्रियंका बताती हैं कि उन्हें अब अपने रिश्ते को लेकर होने वाली चर्चाओं से कोई फर्क नहीं पड़ता. वो और निक अब एक-दूसरे में खोए रहते हैं, बाहरी दुनिया से खुद को अलग कर चुके हैं.

पति निक की तारीफ में क्या बोलीं प्रियंका?

प्रियंका ने आगे अपने पति निक जोनस के बारे में भी बात की और उनकी तारीफ में भी कुछ बातें कहीं. उन्होंने कहा, 'हमारी शादी बहुत जल्दी हो गई थी, मिलने के सिर्फ छह महीने में. जब मैंने निक से शादी की, तो मुझे भी लग रहा था कि ये सच में हो रहा है या नहीं. उनका ये वाला हिस्सा मतलब मुझे लगा कि ये सब नकली है, ये दिखावा है, ये पागलपन है. लेकिन निक में सच्चाई है, पूरी ईमानदारी है. ये बात मुझे हर रोज इंस्पायर करती है.'

'मेरे प्रोफेशन में तो हर बार कुछ ना कुछ बनना पड़ता है, रोल बदलना पड़ता है, जो दिखाना हो वो दिखाना पड़ता है. लेकिन निक दिन भर जो भी बात करते हैं, जिससे भी बात करते हैं, वो हमेशा बिल्कुल सच्चे रहते हैं. वो बहुत छोटी उम्र से काम करने लगे थे. उनके मम्मी-पापा बहुत अच्छे, समझदार और सच्चे इंसान हैं, संत जैसे. तो मुझे पता चल गया कि ये गुण कहां से आए. ये उनकी ऐसी खूबी है जो सबको हैरान कर देती है, कोई बचाव नहीं कर पाता.'

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की शादी साल 2018 में हुई थी. दोनों के बीच लगभग 10 साल का अंतर है, जिसपर कई लोगों ने सवाल खड़े किए थे. मगर कपल ने हमेशा उन सभी सवालों का अपनी दमदार केमिस्ट्री से मुंह तोड़ जवाब दिया. अब दोनों एक बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के पेरेंट्स भी हैं, जिनका जन्म साल 2022 में हुआ था.

जया बच्चन और राजेश खन्ना के बीच झगड़ा हुआ था

अमिताभ बच्चन को लेकर बहस हुई, फिल्म की शूटिंग रुक गई थी

फिल्म 'बावर्ची' की शूटिंग के दौरान राजेश खन्ना और जया बच्चन के बीच अमिताभ बच्चन को लेकर झगड़ा हो गया था, जिसके चलते कुछ समय के लिए फिल्म की शूटिंग भी रुक गई थी। दरअसल, एक्टर राजू श्रेष्ठ, जिन्हें मास्टर राजू के नाम से जाना जाता है, ने हाल ही में फिल्म 'बावर्ची' से जुड़ा किस्सा शेयर किया। इस फिल्म में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में काम किया था और उनके साथ राजेश खन्ना भी थे।

राजू ने कहा कि यह घटना बहुत पुरानी है, इसलिए उन्हें पूरी बात साफ-साफ याद नहीं, लेकिन इतना याद है कि बहस के कारण शूटिंग रोकनी पड़ी थी। उनके अनुसार, झगड़ा अमिताभ बच्चन को लेकर हुआ था। जया जी, अमिताभ जी की अच्छी दोस्त थीं और उस समय अमिताभ, ऋषिकेश मुखर्जी के भी करीब थे तथा उनके साथ फिल्म कर रहे थे। राजेश खन्ना को इस बात से परेशानी थी।

1972 की फिल्म "बावर्ची" में अमिताभ बच्चन पर्दे पर दिखाई नहीं देते हैं, लेकिन उन्होंने नरेटर की भूमिका निभाई है। फिल्म में राजेश खन्ना बावर्ची रघु की भूमिका में और जया, कृष्णा की भूमिका में नजर आती हैं।

राजू ने कहा कि राजेश खन्ना ने सेट पर जया जी से अमित जी के खिलाफ कुछ कहा था, जिसकी वजह से जया जी अपसेट हो गई थीं। उन्होंने कहा था, "तुम कहां इससे दोस्ती कर रही हो? इसका क्या होने वाला है? मैं राजेश खन्ना हूं।" कुछ तो हुआ, और कुछ समय के लिए शूटिंग रुक गई थी। कुछ बातचीत हुई, और जया जी मेकअप रूम में चली गई थीं।

बता दें कि 1973 में अमिताभ बच्चन की फिल्म 'जंजीर' रिलीज हुई। इसके बाद 'शोले', 'दीवार' और 'नमक हराम' जैसी फिल्मों ने अमिताभ को उस समय का सबसे बड़ा सुपरस्टार बना दिया और धीरे-धीरे स्टारडम का रुख राजेश खन्ना से अमिताभ बच्चन की ओर मुड़ गया।

राजू ने यह भी बताया कि अक्षय कुमार एक बार राजेश खन्ना के घर पहुंचे थे। उस समय राजेश खन्ना घर में ऊपर अपने कमरे में मौजूद थे। राजू के अनुसार, जब किसी ने उन्हें बताया कि अक्षय कुमार उनसे मिलने आए हैं, तो राजेश खन्ना ने कथित तौर पर कहा, "मैं उसका ससुर हूं, वो मेरा ससुर नहीं है। वो मेरे पास आएगा। मैं क्यों जाऊं?"

परमजीत पम्मी : सिंगर से नशा तस्कर, कोरोना में स्टेज शो ठप, पंजाब पुलिस ने किया गिरफ्तार

पंजाब में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के बीच खन्ना पुलिस को ऑपरेशन प्रहार-2 के तहत एक बड़ी सफलता मिली है. इस कार्रवाई ने एक ऐसे नाम को फिर सुर्खियों में ला दिया, जो कभी मंचों पर गाना गाती थी, लेकिन अब आरोप है कि वह नशा तस्करी के नेटवर्क का हिस्सा बन गई. माछीवाड़ा साहिब क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पंजाबी सिंगर परमजीत कौर पम्मी और उसके भाई सरवन सिंह मिर्जा को हेरोइन समेत गिरफ्तार किया.

यह कहानी उस गिरते सफर की है, जिसमें शोहरत, विवाद, जेल, जमानत और फिर दोबारा अपराध के आरोप जुड़ते चले गए. पंजाब सरकार के निर्देशों पर डीजीपी और डीआईजी लुधियाना रेंज की निगरानी में ऑपरेशन प्रहार-2 शुरू किया गया. इसका मकसद था- नशा तस्करों, गैंगस्टर नेटवर्क और उनके सहयोगियों पर एक साथ कार्रवाई.

खन्ना पुलिस ने हेल्पलाइन इनपुट, लोकल इंटेलिजेंस और सर्विलांस के आधार पर संवेदनशील इलाकों की लिस्ट तैयार की. पहले ही दिन 125 से ज्यादा संदिग्ध और असामाजिक तत्वों को काबू किया गया.

कई गिरफ्तारियां हुईं, कई लोगों के खिलाफ रोकथाम कार्रवाई की गई. दो बड़े पैडलर, एक प्रमुख तस्कर और गैंगस्टर सहयोगी भी पकड़े गए. इसी कड़ी में सबसे चर्चित गिरफ्तारी रही- परमजीत कौर पम्मी और उसके भाई की.

खेतों के बीच बना डेरा, वहीं से चलता था नेटवर्क

पुलिस जांच में सामने आया कि परमजीत कौर पम्मी और उसका भाई खेतों के बीच एक डेरा बनाकर गतिविधियां चला रहे थे. यह जगह आम नजरों से दूर थी. आरोप है कि यहां लोगों का आना-जाना लगा रहता था, खास दिनों में भीड़ जुटती थी, और वहीं से नशे की सप्लाई का काम संचालित होता था.

स्थानीय लोगों की शिकायतें लंबे समय से पुलिस तक पहुंच रही थीं. ठोस इनपुट और सही समय का इंतजार किया जा रहा था. जैसे ही पुख्ता सूचना मिली, टीम ने छापा मारा और दोनों को काबू कर लिया. तलाशी में करीब 8 ग्राम हेरोइन बरामद होने की बात सामने आई.

कौन है परमजीत कौर पम्मी?

परमजीत कौर पम्मी का नाम इलाके में नया नहीं है. वह पहले पंजाबी म्यूजिक सर्किट से जुड़ी रही है. सिंगिंग प्रोग्राम, स्टेज शो और रिकॉर्डिंग से उसने पहचान बनाई थी. इलाके में लोग उसे सिंगर पम्मी के नाम से जानते थे. पिछले कुछ वर्षों में उसका नाम कला से ज्यादा आपराधिक मामलों में चर्चा में आने लगा.

2023 का केसः गैर इरादतन हत्या का आरोप

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, 2023 में परमजीत कौर पम्मी के खिलाफ नशा तस्करी से जुड़े एक मामले में केस दर्ज हुआ था. उस केस में ड्रग ओवरडोज के कारण एक युवक की मौत हुई थी. जांच के बाद उस पर गैर इरादतन हत्या और एनडीपीएस एक्ट की धाराएं लगाई गई थीं.

उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था और उसने महिला जेल में समय भी काटा. बाद में वह जमानत पर बाहर आ गई. पुलिस का दावा है कि जमानत के बाद उसने अपनी गतिविधियां बंद नहीं कीं, बल्कि फिर से नेटवर्क सक्रिय कर लिया.

भाई का साथः परिवार ही बना नेटवर्क का हिस्सा?

ताजा कार्रवाई में उसका भाई सरवन सिंह मिर्जा भी साथ पकड़ा गया. पुलिस का कहना है कि दोनों मिलकर काम कर रहे थे. सप्लाई, संपर्क और स्थानीय स्तर पर वितरण का काम परिवार के स्तर पर ही संचालित हो रहा था. जांच एजेंसियां अब यह भी खंगाल रही हैं कि क्या इनके नेटवर्क के तार बड़े सप्लायरों या क्षेत्रीय गिरोहों से भी जुड़े हैं.

हेल्पलाइन इनपुट से खुला राज

एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया ने बताया कि यह कार्रवाई हेल्पलाइन इनपुट पर आधारित थी. सेव पंजाब हेल्पलाइन और एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन पर मिली सूचनाओं को क्रॉस वेरिफाई किया गया. उसके बाद सर्च और रेड की प्लानिंग हुई.

पुलिस का कहना है कि आम लोगों से मिल रही सूचनाएं अब ऑपरेशन का बड़ा आधार बन रही हैं. कई हॉटस्पॉट ऐसे चिह्नित हुए हैं, जो पहले रिकॉर्ड में नहीं थे.

सिर्फ गिरफ्तारी नहीं, हॉटस्पॉट सुधार मॉडल भी

इस ऑपरेशन की खास बात सिर्फ छापेमारी नहीं, बल्कि हॉटस्पॉट अडॉप्शन मॉडल भी है. खन्ना पुलिस और सिविल प्रशासन ने मिलकर ड्रग प्रभावित इलाकों को चिह्नित कर उन्हें गोद लेने की योजना शुरू की है.

मीट मार्केट क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया गया. वहां सफाई अभियान, सैनिटेशन सुधार, स्कूल, ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान, दस्तावेज बनवाकर दाखिला, सेल्फ हेल्प ग्रुप गठन, मोटिवेशनल बोर्ड और जागरूकता संदेश जैसी पहल शुरू की गई है.

एसएसपी ने साफ कहा कि नशे और गैंगस्टर नेटवर्क के खिलाफ लड़ाई सिर्फ पुलिस नहीं जीत सकती. इसमें जनता, मीडिया और एनजीओ का सहयोग जरूरी है. उन्होंने अपील की कि लोग डरें नहीं, हेल्पलाइन पर सूचना दें. पहचान गोपनीय रखी जाएगी.

ए आर रहमान के सांप्रदायिक बयान पर बोलीं सिंगर अनुराधा पौडवाल, 'रहमान ने हमें कई अच्छे गाने दिए'

पिछले दिनों संगीतकार रहमान ने फिल्मी दुनिया पर सांप्रदायिक रूप से प्रभावित होने पर बयान दिया था। ऑस्कर विजेता एआर रहमान ने इंडस्ट्री में धर्म की वजह से काम न मिल पाने की बात कही थी। ये मुद्दा खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। अब इस मामले में मशहूर गायिका अनुराधा पौडवाल ने भी अपनी नजरिया जाहिर किया है। जानें क्या बोलीं सिंगर अनुराधा पौडवाल

रहमान को ज्यादा नहीं जानती

90 के दशक की मशहूर सिंगर अनुराधा पौडवाल ने भी रहमान के विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। सिंगर ने कहा , ' मैं रहमान को उनके संगीत की वजह से जानती हूं। कभी व्यक्तिकत रुप से उनसे मिली नहीं हूं। मगर उनके गानों से लगता है कि वह काफी अध्यात्मिक व्यक्ति हैं।' आगे अनुराधा ने कहा, 'मीडिया अपने इंटरव्यू में जानबूझ कर ऐसे सवाल पूछता है जिसमें जवाब कुछ उलझे हुए आए। मुझे इंडस्ट्री में कई साल हो गए हैं। जब भी इंटरव्यू में बुलाया जाता है। ऐसे सवाल बनाए जाते हैं जिनके मनमुताबिक जवाब मिलें। वो बिना किसी मसाले वाला साधारण सा इंटरव्यू नहीं चाहते।'

रहमान काफी कुछ हासिल कर चुके हैं

ए आर रहमान के बारे में आगे अनुराधा पौडवाल ने कहा, ' ए आर रहमान ने हमें कई अच्छे गानें दिए हैं। उन्होंने अपने जीवन में काफी कुछ हासिल कर लिया है। वो इन सब बातों से परे हैं। वो एक ऐसे स्टेज पर हैं जहां उनके करियर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता। एक सीनियर आर्टिस्ट के तौर पर मैं ये महसूस करती हूं। वो इन सब चीजों से बहुत दूर हैं। '

किस बात पर बढ़ा था विवाद

जिस बयान को लेकर विवाद हुआ, वह स्टेटमेंट रहमान ने बीबीसी एशियन नेटवर्क के इंटरव्यू में दिया था। उन्होंने कहा, 'आजकल फिल्म इंडस्ट्री में लोग रचनात्मक नहीं हैं, वो सही ढंग से फैसला नहीं ले सकते। मुझे कम काम न मिलना एक सांप्रदायिक मुद्दा भी हो सकता है, लोग मेरे पीछे बातें करते हैं। इस मुद्दे ने काफी तूल पकड़ लिया था। मगर बाद में रहमान ने सफाई दे कर इसे खत्म करने की कोशिश की थी ' रहमान के करियर की बात करें तो वो फिसहाल 'रामायण' में व्यस्त हैं।

‘आलिया भट्ट नहीं बनना’ बिग बॉस 19 फेम तान्या मित्तल ने ऐसा क्यों कहा? यूजर्स ने क्या दी प्रतिक्रिया

तान्या मित्तल सोशल मीडिया पर और बिग बॉस 19 में अपने बड़बोलेपन को लेकर चर्चा में रही हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने करियर को लेकर बातें साझा कीं। साथ ही किसी भी एक्ट्रेस को फॉलो ना करने की बात भी कही। तान्या मित्तल की इस बात पर यूजर्स ने भी रिएक्शन दिए हैं।

पहली तान्या मित्तल बनने का ख्वाब देखा

फरीदून शहरयार के यूट्यूब चैनल पर तान्या मित्तल ने एक इंटरव्यू दिया। जिसमें वह कहती हैं, ‘जब मैं बिग बॉस 19 से बाहर आई तो लोग सवाल करते थे कि आलिया भट्ट, करीना कपूर में से किसके जैसा बनना चाहोगी। तो मेरा जवाब होता था कि मैं किसी की जैसी नहीं बनना चाहूंगी। मैं पहली तान्या मित्तल बनना चाहूंगी।’

यूजर्स ने भी तान्या के सपोर्ट में उतरे

तान्या के इस बयान पर कई यूजर्स ने उन्हें सपोर्ट किया। एक यूजर ने लिखा, ‘तान्या क्वीन है।’ एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, ‘आप सबसे अच्छी है। हेटर्स को पता नहीं है कि उन सब की हेट से तान्या का फैनबेस और स्ट्रॉन्ग हो रहा है।’ इसी तरह एक फैन ने कमेंट किया, ‘आपको कोई और बनने की जरूरत नहीं है जैसा आपने कहा तान्या मित्तल बनो, हम आपको वैसे ही प्यार करते हैं, जैसी आप हैं।’

तान्या को मिला एकता कपूर से ऑफर

तान्या के करियर फ्रंट की बात करें तो बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। ब्रांन्ड प्रमोशन कर रही हैं। वहीं रियलिटी शो बिग बॉस 19 में प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी तान्या को एक प्रोजेक्ट ऑफर किया था। जल्द ही वह उस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं।

तिहाड़ जेल में ही रहेंगे राजपाल यादव दिल्ली हाईकोर्ट ने बेल देने से किया इनकार

बॉलीवुड के मशहूर कॉमेडियन राजपाल यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है. 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस केस में उनकी जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन कोर्ट ने उन्हें राहत नहीं दी. जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने मामले को 16 फरवरी 2026 तक के लिए स्थगित कर दिया है. इसका मतलब है कि राजपाल को अभी तिहाड़ जेल में ही रहना पड़ेगा. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राजपाल पर काफी सख्त टिप्पणियां कीं.

तिहाड़ जेल में ही रहेंगे राजपाल यादव

अदालत ने कहा- 'हमने आपको दो दर्जन से ज्यादा मौके दिए थे. आपने बार-बार वादा किया कि पैसे चुकाएंगे, लेकिन वादा पूरा नहीं हुआ.' कोर्ट ने आगे कहा कि मामले में कई ऐसी बातें सामने आईं, जिनके बारे में पहले जानकारी नहीं थी. शिकायतकर्ता कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है. जज ने बताया कि शिकायतकर्ता ने पहले आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन वहां भी कोई राहत नहीं मिली.

कोर्ट ने राजपाल के 3 करोड़ रुपये से ज्यादा चुकाने के आश्वासन पर भी चिंता जताई. रिपोर्ट के मुताबिक अदालत ने कहा कि पुनरीक्षण और मध्यस्थता की प्रक्रिया में कई बार वादे किए गए, लेकिन राजपाल ने करीब 25-30 बार सुनवाई टलवाई और बकाया राशि नहीं चुकाई. कोर्ट ने साफ कहा कि सहानुभूति हो सकती है, लेकिन कानून के सामने सब बराबर हैं. यह पूरा मामला 2010 से चल रहा है.

5 फरवरी को तिहाड़ जेल में राजपाल ने किया था सरेंडर

राजपाल ने अपनी डायरेक्टेड फिल्म 'अता पता लापता' के लिए दिल्ली की एक कंपनी से 5 करोड़ रुपये लिए थे. फिल्म फ्लॉप होने के बाद रकम नहीं लौटाई गई. ब्याज और पेनल्टी के साथ अब यह राशि लगभग 9 करोड़ हो गई है.

फरवरी 2026 में कोर्ट के आदेश पर राजपाल ने 5 फरवरी को तिहाड़ जेल में सरेंडर किया था. इस बीच बॉलीवुड इंडस्ट्री ने उनका पूरा साथ दिया है. सलमान खान, अजय देवगन, वरुण धवन, सोनू सूद, गुरमीत चौधरी, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, मीका सिंह और कई अन्य ने मदद की पेशकश की. कुछ ने पैसे दिए, तो कुछ ने काम ऑफर किए.

श्रेयस तलपड़े के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज निवेश की आड़ में लाखों की ठगी की

बॉलीवुड एक्टर श्रेयस तलपड़े और 12 अन्य सदस्यों के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में शिकायत दर्ज हुई है। आरोप हैं कि श्रेयस तलपड़े ने निवेश के नाम पर एक व्यक्ति से लाखों की ठगी की गई है।

10 फरवरी को श्रेयस तलपड़े समेत अन्य के खिलाफ मैनपुरी के भोगांव थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई है। भोगांव के रहने वाले शिकायतकर्ता का आरोप है कि एक्टर और उनके साथियों ने निवेश का झासा देकर उनसे लाखों रुपए की ठगी की है।

शिकायत के अनुसार, एक्टर ने भोगांव के मोहल्ला मिश्राना में मुंबई की एक बैंक ब्रांच खोलने और उसमें इन्वेस्ट करने के लिए कई गांव वालों से पैसे लिए, हालांकि बाद में सामने आया कि जिस बैंक का जिक्र किया गया था वो फर्जी है।

शिकायत मिलने के बाद कोर्ट ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। शिकायत में श्रेयस तलपड़े के अलावा समीर अग्रवाल, सानिया अग्रवाल, आरके शेट्टी, संजय मुदगिल, शबाब हुसैन, नरेंद्र नेगी, पंकज अग्रवाल, सुप्रिया, अनुज जैन, अजय श्रीवास्तव और अरविंद त्रिपाठी के नाम भी शामिल हैं। शिकायत में श्रेयस तलपड़े को मार्केटिंग एडवाइज बताया गया है।

श्रेयस तलपड़े के खिलाफ पहले भी हुईं धोखाधड़ी की शिकायत

इस मामले से पहले साल 2025 में भी श्रेयस तलपड़े का नाम एक धोखाधड़ी मामले में सामने आ चुका है। बीते साल मितली गांव की बबली ने श्रेयस तलपड़े और आलोक नाथ समेत 22 लोगों के खिलाफ करोड़ों की धोखाधड़ी करने पर शिकायत दर्ज करवाई थी। आरोप थे कि एक ऐसी कंपनी के ब्रांड एंबेसेडर थे, जिसने पैसे दोगुने करने की लालच देकर 500 लोगों से धोखाधड़ी की है। 2025 में ही श्रेयस तलपड़े का नाम एक चिटफंड मामले में भी सामने आया था और उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में शिकायत दर्ज हुई थी।

यश की टॉक्सिक पर नया विवाद ! क्रिश्चियन ग्रुप ने सीबीएफसी में की शिकायत, टीजर पर उठे धार्मिक सवाल

पैन इंडिया स्टार यश की मोस्टअवेटेड फिल्म टॉक्सिक ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन अप्स रिलीज से पहले ही विवादों में घिर गई है. ट्रेलर से पहले जारी किए गए टीजर को लेकर अब एक नया विवाद सामने आया है. नेशनल क्रिश्चियन फेडरेशन ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन यानी सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है. संगठन का कहना है कि टीजर में दिखाए गए कुछ सीन धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं.

शिकायत में खास तौर पर उस सीन का जिक्र है जिसमें एक कब्रिस्तान के बाहर खड़ी कार में अंतरंग सीन दिखाया गया है. इसके बाद कब्रिस्तान के अंदर गोलीबारी का दृश्य आता है.

नेशनल क्रिश्चियन फेडरेशन ने दर्ज की FIR

संगठन का आरोप है कि वहां धार्मिक प्रतीक और आर्कएंजल माइकल की मूर्ति दिखाई गई है, जो आपत्तिजनक तरीके से पेश की गई है. उनका कहना है कि यह ईसाई समुदाय की भावनाओं का अपमान है. नेशनल क्रिश्चियन फेडरेशन ने मेकर्स से मांग की है कि इन सीन को तुरंत हटाया जाए और टीज़र को डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटाया जाए.

इससे पहले टीजर में दिखाए गए ग्राफिक सेक्स सीन को लेकर भी विरोध हुआ था. कुछ दर्शकों ने इसे गैर जरूरी और महिलाओं की गरिमा के खिलाफ बताया था. इस मामले में महिला आयोग में भी शिकायत की गई थी. विवाद इतना बढ़ा कि फिल्म से जुड़ी एक एक्टर ने सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दिया. हालांकि फिल्म को इंडस्ट्री के कुछ लोगों का समर्थन भी मिला.

अनुराग कश्यप का बयान

बेंगलुरु इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के एक सेशन में फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने फिल्म का बचाव किया. उन्होंने कहा कि टीजर के खिलाफ गुस्सा हमारे सांस्कृतिक दोगलेपन को दिखाता है. उनका कहना था कि जब पुरुष अभिनेता स्क्रीन पर मर्दानगी दिखाते हैं तो सवाल नहीं उठते, लेकिन जब महिलाएं अपनी अभिव्यक्ति दिखाती हैं तो विवाद खड़ा हो जाता है.

टॉक्सिक का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है. फिल्म में रुक्मिणी वसंत, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी और अक्षय ओबेरॉय अहम भूमिकाओं में हैं. फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और इसका बॉक्स ऑफिस क्लैश धुरंधर 2 से होने की चर्चा है.

'अपनी जेनरेशन से काफी अलग हैं आलिया भट्ट' 'कपूर एंड संस' में साथ काम करने पर बोलीं रत्ना पाठक

आलिया भट्ट की 'कपूर एंड संस' 2016 में रिलीज हुई एक फैमिली फिल्म थी। इस फिल्म में ऋषि कपूर ,रत्ना पाठक समेत कई मशहूर कलाकार शामिल थे । हाल में दिए अपने एक इंटरव्यू में अभिनेत्री रत्ना पाठक ने आलिया भट्ट के शूटिंग दौरान उनके बिहेवियर की बात कि।

रत्ना ने आलिया को लेकर कही बड़ी बात

अभिनेत्री रत्ना पाठक ने कई दशकों तक लोगों का मनोरंजन किया है। 'साराभाई वर्सेस साराभाई' से एक्ट्रेस घर-घर मशहूर हो गई थीं। बीते दिनों एक्ट्रेस ने पिंकविला को दिए अपने इंटरव्यू में आलिया से जुड़ी कई बातें बताई । उन्होंने कहा 'आलिया बहुत सेट पर काफी अलर्ट रहती हैं। शूटिंग के वक्त सारा समय वो स्क्रीन के सामने ही बैठी रहतीं थी। ऐसा वो सिर्फ तब नहीं करती थीं जब वो एक्टिंग कर रहीं हो अगर दूसरों का शॉट हो तब भी वो ऐसा ही करती थीं। '

आलिया क्यूट बनने की कोशिश नहीं करतीं

आलिया भट्ट की काम के प्रति लगन के बारे में आगे रत्ना ने बताया कि 'आलिया अपने काम को काफी गंभीरता से देखती थीं। वो अपनी जेनरेशन के बाकी एक्टर्स की तरह ओवर क्यूट बनने की कोशिश नहीं करती। आजकल यंग बच्चे ज्यादा ही सेट पर एंटरटेंन करने की कोशिश करते हैं। ताकि वो आसानी से सब सीख जाएं।मगर ये कई बार उनकी एक्टिंग खराब कर देता है। मगर आलिया के साथ ऐसा नहीं है, वह कम बोलतीं हैं। फिल्म 'कपूर एंड संस' में हमारे सीन एक साथ नहीं थे तो एक बार ही हमारी बात हुई मगर फिर भी उनका स्वाभाव मुझे अच्छा लगा '।

कपूर एंड संस के बारे में

कपूर एंड संस 2016 में रिलीज हुई एक फैमिली ड्रामा फिल्म थी।इस फिल्म में पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान, दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर , आलिया भट्ट, सिद्धार्थ मल्होत्रा, रत्ना पाठक समेत कई अभिनेता थे। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया गया था।

‘दृश्यम’ एक्ट्रेस इशिता दत्ता ने 60 दिनों में 15 किलो वजन घटाया, बताया सच

फिल्म दृश्यम में अजय देवगन की बड़ी बेटी का रोल निभाकर फेम पाने वाली एक्ट्रेस इशिता दत्ता अपने वेट लॉस को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. दो बच्चों की मां इशिता ने हाल ही में बताया है कि कैसे दूसरी डिलीवरी के बाद उन्होंने 2 महीने में 15 किलो वजन कम किया था. अक्सर ही प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं का वजन तेजी से बढ़ने लगता है, जिसे कम करना सबसे मुश्किल होता है. डिलीवरी के बाद भी वजन घटने की बजाय स्पीड से बढ़ता है,लेकिन इशिता का महज 2 महीने में ही काफी घट गया था. आखिर इसके पीछे की क्या वजह थी, अब एक्ट्रेस ने खुद खुलासा किया है.

प्रेग्नेंसी के दौरान क्या मुश्किलें आईं?

इशिता ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर की है, जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी प्रेग्नेंसी के पहले दो ट्राइमेस्टर बहुत अच्छे रहे, जिसमें वो घूमीं, काम किया, अच्छा खाना खाया और सब कुछ नॉर्मल था. लेकिन छठे महीने में उन्हें प्रीमैच्योर डिलीवरी का खतरा हो गया, जिसके कारण डॉक्टरों ने उन्हें पूरा बेड रेस्ट की सलाह दे दी थी.

प्रेग्नेंसी में पता चली नई बीमारी

इशिता ने बताया कि प्रेंग्नेंसी के दौरान उनको एक दिन तेज पेट में दर्द हुआ था, कई बार हॉस्पिटल तक जाना पड़ा. तब टेस्ट में मालूम चला कि उनको गॉलब्लैडर स्टोन यानी पित्त की पथरी हो गई है. अब उनके लिए मुश्किल यह थी कि वो प्रेग्नेंट थी और ऐसे में ना तो उनका ऑपरेशन हो सकता था और ना ही वो कोई पेन किलर खा सकती थीं.

उसके बाद उनके लिए प्रेग्नेंसी उनके लिए बहुत दर्दभरी रही, उनको असहनीय दर्द होता था. फिर आठवें महीने में ही उन्होंने अपनी बेटी को जन्म दिया. हालांकि यहां भी उनकी मुश्किलें कम नहीं हुई, क्योंकि डॉक्टर ने साफ कहा कि डिलीवरी के बाद एकदम से सर्जरी नहीं कर सकते हैं. वह ब्रेस्टफीडिंग कर रही थीं और शरीर को रिकवर होने में समय लग रहा था, इसलिए लगभग 40 दिन बाद गॉलब्लैडर का ऑपरेशन हुआ.

वेट लॉस की पीछे का असली सच

इशिता ने बताया कि ऑपरेशन के बाद भी धीरे-धीरे ही उनकी रिकवरी हुई और इस दौरान उनको सख्त डाइट फॉलो करनी पड़ी. इसलिए उनका वजन किसी डाइट प्लान या एक्सरसाइज से नहीं, बल्कि बीमारी, सर्जरी, बैलेंस डाइट और लंबे समय की रिकवरी की वजह से कम हुआ. यह कोई मैजिक या शॉर्टकट नहीं है.

सेलिना जेटली के भाई विक्रांत के मामले पर दिल्ली हाई कोर्ट का निर्देश

रिटायर मेजर विक्रांत कुमार जेटली साल 2024 से यूएई में हिरासत में हैं। इस मामले को लेकर सेलिना जेटली ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इस मामले में कोर्ट ने नया निर्देश दिया है। हालिया सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने विक्रांत जेटली की पत्नी के वकील को निर्देश दिया कि वे कोर्ट में एक नोट सीलबंद लिफाफे में दाखिल करें। अदालत ने यह कदम इसलिए उठाया जिससे विक्रांत जेटली की इच्छा और उनकी ओर से ली जा रही कानूनी स्थिति को गोपनीय तरीके से समझा जा सके।

केंद्र सरकार ने भी मामले को लेकर दी नई जानकारी

कोर्ट को केंद्र सरकार ने भी विक्रांत जेटली मामले को लेकर नई जानकारी दी है। केंद्र सरकार ने बताया कि विक्रांत जेटली से मिलने के लिए यूएई प्रशासन से कांसुलर पहुंच का औपचारिक अनुरोध किया गया है।

केंद्र सरकार ने बताया कि यूएई में विक्रांत जेटली का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए एक अमीराती लॉ फर्म खालिद अल मरी को पत्र जारी किया गया है। इस पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह विक्रांत जेटली को स्पष्ट रूप से यह जानकारी दें कि उनके लिए कौन-सी लॉ फर्म नियुक्त की गई है और वह किस तरह उनका प्रतिनिधित्व करेगी।

विक्रांत जेटली की पत्नी ने क्यों जताई आपत्ति?

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने विक्रांत जेटली की पत्नी के उस बयान पर भी ध्यान दिया, जिसमें उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट में शुरू की गई कार्यवाही पर आपत्ति जताई है। विक्रांत की पत्नी ने कहा कि वे इस मामले में एक्ट्रेस सेलिना जेटली द्वारा बताई गई लॉ फर्म से सहमत नहीं हैं।

विक्रांत की पत्नी ने आरोप लगाया कि सेलिना जेटली ने उनकी अनुमति के बिना ही दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया। विक्रांत जेटली की पत्नी की तरफ से यह भी कहा गया कि पति के लिए वकील नियुक्त करने का सिर्फ केवल उन्हीं को है। उन्होंने अदालत को बताया कि हाल ही में यूएई की जेल में जाकर विक्रांत जेटली से मुलाकात की है, जिसमें विक्रांत ने सेलिना जेटली द्वारा बताई गई लॉ फर्म को अपने मामले में शामिल किए जाने का विरोध किया।

पत्नी का कहना है कि विक्रांत जेटली केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय की मदद चाहते हैं। वह चाहते हैं कि यूएई में उनके मामले की पैरवी के लिए वकील सरकार की ओर से ही नियुक्त किया जाए।

केस की अगली सुनवाई 19 फरवरी को होगी

दिल्ली हाई कोर्ट ने इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि विक्रांत जेटली सुझाई गई लॉ फर्म से कानूनी सहायता लेने को तैयार नहीं हैं तो किसी अन्य फर्म का नाम सुझा सकते हैं। कोर्ट ने विदेश मंत्रालय को यह भी निर्देश दिया कि वह सेलिना जेटली द्वारा दायर याचिका की एक प्रति विक्रांत जेटली को उपलब्ध कराएं। विक्रांत से पूछा जाए कि क्या वे अपनी बहन से मिलने के इच्छुक हैं या नहीं। इस मामले की अगली सुनवाई दिल्ली हाई कोर्ट में 19 फरवरी को होगी।

जन गण मन से पहले वंदे मातरम गाने का विरोध

दल खालसा के नेता बोले– सिखों पर हिंदुत्व संस्कृति थोपने की कोशिश हमें नामंजूर

अमृतसर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार की ओर से राष्ट्रगान जन गण मन से पहले राष्ट्रगीत वंदे मातरम गाने संबंधी जारी निर्देशों को लेकर विवाद गहरा गया है। इस फैसले पर सिख संगठन दल खालसा ने कड़ा ऐतराज जताया है और इसे सिख पहचान व धार्मिक भावनाओं के खिलाफ बताया है।

दल खालसा के नेता कंवरपाल सिंह बिट्टू ने बयान जारी करते हुए कहा- यह फैसला भारतीयता के नाम पर हिंदुत्व विचारधारा को सिख समुदाय पर थोपने का प्रयास है। सिख होने के नाते हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। यह निर्णय सिख समुदाय की भावनाओं और उनकी धार्मिक पहचान के विपरीत है।

फैसले को न मानने और रद्द करने की मांग

कंवरपाल सिंह बिट्टू ने पूरे सिख समुदाय से अपील की है कि वे इस फैसले को न मानें और इसे रद्द करने की मांग करें। उनका कहना है कि यह निर्णय सिख संस्कृति पर एक विशेष विचारधारा थोपने जैसा है, जो सिख परंपराओं से मेल नहीं खाती।

उन्होंने इसे एक सूक्ष्म वार बताते हुए कहा कि सिखों को इस मुद्दे को गंभीरता से समझना चाहिए और इसका विरोध करना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि यदि भारत सरकार या पंजाब सरकार की ओर से कोई भी फैसला चाल, कपट या किसी छिपे हुए एजेंडे के तहत सिख समुदाय पर थोपा जाएगा, तो उसका पहले भी विरोध किया गया है और आगे भी किया जाता रहेगा।

लेबर कोड के खिलाफ हड़ताल, झारखंड में असर

कोयलांचल में चक्का जाम, वाहनों की लगी लंबी कतार, उत्पादन व बैंकिंग सेवाएं ठप

रांची, 12 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के चार नए श्रम संहिताओं (लेबर कोड) के विरोध में गुरुवार को देशभर के मजदूर संगठनों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया। इसका व्यापक असर झारखंड के कई जिलों में दिखा।

धनबाद के कोयलांचल क्षेत्र में देखा गया, जहां बीसीसीएल और ईसीएल की विभिन्न कोलियरियों में मजदूर यूनियनों ने संयुक्त मोर्चा के बैनर तले चक्का जाम किया। इससे कोयला उत्पादन और परिवहन कार्य पूरी तरह ठप हो गया। हड़ताल का प्रभाव धनबाद के बस्ताकोला क्षेत्र, गोल सिक्स, बीएनआर साइडिंग, 9 नंबर साइडिंग, केओसीपी, कंटाघर, हाजिरी घर, ब्लॉक-दो और शताब्दी कोलियरी सहित बीसीसीएल के तहत संचालित आउटसोर्सिंग इकाइयों में स्पष्ट रूप से दिखा। सुबह से ही मजदूरों ने हाजिरी घरों और कोलियरियों के प्रवेश द्वारों पर प्रदर्शन कर कामकाज पूरी तरह ठप करा दिया। एटक, इंटक, जनता मजदूर संघ, बिहार कोलियरी कामगार यूनियन और आरसीएमएस सहित विभिन्न ट्रेड यूनियनों के नेता और कार्यकर्ता हड़ताल को सफल बनाने में सक्रिय रहे। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और लेबर कोड को मजदूर विरोधी तथा निजीकरण को बढ़ावा देने वाली नीति करार दिया।

मजदूर संगठनों का आरोप है कि चारों नए श्रम कानूनों के लागू होने से श्रमिकों के अधिकार कमजोर हुए हैं।

आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या में फरीदाबाद जेल सुपरिंटेंडेंट सस्पेंड

डीएसपी सुरक्षा पर भी कार्रवाई, लापरवाही पर डीजीपी जेल का एक्शन, वार्डर–हेड वार्डर हटाए जा चुके

फरीदाबाद, 12 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद की नीमका जिला जेल में राम मंदिर पर हमले की साजिश रचने वाले संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। डीजीपी जेल आलोक मित्तल ने इस मामले में जेल सुपरिंटेंडेंट हरेंद्र सस्पेंड कर दिया है। साथ ही डीएसपी सुरक्षा जेल सचिन भी सस्पेंड कर दिए गए है। बता दें कि चार दिन पहले सिक्योरिटी बैरक में यूपी के मिल्कीपुर के रहने वाले अब्दुल रहमान की नुकीले के पत्थर से वार कर हत्या कर दी गई थी। हत्या इसी बैरक में बंद जम्मू के रहने वाले अरुण चौधरी उर्फ अबू जट ने राम मंदिर को लेकर हुई बहस के बाद की थी।

20 साल के अब्दुल को गुजरात एटीएस ने मार्च 2025 में पकड़ा था। उसका संपर्क लकायदा इन इंडियन सब-कांटिनेंट के कुख्यात आतंकी अबू सूफियान से था। उसने अयोध्या में राम मंदिर उड़ाने की साजिश रची थी। हमले से पहले ही उसक पकड़ लिया गया था। तब से वह नीमका जेल में बंद था। वहीं, कत्ल करने वाला कैदी अरुण चौधरी जम्मू जिले के आरएस पुरा सेक्टर का रहने वाला है। वह चर्चित अक्षय शर्मा हत्याकांड में शामिल था। उसे पंजाब में हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था। 2 साल पहले ही उसे कठुआ जेल से फरीदाबाद की इस नीमका जेल में शिफ्ट किया गया था।

अब्दुल की हत्या को सरकार ने सुरक्षा में लापरवाही माना था और दो दिन बाद वार्डर-हेड वार्डर हटा दिया था। अब जेल सुपरिंटेंडेंट और डीएसपी सुरक्षा जेल को सस्पेंड कर दिया है। हरेंद्र की जगह नारनौल जेल सुपरिंटेंडेंट संजय बांगर को नीमका जेल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। बताया जा रहा है कि अब्दुल रहमान की हत्या मामले की जांच जारी है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा हो रही है।

इंजीनियर ने चाकू मारकर माता-पिता की हत्या की

स्टार्टअप के लिए पैसे देने से इनकार किया था, पिता रिटायर्ड नेवी अफसर, मां डेंटिस्ट थी

बेंगलुरु, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु में 33 साल के सॉफ्टवेयर इंजिनीयर ने चाकू मारकर अपने माता-पिता की हत्या कर दी। घटना बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे की है। आरोपी का नाम रोहन चंद्र भट्ट है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी रोहन ने स्टार्टअप के लिए माता-पिता से पैसे मांगे थे। मना करने पर उसने दोनों को चाकू से मार डाला।

मृतकों की पहचान रिटायर्ड नेवी कैप्टन नवीन चंद्र भट्ट(60) और उनकी पत्नी डॉ. श्यामला भट्ट(55) जो कि पेशे से डेंटिस्ट थीं, के रूप में हुई है।

हमले के बाद आरोपी दोनों को मणिपाल अस्पताल लेकर गया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आरोपी पर हत्या का केस दर्ज

घटना के बाद अस्पताल की डॉक्टर माधवी नायर ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है। वे उसी अपार्टमेंट में रहती हैं। पुलिस ने आरोपी रोहन को मौके से ही हिरासत में ले लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

दंपति की एक बेटी भी है जो कि अमेरिका में रहती है। उसके पहुंचने के बाद ही शवों का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।

गोरी चमड़ी वाला क्यों तय करे कि हम तेल किससे खरीदें?

ओवैसी ने सरकार से पूछा अमेरिका पर इतनी खामोशी क्यों?

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने अमेरिका से ट्रेड डील और रूस से तेल न खरीदने के मसले पर मोदी सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। अमेरिका को लेकर ओवैसी ने बुधवार को लोकसभा में मोदी सरकार से सवाल करते हुए कहा कि यह 'गोरी चमड़ी वाला' कौन है जो वहां बैठकर हमें हुक्म देगा?

यह 'गोरी चमड़ी वाला' कौन है: ओवैसी

हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा में कहा, "अमेरिका से ट्रेड डील की बात करें तो, जो ट्रंप ने एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर निकाला कि अगर हम प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूस का तेल खरीदते हैं, तो वे (अमेरिका) 25% टैरिफ लगाएंगे। यह 'गोरी चमड़ी वाला' कौन है जो वहां बैठकर हमें हुक्म देगा? क्या देश को इसके लिए आजादी मिली थी? हम जिससे चाहेंगे तेल खरीदेंगे। आप कौन

होते हैं हमें बताने वाले? यह दुख की बात है कि सरकार चुप है, हम इस 'गोरी चमड़ी वाले' के सामने इतना क्यों गिर रहे हैं? हमारा आत्मसम्मान कहां है

ओवैसी ने कहा, "मैं जिससे चाहूंगा तेल खरीदूंगा, तुम होते कौन हो, मेरे माई बाप हो क्या? आप 25 फीसदी लगाएंगे। वर्ड क्या इस्तेमाल किया..इंडिया। यानी नायरा कंपनी बंद हो जाएगी। अमेरिका ने 2019 में बोला कि ईरान से तेल मत खरीदो, हमने गलती की, ईरान से ऑयल नहीं लिया। अमेरिका ने कहा कि इराक से मार्केट रेट पर तेल लीजिए। आज अमेरिका कह रहा है कि मोनोपॉली रेट पर लो, हम इस 'गोरी चमड़ी वाले' के सामने इतना क्यों गिर रहे हैं? हमारा आत्मसम्मान कहां है?"

इसके अलावा, ओवैसी ने यूरोपियन यूनियन के साथ भारत के ट्रेड एग्रीमेंट पर चिंता जताई और चेतावनी दी कि देश की इंडस्ट्री के डी-इंडसर्ट्रियलाइज़ेशन का खतरा है। उन्होंने कहा, "यूरोपियन यूनियन ट्रीटी से, हमारा पीएलआई याी प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव पूरी तरह से प्रभावित होगा क्योंकि आपने टैरिफ कम कर दिए हैं। आपने मेडिकल डिवाइस पर टैरिफ कम किए, आपने सोफिस्टिकेटेड मशीनरी पर टैरिफ कम किए। यूएस इंडसर्ट्रियल सामान आएगा, इस देश में डी-इंडसर्ट्रियलाइज़ेशन का खतरा है। क्या हम फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन कर रहे हैं या जबरदस्ती परचेज ऑर्डर पर?"

आपने मेडिकल डिवाइस पर टैरिफ कम किए, आपने सोफिस्टिकेटेड मशीनरी पर टैरिफ कम किए।

यूएस इंडसर्ट्रियल सामान आएगा, इस देश में डी-इंडसर्ट्रियलाइज़ेशन का खतरा है। क्या हम फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन कर रहे हैं या जबरदस्ती परचेज ऑर्डर पर?

पिछले हफ्ते, व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने दावा किया कि भारत ने रूसी तेल की अपनी खरीद खत्म करने का वादा किया है और इसके बजाय वह अमेरिका से कच्चा तेल लेगा।

एमएलए भराज बोलीं- हरियाणा सीएम पंजाब में विधायक खरीद रहे

मुझे कहा– बंद कमरे में मिलो, टिकट दूंगा आप बोली– बीजेपी का ऑपरेशन लोटस–2

चंडीगढ़, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब में 2027 के चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) ने बीजेपी पर पंजाब में ऑपरेशन लोटस पार्ट-2 चलाने का गंभीर आरोप लगाया। आप के प्रवक्ता बलतेज पन्नू व संगरूर से विधायक नरिंदर कौर भराज ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हरियाणा के सीएम नायब सैनी पर विधायकों को खरीदने का आरोप लगाया।

संगरूर से आम आदमी पार्टी की विधायक नरिंदर कौर भराज ने दावा किया कि हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने उन्हें बंद कमरे में मीटिंग का ऑफर दिया और संगरूर से टिकट देने का वादा किया। नरिंदर कौर भराज ने कहा कि ऑपरेशन लोटस की चर्चा जिस तरह पूरे देश में है, उसी तर्ज पर हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने पिछले दिनों मेरे साथ संपर्क किया और बंद कमरे में मीटिंग का प्रपोजल दिया। उन्हें कहा गया कि बंद कमरे में भाजपा की पंजाब को लेकर अगली राजनीति पर चर्चा करने के लिए संपर्क किया गया।

बंगाल में निपाह वायरस से पहली मौत

कई दिनों के इलाज के बाद नर्स ने तोड़ा दम

कोलकाता, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल से निपाह वायरस (Nipah Virus) को लेकर डराने वाली खबर सामने आई है। यहां निपाह वायरस से इन्फेक्टेड महिला नर्स की मौत हो गई। गुरुवार दोपहर बारासात के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में उसकी मौत हो गई। जनवरी के आखिर में उसे वेंटिलेटर से हटा दिया गया था।

हालांकि वह कई तरह की दिक्कतों से जूझ रही थी। सूत्रों के मुताबिक, ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम ठीक से काम नहीं कर रहा था। लंबे समय तक कोमा में रहने की वजह से उसकी इम्यूनिटी भी कम हो गई थी। ऊपर से उसे फेफड़ों में इन्फेक्शन हो गया था। गुरुवार दोपहर उसकी मौत हो गई।

कैसे सामने आई बीमारी?

दरअसल इस साल की शुरुआत में इस राज्य में निपाह इन्फेक्शन की खबर आई थी। नॉर्थ 24 परगना के एक मेल नर्स और एक फीमेल नर्स के इन्फेक्टेड होने की खबर के बाद दहशत फैल गई। युवा नर्स 31 दिसंबर को इंग्लिश न्यू ईयर की छुट्टियों में घर गई थी। वह पिछली जनवरी के पहले हफ्ते में बीमार पड़ गई थी। उसे पहले बर्दवान मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल और बाद में बारासात के उस प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां वह काम करती थी। वहीं उसका इलाज चल रहा था। टेस्ट में पता चला कि वह निपाह वायरस से इन्फेक्टेड थी। उसी समय प्राइवेट हॉस्पिटल में नर्स का भाई भी निपाह पॉजिटिव पाया गया। उसका भी उसी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। हालांकि इलाज का असर दिखने के बाद वह कुछ दिन पहले ठीक होकर घर लौट आई।

गुरुवार को तोड़ा दम

इस बीच ईस्ट बर्दवान के कटवा की रहने वाली 25 साल की महिला नर्स वेंटिलेशन से हटाए जाने के बाद भी कोमा में थी। उसे नोसोकोमियल इन्फेक्शन (अस्पताल-जनित संक्रमण) बताया गया था। वह अपनी आंखें खोलने, शरीर को तानने, हाथ-पैर हिलाने और बोलने की भी कोशिश कर रही थी। अचानक बीते दिन उसकी हालत बिगड़ गई। गुरुवार शाम करीब 4:20 बजे बारासात के उस प्राइवेट हॉस्पिटल में उसकी मौत हो गई।

भूपेश के बेटे चैतन्य बोले-जेल में कैदी लगाते थे इंजेक्शन

रायपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल शराब घोटाले केस में 170 दिन जेल में रहे। 3 जनवरी 2026 को बाहर आने के बाद चैतन्य ने जेल की स्थिति को लेकर कई दावे किए है। सीनियर एडवोकेट और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल के पॉडकास्ट में चैतन्य ने बताया कि जेल की स्थिति बहुत खराब थी। पीने के पानी में कीड़े मिलते थे। एक ही कमरे में खाने और शौचालय का इंतजाम होता था।

अस्वस्थ कैदी अपना इलाज खुद कर इंजेक्शन लगा लेते थे, ड्रेसिंग कर लेते थे। इलाज की कोई व्यवस्था नहीं थी। जेल में कांग्रेस नेताओं के साथ ज्यादा बुरा बर्ताव होता है। जज को वहीं दिखाया जाता था जो वह देखना चाहते थे। बता दें कि इसी पॉडकास्ट में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने दावा किया था कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीजेपी में शामिल होने का ऑफर दिया था।

कमिटमेंट नहीं करने पर उनके यहां छापे पड़े।

पॉडकास्ट में चैतन्य बघेल ने बताया कि मुझे रायपुर सेंट्रल जेल भेजा गया था और 10×7 के आइसोलेटेड सेल में 170 दिनों तक रखा गया था।

कोर्ट की सजा एक होती है, लेकिन जेल के अंदर जो होता है, वह दूसरी सजा होती है। जेल जाने के बाद दूसरी सजा है वहां की प्रताड़ना झेलना। प्रताड़ना ऐसा था कि वहां पीने का साफ पानी तक नहीं मिलता था। इलाज के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। सेल में ही टॉयलेट था। एक ही कमरे में टॉयलेट और खाना खाना पड़ता था, क्योंकि सेल में पार्टिशन नहीं था। इसके अलावा जमीन पर सोता था।

तरनतारन लॉ छात्रा मर्डर, 3 दिन बाद आरोपी की मौत

क्लासरूम में लड़की को गोली मारकर खुद को शूट किया, प्रपोजल ठुकराने से नाराज था

अमृतसर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। तरनतारन के लॉ कॉलेज में गोली मारकर छात्रा की हत्या करने वाले युवक की 3 दिन बाद भी मौत हो गई। वह दो दिन वेंटिलेटर पर रहा, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हो सका, उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

छात्र की मौत की पुष्टि करते हुए डॉ. चंद्र प्रकाश ने बताया कि बुधवार (11 फरवरी) रात प्रिंसराज का शव उनके पास पहुंचा। उन्होंने कहा कि 9 फरवरी से प्रिंसराज गुरु नानक अस्पताल में भर्ती था। उसका वहां इलाज चल रहा था, लेकिन बुधवार को उसकी मौत हो गई। इसके बाद कल ही वहां से उसका शव अमृतसर मेडिकल कॉलेज लाया गया।

डॉक्टर ने बताया कि फिलहाल

छात्रा संदीप कौर
पीड़िता

प्रिंसराज सिंह
आरोपी

शव का पोस्टमॉर्टम नहीं किया गया है, क्योंकि अभी तक न तो परिवार का कोई सदस्य और न ही पुलिस अधिकारी यहां पहुंचे हैं।

डॉक्टर ने स्पष्ट किया कि जैसे ही संबंधित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचेंगे और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी होगी, उसके बाद ही पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।

गौरतलब है कि प्रिंसराज ने 9 फरवरी को क्लासरूम में छात्रा संदीप कौर को गोली मारकर खुद को शूट कर लिया था। उसने छात्रा को प्रपोज-डे पर प्रपोज किया था, लेकिन छात्रा ने उसका प्रपोजल ठुकरा दिया। इससे वह नाराज था।

कोल कारोबारियों के ठिकानों पर आईटी रेड, बिलासपुर में फिल ग्रुप के घर-ऑफिस में दबिश

बिलासपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर और जांजगीर-चांपा में कोल कोराबारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग (आईटी) की टीम ने रेड मारी है। बिलासपुर में फिल ग्रुप के फैक्ट्री और घर समेत अलग-अलग ठिकानों पर टीम ने एक साथ दबिश दी है। जबकि जांजगीर-चांपा में तिरुपति मिनरल्स के कार्यालय में आईटी टीम ने छापा मारा है।

बिलासपुर में आईटी की टीम ने फिल ग्रुप की ठिकानों पर दबिश दी है। अधिकारी SIR (सर्वे/इंस्पेक्शन रिपोर्ट) की सर्वे टीम बनकर कार्रवाई कर रहे हैं। टीम की गाड़ियों में SIR के स्टीकर भी लगे हुए हैं।

फिलहाल, टीम श्रीकांत वर्मा मार्ग स्थित कार्यालय और रामा वर्ल्ड स्थित निवास में जांच और दस्तावेजों की छानबीन कर रही है। कार्रवाई के दौरान टीम की ओर से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। बता दें कि फिल ग्रुप के मालिक प्रवीण झा हैं।

अफसरों की शुरुआती जांच में सामने आया है कि कोल वाशरी में बड़े पैमाने पर कोल मिक्सिंग के साथ टैक्स में हेराफेरी की जा रही थी। कारोबारी टैक्स बचाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे थे।

कारोबार से होने वाली आय की तुलना में कम टैक्स भुगतान किए जाने की आशंका के चलते यह कार्रवाई की गई है। हालांकि, जांच के लिए पहुंचे अधिकारी इस मामले में कुछ भी कहने से बचते नजर आए।

वहीं जानकारों का कहना है कि आयकर टीम को कंपनी के रिकॉर्ड में कई खामियां मिली हैं और टैक्स चोरी के भी प्रमाण सामने आए हैं।

इससे पहले बिलासपुर में दिसंबर में स्टेट जीएसटी की टीम ने तीन कोल कारोबारियों के घर में रेड की थी। तब जीएसटी की कार्रवाई के डर से महावीर कोल वाशरी ने 10 करोड़ सरेंडर किए थे। इसके दूसरे दिन फिल ग्रुप ने 11 करोड़ और पारस कोल वाशरी ने 6 करोड़ 50 लाख रुपए सरेंडर किए।

इस तरह तीनों कारोबारियों ने मिलाकर 27 करोड़ 50 लाख सरेंडर किए थे। माना जा रहा है कि जीएसटी से मिले इनपुट के आधार पर आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी की है।

जांजगीर-चांपा जिले के चांपा-बिर्रा रोड स्थित तिरुपति मिनरल्स के कार्यालय में आयकर विभाग (IT) की टीम ने छापा मारा है। जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग की टीम ने कोयला व्यापारी अंशुमान मुरारका के दफ्तर में दबिश दी है।

बताया जा रहा है कि टीम सुबह से ही कार्यालय में मौजूद है और दस्तावेजों, लेनदेन, वित्तीय रिकॉर्ड की गहन जांच की जा रही है। आयकर विभाग के अधिकारी कार्यालय के भीतर बैठकर आय-व्यय और खातों की पड़ताल कर रहे हैं।

बस पलटने से 2 की मौत

हादसे में 5 साल के मासूम और महिला की गई जान, 40 से अधिक घायल

गुमला, 12 फरवरी (एजेंसियां)। गुमला जिले के रायडीह प्रखंड में मंगलवार की देर रात एक भीषण सड़क हादसे में पांच वर्षीय मासूम शिवम केशरी समेत एक अज्ञात महिला की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक यात्री घायल हो गए। दुर्घटना चैनपुर–मांझाटोली मुख्य पथ पर कटकांया स्थित पुराने शंख घाट मोड़ के समीप हुई।

बताया जा रहा है कि डुमरी प्रखंड के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल टांगीनाथ धाम से मुंडन संस्कार संपन्न कर लौट रही रिजर्व बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। बस में चीख-पुकार मच गई।

जानकारी के अनुसार सिमडेगा जिले के ठेठईटांगर निवासी मनीष केशरी के पुत्र का मुंडन संस्कार टांगीनाथ धाम में आयोजित किया गया था। इसमें सिमडेगा, ठेठईटांगर, तामड़ा तथा ओडिशा सहित विभिन्न स्थानों से एक ही परिवार के रिश्तेदार शामिल हुए थे।

धार्मिक अनुष्ठान के बाद सभी श्रद्धालु मेहता नामक रिजर्व बस से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान शंखमोड़ मांझाटोली के संकरे और खतरनाक मोड़ पर चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और बस पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार करीब 20 यात्री बस के नीचे दब गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया।

घटना की सूचना मिलते ही मांझाटोली के उपप्रमुख दीपक कुजूर व स्थानीय समाजसेवी मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत-बचाव कार्य शुरू कराया।

अमेरिका से चुपचाप अपना पैसा निकाल रहा चीन

कहां कर रहा निवेश, क्या है ड्रैगन का प्लान?

नई दिल्ली,12 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। पिछले कई साल से दोनों के बीच ट्रेड वॉर चल रहा है। इस बीच चीन अमेरिका के एसेट्स में चुपचाप अपना निवेश कम करने में लगा है।

अमेरिका की ट्रेजरी, स्टॉक, एजेंसी, कॉरपोरेट और दूसरे बॉन्ड्स में चीन का निवेश अब घटकर 1.56 ट्रिलियन डॉलर रह गया है जो 14 साल में सबसे कम है। अमेरिका की ट्रेजरी में बेल्जियम की होल्डिंग्स भी शामिल हैं। माना जाता है कि ये चीन के कस्टोडियल अकाउंट्स को रिप्रजेंट करते हैं। अगर बेल्जियम की ट्रेजरी को हटा दिया जाए तो अमेरिकन एसेट्स में चीन की होल्डिंग्स 1.16 ट्रिलियन डॉलर रह गई है जो 2008 के बाद सबसे कम है। नवंबर में अमेरिका की ट्रेजरी में चीन की होल्डिंग्स 6.1 अरब डॉलर गिरकर 682.6 अरब डॉलर रह गई है। यह अक्तूबर 2008 के बाद सबसे कम है। चीन ने साथ ही अपने बैंकों को यूएस ट्रेजरी में अपनी होल्डिंग्स बेचने को कहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से ही चीन अमेरिका में अपना निवेश कम करने में लगा है।

चीन को गोल्ड रिजर्व

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन गुपचुप तरीके से अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ा रहा है। हालांकि पिछले साल आधिकारिक रूप से उसने 27 टन गोल्ड खरीदा लेकिन जानकारों का कहना है कि यह खरीद करीब 270 टन की है। चीन इस तरह सोने की होर्डिंग कर रहा है कि जैसे कोई बड़ी मुसीबत आने वाली है। आधिकारिक रूप से चीन के पास 2,304 टन सोने का भंडार है। हालांकि जानकारों का मानना है कि चीन के पास इससे कहीं ज्यादा सोना है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर चीन को अगले कुछ दशक में दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी बननी है तो उसके पास 8,000 टन से अधिक सोना होना चाहिए।

अभी दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका के पास सबसे ज्यादा 8,133 टन सोना है जो उसके कुल रिजर्व का 78% है। पिछले 25 साल में अमेरिका के गोल्ड रिजर्व में ज्यादा अंतर नहीं आया है। यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश पर जर्मनी के पास 3,350 टन सोना है जो उसके कुल रिजर्व का 78% है। इटली के पास 2,452 टन सोना है जो उसके कुल रिजर्व का 75% है। इसी तरह फ्रांस के पास 2,437 टन और रूस के पास 2,330 टन सोना है। इसके बाद चीन का नंबर है। लेकिन उसके कुल रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी करीब 7% है जबकि ग्लोबल एवरेज 22% है।

माल्या को हाईकोर्ट ने चेताया- भारत नहीं लौटे तो भगोड़ा होने के ठप्पे के खिलाफ सुनवाई नहीं

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कारोबारी विजय माल्या को कड़ी चेतावनी दी है। कोर्ट ने कहा कि जब तक माल्या भारत वापस नहीं लौटते, तब तक अदालत उनकी याचिका पर सुनवाई नहीं करेगी। इस याचिका में उन्होंने भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओ) के प्रावधानों को चुनौती दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति खुद को न्यायिक प्रक्रिया से दूर रखे हुए है, उसे अदालत से राहत की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

माल्या को पहले बताना होगा वह भारत लौटेंगे या नहीं

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की पीठ ने कहा कि माल्या को पहले यह स्पष्ट करना होगा कि वह भारत लौटेंगे या नहीं। कोर्ट ने कहा कि आपको (माल्या) वापस आना होगा...अगर आप वापस नहीं आ सकते तो हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते।

माल्या की दो याचिकाएं

2016 से ब्रिटेन में रह रहे माल्या ने उच्च न्यायालय में दो याचिकाएं दायर की हैं, एक में उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने के आदेश को चुनौती दी गई है और दूसरी में 2018 के अधिनियम की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाया गया है।

18 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

पीठ ने याचिका पर आगे की सुनवाई के लिए 18 फरवरी की तारीख तय करते हुए कहा कि वह माल्या को यह स्पष्ट करने का एक और अवसर दे रही है कि क्या वह भारत लौटने के लिए तैयार है।

माल्या अदालत की प्रक्रिया से बच रहे हैं

अदालत ने कहा कि हमें यह दर्ज करना पड़ सकता है कि आप अदालत की प्रक्रिया से बच रहे हैं। आप कार्यवाही का लाभ नहीं उठा सकते। आपके साथ निष्पक्षता बरतते हुए, हम याचिका खारिज नहीं कर रहे हैं बल्कि आपको एक और अवसर दे रहे हैं। अदालत ने दिसंबर 2025 में पिछली सुनवाई में अपना रुख स्पष्ट कर दिया था कि वह याचिका पर तभी सुनवाई करेगी जब माल्या भारत लौट आएंगे और उसने उनके वकील से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा था। आज बेंच ने कहा कि कारोबारी को एक हलफनामा दाखिल करना होगा, जिसमें स्पष्ट रूप से बताना होगा कि वह भारत लौटेगा या नहीं। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर ने कहा कि आप कब आएंगे? आप (माल्या) पहले ही यह तर्क दे चुके हैं कि आपको अदालत में शारीरिक उपस्थिति के बिना सुनवाई का अधिकार है। लेकिन पहले एक हलफनामा दाखिल करें जिसमें यह स्पष्ट रूप से लिखा हो।

शारीरिक उपस्थिति के बिना भी याचिकाओं पर हो सकती है सुनवाई

माल्या की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अमित देसाई ने कहा कि ऐसे फैसले मौजूद हैं जिनसे पता चलता है कि याचिकाकर्ता की शारीरिक उपस्थिति के बिना भी ऐसी याचिकाओं पर सुनवाई और फैसला किया जा सकता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि माल्या ने एफईओ घोषित किए जाने के बाद एफईओ अधिनियम के प्रावधानों को चुनौती दी है। मेहता ने दलील दी कि मल्ल्या को पहले भारत आना चाहिए, उसके बाद ही यह तय किया जा सकता है कि वे भुगतान के लिए जिम्मेदार हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि मल्ल्या पहले भारत आएं, फिर देखा जाएगा कि वे देनदार हैं या नहीं।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 559 अंक टूटा, निफ्टी 25900 के नीचे

मुंबई,12 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के बीच गुरुवार को बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 558 अंक गिर गया, क्योंकि एआई-आधारित व्यवधानों को लेकर चिंताओं और मजबूत अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों के बाद फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम होने से निवेशकों की भावना पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ।

आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के बीच बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 558 अंक गिर गया, क्योंकि एआई-आधारित व्यवधानों को लेकर चिंताओं और मजबूत अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों के बाद फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम होने से निवेशकों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 558.72 अंक या 0.66 प्रतिशत गिरकर 83,674.92 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 716.97 अंक या 0.85 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 83,516.67 के अंतर्देशीय निचले स्तर पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 146.65 अंक या 0.57 प्रतिशत गिरकर 25,807.20 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में गिरावट का नेतृत्व टेक्नोलॉजी शेयरों ने किया, जिसमें टेक महिंद्रा, इंफोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर लगभग 6 प्रतिशत गिरकर प्रमुख रूप से पिछड़ गए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एटर्नल, एचडीएफसी बैंक, इंडिगो, कोटक महिंद्रा बैंक और अदानी पोर्ट्स के शेयर भी घाटे में बंद हुए।दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, टाइटन, लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल और टाटा स्टील लाभ कमाने वालों में शामिल थे।

बीएसई मिडकैप सेलेक्ट इंडेक्स में 0.48 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप सेलेक्ट इंडेक्स में 0.28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रीय सूचकांकों में, फोकस्ड आईटी में सबसे अधिक 5.40 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, इसके बाद आईटी में 5.29 प्रतिशत की गिरावट आई। एआई-आधारित व्यवधानों को लेकर बढ़ती चिंताओं के साथ-साथ मजबूत अमेरिकी रोजगार आंकड़ों और बेरोजगारी दरों के कारण आईटी सूचकांक में आई भारी गिरावट से निवेशकों का मनोबल गिरा दिया।

ईयू के देशों समेत यूएस-यूके के साथ व्यापार समझौतों से भारत को कितना लाभ, निर्यातक क्या बोले?

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को विभिन्न निर्यात संवर्धन परिषदों और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

इस दौरान उन्होंने हाल में संपन्न हुए व्यापार समझौतों से उत्पन्न अवसरों पर विस्तृत चर्चा की।

पिछले छह वर्षों में प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के साथ कई एफटीए हुए

मंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्हें विभिन्न ईपीसीएस और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों से मिलकर प्रसन्नता हुई। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधियों ने पिछले छह वर्षों में प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के साथ कई मुक्त व्यापार समझौतों को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

चर्चा का मुख्य फोकस कहां पर रहा?

बैठक का मुख्य फोकस इन समझौतों से मिलने वाले लाभों को अधिकतम करने की रणनीति पर रहा।चर्चा में निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाने, नए बाजारों तक पहुंच का विस्तार करने और वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति को मजबूत करने पर जोर दिया गया। मंत्री ने कहा कि इन समझौतों ने उद्योग, सेवा क्षेत्र और निर्यातकों के लिए व्यापक अवसर खोले हैं।गोयल ने यह भी रेखांकित किया कि उद्योग संगठनों और ईपीसीएस की भूमिका महत्वपूर्ण है, ताकि भारतीय व्यवसाय इन समझौतों के लाभों का पूर्ण उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग को सहयोग देने, निर्यात बढ़ाने और आर्थिक विकास को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है।

2025 में तेज हुई व्यापार कूटनीति

साल 2025 में भारत ने कई अहम व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर कर अपनी व्यापार कूटनीति को नई गति दी। 24 जुलाई को भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे वस्त्र और रत्न-आभूषण जैसे क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। 18 दिसंबर को भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) पर हस्ताक्षर हुए।22 दिसंबर को भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता को औपचारिक रूप से संपन्न किया गया। इसके अलावा, 1 अक्तूबर 2025 से भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टाइन के साथ) प्रभावी हुआ, जिसके तहत 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता सामने आई।

2026 में बड़ी प्रगति

27 जनवरी 2026 को भारत ने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता पर हस्ताक्षर कर यूरोपीय संघ के विशाल और समृद्ध बाजार तक भारतीय कारोबारियों को प्राथमिकता आधारित पहुंच दिलाई। इसके तुरंत बाद 7 फरवरी को भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा हुई, जिसके तहत अमेरिकी टैरिफ दरें 50 प्रतिशत के उच्च स्तर से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी गईं।

यह सरकारी कंपनी दे रही है 700% का अंतरिम लाभांश, गिरते बाजार में भागने लगे शेयर

मुंबई,12 फरवरी (एजेंसियां)। सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2026 के लिए अपने पहले अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। इस पीएसयू ने 5 रुपये मूल्य वाले हर इक्विटी शेयर पर 35 रुपये का अंतरिम लाभांश देने का फैसला किया है।

यह लाभांश शेयर के अंकित मूल्य का 700% है। इसके लिए रिकॉर्ड या एक्स डेट 18 फरवरी तय किया गया है।

शेयर बाजार को दी जानकारी

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में यह जानकारी दी है। कंपनी ने बताया है कि उसके निदेशकमंडल ने अंतरिम लाभांश के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट 18 फरवरी 2026 तय किया गया है। मतलब कि उस तारीख को जिस भी शेयरहोल्डर के पास कंपनी का शेयर होगा, उन्हें अंतरिम लाभांश का भुगतान किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में एचएएल ने अपनी तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। इन नतीजों के अनुसार, कंपनी के समेकित शुद्ध लाभ में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 30% की वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 की तीसदी तिमाही के दौरान एचएएल ने 1,867 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी के ऑपरेटिंग रेवेन्यू में 11% की वृद्धि देखी गई। अब यह बढ़कर 7,699 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 6,957 करोड़ रुपये था। इस तिमाही के दौरान, कंपनी का कर-पूर्व लाभ भी बढ़कर 2,487 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की इसी अवधि में 2,042 करोड़ रुपये था। कंपनी ने तीसरी तिमाही में 1,871 करोड़ रुपये का ईबीआईटीडीए (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 1,682 करोड़ रुपये से अधिक है। दिसंबर 2025 को समाप्त नौ महीनों के लिए, एचएएल ने 19,146 करोड़ रुपये का रेवेन्यू और 4,919 करोड़ रुपये का नेट प्रोफिट दर्ज किया है। इस तिमाही में कुल खर्च बढ़कर 6,139 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल के 5,552 करोड़ रुपये से अधिक है। यह वृद्धि काफी हद तक राजस्व वृद्धि के अनुरूप है।

अमेरिकी वीजा फीस में बढ़ोतरी से भारतीय आईटी कंपनियों को 250 मिलियन का लग सकता है फटका

नई दिल्ली,12 फरवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राज्य अमेरिका में काम करने का सपना देखने वाले सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स ध्यान दें। वहां के वीजा की फीस में भारी बढ़ोतरी होने वाली है। इसका सीधा असर भारत की बड़ी आईटी कंपनियों पर पड़ेगा। मूडीज रेटिंग्स का कहना है कि इससे इन कंपनियों का खर्च 100 मिलियन से 250 मिलियन डॉलर तक बढ़ सकता है। अमेरिका के एच-1बी वीजा आवेदन की बढ़ी हुई फीस अगले महीने मतलब कि मार्च 2026 से लागू हो रही है।

मूडीज ने चेतावनी दी है कि इससे भारत के सर्विस सेक्टर के निर्यात की रफ्तार धीमी हो सकती है और सॉफ्टवेयर एक्सपोर्टर्स की परिचालन लागत बढ़ जाएगी। मूडीज का कहना है, वीजा फीस से उनकी ऑपरेटिंग कॉस्ट 100 मिलियन से 250 मिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगी। यह उनके रेवेन्यू का लगभग 1% है। मूडीज का यह इशारा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज , इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसी बड़ी आईटी कंपनियों की तरफ है। ये भारतीय कंपनियां दुनिया की टॉप आईटी सर्विस प्रोवाइडर्स में गिनी जाती हैं। वीजा फीस में बढ़ोतरी के बावजूद इन आईटी कंपनियों को ज्यादा दिक्कत नहीं होगी। मूडीज का कहना है भारत की अधिकतर बड़ी आईटी कंपनियां अपनी उच्च लाभप्रदता, मजबूत वित्तीय स्थिति और अमेरिका में लगातार बनी हुई कौशल की कमी के कारण बढ़ी हुई वीजा लागत को अपने ऑपरेशन या वित्तीय प्रोफाइल में महत्वपूर्ण गिरावट के बिना अवशोषित कर सकती हैं। भारत के सर्विस एक्सपोर्ट में वित्त वर्ष 2016-17 से वित्त वर्ष 2024-25 के बीच 12% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर देखी गई है। इसमें टेक्नोलॉजी से जुड़े और अन्य व्यावसायिक सेवाओं का कुल सेवा निर्यात में लगभग 80% योगदान है। लेकिन, यह नई वीज़ा फीस व्यवस्था इस गति को धीमा कर सकती है। इन कंपनियों का बिजनेस मॉडल ही ऐसा है कि वे भारत जैसे देशों से कर्मचारियों को अमेरिका में ग्राहकों के साइटों पर भेजती हैं।

खुदरा महंगाई की दर जनवरी में रही 2.75%,कंज्यूमर बास्केट में भी हो गया बदलाव

नई दिल्ली,12 फरवरी (एजेंसियां)। जनवरी 2026 में खुदरा महंगाई की दर बढ़ गई है। महंगाई की दर बढ़कर 2.75% हो गई है। यह नया आंकड़ा कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स की नई सीरीज के आधार पर तैयार पहली रिपोर्ट है। इसमें 2024 को आधार वर्ष माना गया है। इस महीने ग्रामीण इलाकों में महंगाई 2.73% और शहरी इलाकों में 2.77% रही।

लक्ष्य से नीचे है महंगाई

जनवरी में भले ही खुदरा महंगाई की दर बढ़ गई हो, लेकिन यह अच्छी बात है कि महंगाई बढ़ने के बावजूद यह भारतीय रिजर्व बैंक लक्ष्य से नीचे है। रिजर्व बैंक ने इस अवधि के लिए 4% का मध्यम-अवधि का लक्ष्य तय किया है। आरबीआई का लक्ष्य 2% से 6% के बीच महंगाई बनाए रखना है। नई सीपीआई सीरीज के तहत, महंगाई लगातार 12 महीनों से आरबीआई के लक्ष्य के अंदर बनी हुई है। पिछले साल के अंतिम महीने यानी दिसंबर 2025 में, पुरानी 2012-आधारित सीरीज के अनुसार, खुदरा महंगाई सिर्फ 1.33% थी। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स या सीपीआई की गणना के लिए अब आधार वर्ष बदल कर साल 2012 की जगह साल 2024 कर दिया गया है। इसमें लोगों की खर्च करने की आदतों को बेहतर ढंग से समझने के लिए कंजप्शन बास्केट को भी बदला गया है। इस बदलाव का मकसद अर्थव्यवस्था में कीमतों के रुझान को और सटीक तरीके से मापना है।

यह बदलाव केंद्र सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने किया है। एमओएसपीआई ने अन्य महत्वपूर्ण आर्थिक संकेतकों के लिए भी आधार वर्ष अपडेट करने का प्रस्ताव दिया है। प्रस्ताव है कि ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट और इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन के लिए आधार वर्ष 2022-23 कर दिया जाए। ये दोनों ही संकेत आरबीआई के लिए मौद्रिक नीति तय करते समय बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। नई सीपीआई टोकरी में चीजों के वजन का आधार पूरी तरह से घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023-24 पर आधारित है। नया वेटेज लोगों के पिछले एक दशक में खर्च करने के तरीकों में आए बदलावों को दिखाता है। कुल मिलाकर, लोगों का खर्च लगभग दोगुना हो गया है, जो बढ़ती आय और बेहतर जीवन स्तर को दर्शाता है। अब कंजप्शन बास्केट के खाने-पीने की चीजों में, चावल और गेहूं जैसे अनाज का हिस्सा काफी कम हो गया है। अब ये चीजें पहले के मुकाबले आधी रह गई हैं। वहीं, फल, ताजी सब्जियां, डेयरी उत्पाद, मछली और मांस जैसी चीजों पर खर्च काफी बढ़ा है। यह बदलाव गांवों और शहरों दोनों जगह देखा जा रहा है, जो पूरे देश में लोगों की खान-पान की आदतों में आए बदलाव को दिखाता है।

खाने-पीने की चीजों का भी वेटेज घटा

नई सीपीआई सीरीज में एक बड़ा बदलाव खाने-पीने की चीजों के वेटेज को लेकर है। पहले खाने-पीने की चीजों का कुल वेटेज 45.9% था, जो अब घटकर 36.75% रह गया है। सिर्फ फूड का वेटेज ही 39.1% से घटकर 34.77% हो गया है। उल्लेखनीय है कि ऐतिहासिक रूप से, खाने-पीने की चीजें सीपीआई में सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव वाली रही हैं। खाने-पीने की चीजों का वजन कम होने से महंगाई के आंकड़ों में बड़े बदलाव दिख सकते हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	कुंभ	मे
चंद्र	धनु	मे
मंगल	मकर	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	कुंभ	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
कुंभ....	05-46 बजे
मीन....	06-46 बजे
मेष.....	08-25 बजे
वृष....	10-01 बजे
मिथुन..	11-45 बजे
कर्क...	13-46 बजे
सिंह---	15-58 बजे
कन्या--	18-10 बजे
तुला----	20-17 बजे
वृश्चिक..	22-22 बजे
धनु.....	00-32 बजे
मकर...	02-45 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-47
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 18 -12
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष शुक्रवार 13 February 2026
तिथि - एकादशी 14-26 तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - मूल 16-12 तक उप पूर्वाषाढा
योग - वज्र 03-23 रात तक उप. सिद्धि
करण - बालव 14-26 तक कौलव
विजया एकादशी व्रत सर्वे
गण्ड मूल नक्षत्र

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
11-04 से
12-30 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
चंचल	06-50 - 08-11	शुभ
लाभ	08-11 - 09-38	शुभ
अमृत	09-38 - 11-04	शुभ
काल	11-04 - 12-30	अशुभ
शुभ.	12-30 - 13-57	शुभ
रोग	13-57 - 15-23	अशुभ
उत्पात	15-23 - 16-50	अशुभ
चंचल	16-50 - 18-09	शुभ

रात का चौघड़िया		
रोग	18-09 - 19-49	अशुभ
काल	19-49 - 21-23	अशुभ
लाभ	21-23 - 22-57	शुभ
उत्पात	22-57 - 00-30	अशुभ
शुभ	00-30 - 02-04	शुभ
अमृत	02-04 - 03-37	शुभ
चंचल	03-37 - 05-11	शुभ
रोग	05-11 - 06-50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों । ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी । यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे । आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे । आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे । आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए और सारे कार्यक्रम तय योजना के अनुसार अच्छे से पूरा हो जाए ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है। छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें । एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा । अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी । घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें । सफलता की कुंजी प्राथमिकताएं तय करने से मिलेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे । ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे । इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे । सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे । आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं। आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे । फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे इर्ष्या करेंगे । जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं।आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज का दिन बहुत व्यस्त रहेगा । बहुत सारे काम कतार में हैं । हालाँकि आप अपनी तरफ से उन सब कामों को निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे फिर भी सम्भावना यही है कि सब काम पूरे नही हो पायेंगे और आपको इस कारण तनाव होगा । काम पूरे करने में और किसी की सहायता लेने से ना हिचकें,नही तो आप समय पर काम पूरा नही कर पायेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

राज्यपाल बागडे बोले–हल्दीघाटी युद्ध में दोनों तरफ हिंदू लड़े

दीक्षांत समारोह में कहा -बप्पा रावल ने मोहम्मद बिन कासिम को पीट-पीट कर ईरान तक खदेड़ा

जोधपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय का 22वां दीक्षांत समारोह आज पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने की। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने टीचर से स्टूडेंट को पढ़ाई के साथ-साथ भविष्य को लेकर प्रोत्साहित करने का भी आह्वान किया। राज्यपाल बागड़े ने हल्दीघाटी युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप से लड़ने के लिए अकबर ने मानसिंह को भेज दिया और कहा कि मैं बाद में आऊंगा और दोनों तरफ से हिंदू लड़ते रहे। इसके बाद जो हुआ वह इतिहास में दर्ज है। हल्दीघाटी युद्ध को 450 वर्ष हो

मोहम्मद बिन कासिम ने बप्पा रावल को ईरान तक खदेड़ा

उन्होंने कहा कि पहला आक्रमण ईरान से आए मोहम्मद बिन कासिम ने सातवीं ईस्वी में किया था जो की चित्तौड़गढ़ तक आया। जब वह चितौड़कर आया तो बप्पा रावल ने उसको इतना पीटा कि ईरान तक उसको खदेड़ दिया। इसके बाद 200 साल तक किसी आक्रमणकारी ने हम पर आक्रमण नहीं किया। इसका इतिहास साक्षी है। बप्पा रावल ईरान तक गया और वापस आया तो हर सौ मिल पर एक चौकी बनाई। जब वह वापस आए तो पंजाब में एक जगह रुका वह जगह थी रावलपिंडी। इसमें रावल का मतलब बप्पा रावल और पंजाब में गांव को पिंडी बोलते हैं तो वह जगह हो गई रावलपिंडी। इससे 34 किलोमीटर दूर ही हमारा एक विश्वविद्यालय था तक्षशिला विश्वविद्यालय। जिसे बाद में आक्रमणकारियों ने तोड़फोड़ दिया। भारत बौद्धिक परंपरा की, मानवीय मूल्य और चेतना का सशक्त केंद्र रहा है। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा और आईआईटी डायरेक्टर प्रोफेसर अविनाश अग्रवाल ने भी दीक्षांत सम्बोधन दिया।

दीक्षांत समारोह में कुल 52,682 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। 59 स्वर्ण पदक वितरित किए गए। स्वर्ण पदकों में विज्ञान संकाय के 9 (1 डोनर एवं 1 कुलाधिपति), कला संकाय के 28 (2 डोनर), वाणिज्य संकाय के 11, विधि संकाय के 5 तथा अभियांत्रिकी संकाय के 2 (1 डोनर) स्वर्ण पदक शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि कुल 59 स्वर्ण पदकों में से 40 स्वर्ण पदक छात्राओं को प्रदान किए गए, जो विश्वविद्यालय में छात्राओं की उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों को दर्शाता है।

पूर्व मंत्री की सूचना पर नहीं पहुंची पुलिस

बोले- 20 मिनट इंतजार करता रहा, थाने के सामने पत्थरों से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को बंद करवाया

भरतपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भरतपुर में पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह की अवैध खनन की शिकायत पर पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। करीब 20 मिनट तक इंतजार करने के बाद चले गए। साढ़े चार घंटे बाद उन्होंने सेवर थाने के सामने पत्थरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली दोबारा देखीं। थाने से बुलवाने के बाद आए पुलिसकर्मी और SHO ने चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त करने की कार्रवाई की। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया- आज (गुरुवार) सुबह 3:30 बजे मोती महल से सुप्रभातम की पूजा-अर्चना कर जब मैं जवाहर फार्म वापस लौट रहा था। सर्किट हाउस चौराहे के पास अवैध खनन से भरे हुए कुछ ट्रैक्टर-ट्रॉली मिले, जिसकी सूचना मैंने सीओ सिटी को दी।

तो सीओ सिटी ने मुझसे कहा कि मैं मथुरा गेट थाने को सूचना देता हूं। उसके बाद 20 मिनट इंतजार करने के बाद जब मथुरा गेट थाने से व सीओ सिटी से कोई भी जवाब नहीं आया, तो मैंने पुलिस कंट्रोल नंबर पर दो बार फोन किया, लेकिन फोन तक नहीं उठाया गया।

इस तरह से पुलिस प्रशासन के आंखें मूंदकर गहरी नींद में सोने व सीनियर पुलिस अफसरों की आंखों में धूल झोंके जाने के कारण शहर में कोई भी घटना हो सकती है। इसी तरह डीग में जो मेवात में अपराध हो रहे हैं, उनमें किसी भी तरह से कमी नहीं आई है और न ही अपराध पर अंकुश लग रहा है। डीग में जो सही लोग हैं, उन पर पुलिस कार्रवाई कर रही है और जो अपराधी हैं, वे खुलेआम आमजन में दहशत का माहौल बनाकर घूम रहे हैं। मैं बिना किसी ठोस सबूत के कोई भी पोस्ट सोशल मीडिया पर नहीं करता हूं।

विश्वेंद्र सिंह ने दूसरी पोस्ट में लिखा- गुरुवार सुबह 8 बजे जब सेवर थाने के सामने से गुजर रहा था। तभी अवैध खनन के पत्थरों से भरे हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को मैंने रुकवाकर अपने पीएसओ को सेवर थाने भेजा। तब एक पुलिसकर्मी निकलकर आया और उसके 10 मिनट बाद सेवर एसएचओ आए। तब जाकर बिना किसी रवन्ना के अवैध खनन से भरे हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को बंद करवाया।

हॉस्पिटल अभी चालू नहीं और कर दी डॉक्टरों की नियुक्ति

स्वास्थ्य विभाग ने निदेशक को भेजा कारण बताओ नोटिस, 3 दिन में देना होगा जवाब

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर के शिवदासपुरा में नया सैटेलाइट अस्पताल अभी बनकर तैयार हुआ है, लेकिन यहां चिकित्सा सेवाएं शुरू होने से पहले ही चार स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की पोस्टिंग कर दी गई। इस फैसले पर मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट ने स्वास्थ्य निदेशालय के जन स्वास्थ्य निदेशक डॉ. रवि प्रकाश को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बड़ी बात ये है कि बड़ी बात ये है कि इसमें एक साथ दो साइक्रियाटिस्ट (मनोरोग) डॉक्टरों की नियुक्ति पर प्रमुख शासन सचिव ने नाराजगी जताई है। दरअसल, मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट ने शिवदासपुरा में यह नया सैटेलाइट अस्पताल तैयार किया है। भवन तो बन गया, लेकिन अभी यहां कोई मेडिकल सुविधा शुरू नहीं हुई।

फिर भी, पिछले महीने 28 जनवरी को जन स्वास्थ्य निदेशक ने आदेश जारी कर चार डॉक्टरों की यहां पोस्टिंग कर दी। पिछले दिनों प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने इस सैटेलाइट हॉस्पिटल की विजिट कर बिल्डिंग का निरीक्षण किया। तब उन्हें पता चला कि यहां चार स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की पोस्टिंग हो चुकी है।

सचिव ने जब पूछा कि यहां अभी मेडिकल फैसिलिटी शुरू ही नहीं हुई, तो फिर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की पोस्टिंग क्यों की गई?

मेवाड़ यूनिवर्सिटी के 33 नर्सिंग स्टूडेंट सस्पेंड

चित्तौड़गढ़, 12 फरवरी (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले की मेवाड़ यूनिवर्सिटी में B.Sc. नर्सिंग फाइनल ईयर के 33 छात्रों को बुधवार को सस्पेंड कर दिया गया। तभी से स्टूडेंट्स धरने पर बैठ गए थे, आज दूसरे दिन भी धरना जारी है। छात्रों का आरोप है कि मेवाड़ यूनिवर्सिटी ने B.Sc. नर्सिंग कोर्स के लिए राजस्थान नर्सिंग काउंसिल (RNC) और इंडियन नर्सिंग काउंसिल (INC) से आवश्यक मान्यता नहीं ली है। उनका कहना है कि इन संस्थाओं की मान्यता के बिना उनकी डिग्री वैध नहीं मानी जाएगी, जिससे उनका भविष्य से खेल रहे है। छात्रों ने इसी मांग को लेकर यूनिवर्सिटी परिसर में धरना शुरू किया। इस दौरान स्थिति को देखते हुए पुलिस को मौके पर तैनात किया गया है। गंगरार थानाधिकारी श्यामाराम ने बताया कि, "बुधवार से शुरू हुआ धरना आज भी जारी है। छात्र अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं, लेकिन फिलहाल वे शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए पुलिस मौके पर मौजूद है और अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है।" छात्र अबरार ने बताया कि वे 2022 बैच के स्टूडेंट हैं और इस समय उनका फाइनल ईयर चल रहा है। मार्च में उनकी अंतिम परीक्षा होनी है, लेकिन अब तक कोर्स को RNC और INC से मान्यता नहीं मिली है। उनका कहना है कि अगर कोर्स को मान्यता नहीं मिली तो उनकी डिग्री बेकार हो जाएगी।

डॉक्टर को दिखाने से पहले ही तीन भाई-बहनों की मौत

कोटा-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे पर ट्रेलर ने बाइक सवार परिवार को रौंदा

बूंदी, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे-27 पर बाइक सवार परिवार को ट्रेलर ने रौंद दिया। हादसे में 2 भाई, एक बहन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पिता गंभीर रूप से घायल हैं। एक ही बाइक पर चारों लोग सवार थे। घटना बुधवार रात करीब पौने नौ बजे बूंदी के डाबी इलाके में हुआ। उधर, एक्सीडेंट के बाद परिवार वालों के साथ भीड़ जुट गई। लोगों ने हाईवे जाम कर दिया।

डाबी थाने के SHO हेमराज शर्मा ने बताया- मदन बंजारा अपनी बेटी सुमन, बेटे अंकित और भतीजे करण (बहादुर का बेटा) के साथ पराणा गांव (बूंदी) से डाबी की ओर जा रहे थे। इनमें से कोई एक बीमार था। उसी को डॉक्टर को दिखाने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान डाबी थाना क्षेत्र में दुधी कुड़ी कट पर बिजौलिया (भीलवाड़ा) की ओर से तेज गति से आ रहे ट्रेलर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे के बाद ड्राइवर ट्रेलर छोड़कर फरार हो गया। डाबी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रेलर को कब्जे में लिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। आक्रोशित लोगों ने हाईवे को जाम कर दिया। डाबी थाना पुलिस पहुंची। लोग मुआवजे और कार्रवाई की मांग को लेकर अड़े रहे और शवों को उठाने से इनकार कर दिया।

पांच मंजिला इमारत से गिरा युवक

दोस्त के साथ शराब पार्टी कर रहा था फ्लैट में खाना लेने जा रहा था

कोटा, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा के उद्योग नगर थाना क्षेत्र में देर रात एक युवक पांच मंजिला इमारत की छत से गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान 37 वर्षीय निखिलेश मेघवाल उर्फ नरेश कुमार के रूप में हुई है, जो कंसुआ अफॉर्डेबल योजना क्षेत्र का निवासी था। नरेश कुमार देर रात अपने एक दोस्त के साथ शराब पार्टी कर रहा था। दोनों कंसुआ स्थित अफॉर्डेबल मल्टी स्टोरी बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल की छत पर मौजूद थे। इसी दौरान नरेश कुमार का संतुलन बिगड़ गया और वह छत से नीचे गिर गया।

हादसे के तुरंत बाद परिजन और साथी उसे गंभीर हालत में एमबीएस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही उद्योग नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। शव को मोर्चरी में रखवाया गया।

उद्योग नगर थाने के एएसआई महेंद्र कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक अपने फ्लैट से खाना एवं रजाई-गद्दे लेने नीचे गया था। इसी दौरान उसका बैलेंस बिगड़ गया और वह ऊपर से नीचे गिर गया। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बोर्ड परीक्षा में नहीं मिला प्रवेश तो रोने लगा पिता

स्कूल ने नहीं दिया एडमिट कार्ड, एसडीएम से मां-बाप, बोले- हमारी बेटी का भविष्य खराब हो जाएगा

नदबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। नदबई में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली 10वीं की एक छात्रा एडमिट कार्ड न मिलने से बोर्ड परीक्षा के पहले ही दिन एग्जाम नहीं दे पाई। जिसके बाद छात्रा और उसके माता-पिता सदमें हैं। छात्रा के पिता ने हाथ जोड़कर भावूक होते हुए स्कूल प्रशासन से एडमिट जारी करने की मांग की है।

दरअसल, नदबई की रहने वाली साधना कपूरी देवी सूरजमल जगवायन राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक स्कूल की 10वीं क्लास में पढ़ती है। गुरुवार से उसकी बोर्ड परीक्षा शुरू हुई, लेकिन जब वो अपने माता-पिता के साथ एडमिट कार्ड लेने पहुंची तो स्कूल स्टाफ ने उसे एडमिट कार्ड देने से मना कर दिया।

परिजनों का आरोप है कि, स्कूल के प्रिंसिपल मुकेश गोयल ने यह कहकर छात्रा को वापस भेज दिया कि उसकी अटेंडेंस पूरी नहीं है, इसलिए एडमिट कार्ड जारी नहीं किया जाएगा।

छात्रा के पिता गौरीशंकर ने बताया- उनकी बेटी का पिछले साल जुलाई में पथरी का ऑपरेशन हुआ था, जिसके चलते वो करीब एक महीने तक स्कूल नहीं जा सकी।

टाइगर को देख गाड़ियां पीछे हटी

रणथंभौर गणेश मंदिर मार्ग पर 30 मिनट तक घूमता रहा, पर्यटकों को रोका

सवाई माधोपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर के रणथंभौर टाइगर रिजर्व में टाइगर को आता देखकर पर्यटकों ने गाड़ियों को पीछे कर लिया। करीब 30 मिनट तक टाइगर त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर घूमता रहा। इस दौरान पर्यटकों को रोक लिया गया। टाइगर के रास्ते से हटने के बाद पर्यटकों और अन्य लोगों की गाड़ियां निकली। घटना बुधवार की है, इसका वीडियो आज सामने आया है। दरअसल, टाइगर शाम 5 बजे अपनी टेरिटरी से निकल मिश्रदर्रा गेट पर आ गया था। इस दौरान कुछ गाड़ियां वहां से निकल रही थी। टाइगर को देख गाइड और लोगों ने अपनी गाड़ियां वहीं रोक दी।

इसके बाद वह कुछ देर सड़क पर घूमता रहा। वह धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगा। टाइगर को अपनी ओर आते देख लोगों ने गाड़ियों को पीछे लेना शुरू कर दिया। सड़क किनारे इकट्ठा हुए पानी की तरफ टाइगर गया और वहां पर बैठ गया। कुछ देर वहां बैठा और फिर उठकर एक सफेद रंग की कार की तरफ बढ़ा।

टाइगर को अपनी तरह आते देख ड्राइवर ने गाड़ी रिवर्स लेना शुरू कर दिया। करीब आधे घंटे तक टाइगर सड़क पर रहा। शाम करीब 5:30 बजे वह दोबारा जंगल की तरफ चला गया।

80 साल की अंधी मां को कावड़ में बैठाया

15किमी पैदल चलकर बेटों ने मंदिर के कराए दर्शन, कहा- मां की इच्छा हमारे लिए आदेश

आसींद (भीलवाड़ा), 12 फरवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के आसींद इलाके में बेटों ने अपनी 80 साल की अंधी मां की इच्छा पूरी करने के लिए उन्हें कावड़ में बैठाकर 15 किमी पैदल यात्रा की। इसके बाद मां को मंदिर में दर्शन करवाए। इसके लिए बेटों ने एक विशेष कावड़ भी तैयार की, जिसमें मां को कोई परेशानी ना हो इसका विशेष रूप से ध्यान रखा गया।

मां को कावड़ में झूले में रूप में बैठाया गया। साथ में पिता की तस्वीर भी मां के पास रखी गई। इस दौरान बेटों ने कहा कि मां की इच्छा हमारे लिए आदेश के समान है। इसलिए मां की इच्छा को आदेश मानते हुए पूरे सम्मान के साथ इसे पूरा किया गया।

दूधिया गांव के युवक भंवर नाथ (35) ने अपनी मां सोहनी देवी (80) की इच्छा पूरी करते हुए सागनी गांव स्थित आंजना देव मंदिर के दर्शन करवाए। इसके लिए भंवर नाथ ने कावड़ में मां को बैठाकर 15 किमी पैदल यात्रा की। दरअसल सोहनी देवी की आंखों की रोशनी करीब 5 साल पहले चली गई थी। उनकी लंबे समय से आंजना देव मंदिर के दर्शन करने की इच्छा थी। मां की इस इच्छा को पूरा करने के लिए भंवर नाथ ने यह कावड़ यात्रा की।

इस यात्रा में भंवर नाथ के साथ उनकी पत्नी फूली देवी (33), जुड़वा बेटा करण नाथ (13), अर्जुन नाथ (13), भाई प्रेमनाथ (50) व जीवराज नाथ (48) और प्रेमनाथ का बेटा प्रहलाद नाथ (27) भी शामिल थे।

पूरा परिवार गाजे-बाजे के साथ श्रद्धा और उत्साह के माहौल में दूधिया गांव से सागनी गांव तक पैदल पहुंचा।

सोहनी देवी के पति उदय नाथ का 32 साल पहले हार्ट अटैक के कारण निधन हो चुका है। परिवार ने उनकी तस्वीर भी साथ रखी और मंदिर में उनके नाम से भी दर्शन कराए।

कांग्रेस विधायक बोले-जयपुर में बिना पैसे काम नहीं हो रहा

भाजपा एमएलए ने अधिकारियों पर लगाए आरोप, सरकार ने कहा- टोल फ्री नहीं होंगे स्टेट हाईवे

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस विधायक रफीक खान के भ्रष्टाचार के आरोपों पर विधानसभा में पक्ष-विपक्ष में जमकर नोकझोंक हुई। खान ने कहा कि- जयपुर में बिना पैसा कोई काम नहीं हो रहा। जयपुर शहर में छोटे मकान सील किए जा रहे हैं और बड़े बंगलों को छूट दी जा रही है। आरोपों पर भाजपा विधायक श्रीचंद कृपलानी ने आपत्ति जताई तो दोनों ओर के सदस्यों में नोकझोंक हो गई।

इससे पहले कांग्रेस विधायक दीनदयाल बैरवा ने वेल में आकर की दौसा तहसीलदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके बाद बैरवा ने वेल में आकर नारेबाजी करने लगे तो स्पीकर ने नाराजगी जताई। विधानसभा में राइट टू हेल्थ एक्ट के नियमों से जुड़े सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बीच भी बहस हुई।

डमी कैंडिडेट से बने कॉन्स्टेबल 10 साल बाद पकड़े गए

ओएमआर और एडमिट कार्ड पर हस्ताक्षर मिसमैच मिले

बाड़मेर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बाड़मेर में 2014 की भर्ती परीक्षा में डमी कैंडिडेट बैठाकर कॉन्स्टेबल बन गए। 10 साल बाद सेवा रिकॉर्ड की जांच में हस्ताक्षर मिसमैच मिलने पर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने तीन कॉन्स्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एसपी की रिपोर्ट के बाद जांच में फर्जीवाड़ा सामने आया है। दरअसल, राजस्थान में पिछले दो वर्षों से विभिन्न भर्तियों में फर्जी तरीके से नौकरी पाने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

एसआई, कॉन्स्टेबल, शिक्षक और चतुर्थ श्रेणी भर्ती तक में गड़बड़ियों की जांच चल रही है। इसी कड़ी में बाड़मेर के तीन कॉन्स्टेबल अब SOG की कार्रवाई की जद में आए हैं।

बाड़मेर एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने 8 अक्टूबर 2025 को SOG को पत्र लिखकर मामले की जानकारी दी थी। साल 2015 में नियुक्त हुए कॉन्स्टेबलों के सेवा रिकॉर्ड की समीक्षा के दौरान दस्तावेजों में संदेहास्पद स्थिति सामने आई।

जांच में पाया गया कि ओमप्रकाश पुत्र हरदानाराम निवासी कालाणसरा पादरू (सिवाना), गंगाराम पुत्र केसरीमल निवासी ढाकों का गोलिया कबुली (धोरीमन्ना) और सुमेरमल पुत्र महावीर प्रसाद निवासी बीकमसरा (सरदारशहर, चूरू) के बायोमैट्रिक आवेदन-पत्र, ओएमआर शीट और अन्य दस्तावेजों में हस्ताक्षर आपस में मेल नहीं खाते। एसपी ने इस गंभीर विसंगति को देखते हुए SOG को विस्तृत जांच के निर्देश दिए। SOG ने आवेदन-पत्र, ओएमआर शीट, प्रवेश पत्र और अन्य संबंधित दस्तावेजों की रंगीन प्रमाणित प्रतियां मंगवाकर जांच की।

विश्वेंद्र सिंह ने मोती महल पर फहराया रियासतकालीन झंडा

सैल्यूट किया, फिर झंडे के पास खड़े होकर फोटो खिंचवाई, कल की थी बेटे से मुलाकात

भरतपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भरतपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य और पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने बुधवार (11 फरवरी) को मोती महल में रियासतकालीन झंडा फहराया। उन्होंने 13 दिन पहले (29 जनवरी को) सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ऐलान किया था कि 13 फरवरी को महाराजा सूरजमल की जयंती पर मोती महल जाकर रियासतकालीन झंडा फहराऊंगा। लेकिन 2 दिन पहले ही झंडा फहरा दिया। सोशल मीडिया पर झंडा फहराने का वीडियो पोस्ट करते हुए विश्वेंद्र सिंह ने लिखा- महाराजा सूरजमलजी अमर रहें। लोहागढ़ रियायत का रियासतकालीन झंडा दोबारा फहरा दिया गया है। पूरी सरदारी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

काउंटिंग केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी : डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी

हैदराबाद: 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यभर में 116 नगरपालिकाओं और सात नगर निगमों के लिए हो रही चुनाव मतगणना प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ऐसा पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने बताया।

उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में कुल 123 मतगणना केंद्र तैयार किए गए हैं और कहीं भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। डीजीपी ने बताया कि मतगणना केंद्रों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 12 हजार पुलिस कर्मियों के साथ-साथ सशस्त्र बल और क्विक रिस्पॉन्स टीमें लगातार तैनात रहेंगी। अतिरिक्त सुरक्षा के लिए प्रत्येक मतगणना केंद्र को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा गया है तथा वेब कास्टिंग प्रणाली के माध्यम से उनके कार्यालय के कमांड कंट्रोल सेंटर से लगातार स्थिति की निगरानी की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतगणना केंद्रों की ओर जाने वाले मार्गों को कड़ाई से नियंत्रित किया जा रहा है और केवल पास धारकों को ही अंदर प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। किसी भी प्रकार के उपद्रव या अप्रिय घटना को रोकने के लिए मतगणना केंद्रों के आसपास संबंधित कानूनों के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। प्रत्येक व्यक्ति की गहन जांच के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा तथा भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष उपाय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिला एसपी और पुलिस आयुक्तों को क्षेत्र स्तर पर स्थिति की लगातार निगरानी करने के निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। पुलिस अधिकारियों को सतर्कता से कार्य करते हुए मतगणना को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं।बीएनएसएस की धारा 163 के तहत मतगणना केंद्रों से 200 मीटर की दूरी के भीतर अधिक संख्या में लोगों के एकत्र होने तथा हथियार लेकर आने पर प्रतिबंध लागू रहेगा। आदेशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने के निर्देश स्थानीय पुलिस अधिकारियों को दिए गए हैं। इस पूरी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और आम जनता से पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने की अपील डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने की है।

एक शाम गौमाता के नाम जागरण 21 को

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेड्चल सोमाराम विलेज स्थित विश्व मंगल गौशाला में छत्तीस कोम गौभक्तो के सानिध्य में एक शाम गौमाता के नाम विशाल जागरण शनिवार 21 फरवरी सायं 7 बजे भव्यरूप से आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजको ने बताया कि छत्तीस कोम गौभक्तो के सानिध्य में विशाल जागरण के आयोजन गौमाता की सेवार्थ आयोजित किया जाएगा। सायं 7 बजे गौमाता की पुजा-अर्चना कर जागरण का शुभारम्भ किया जाएगा। जिसमें मरुधरा की सुप्रसिद्ध गायिका अनिता जांगिड़ एवं दिव्या वैष्णव गौमाता के चरणो में भजनो के पुष्प अर्पित करेंगी।

कार्यक्रम में बत्तौर मुख्यअतिथि तेलंगाना प्रांत गौसेवा प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वेंकट निवास पधारेंगे। पधारे गौभक्तो के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की जाएगी। मंच का संचालन जेठुसिंह राजपुरोहित करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विश्व मंगल गौशाला के समस्त सदस्यगण व युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। छत्तीस कोम गौभक्तो से निवेदन है सपरिवार समय पर पधार कर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

भारत लगातार दूसरा मैच जीता नामीबिया 93 रन से हारा

चक्रवर्ती को 3 विकेट, ईशान-पंड्या की फिफ्टी; टीम इंडिया ग्रुप-ए के टॉप पर

स्पोर्ट्स डेस्क, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के 18वें मैच में नामीबिया को 93 रन से हरा दिया है। वर्ल्डकप में टीम इंडिया की यह लगातार दूसरी जीत है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 9 विकेट के नुकसान पर 209 रन बनाए थे। भारत ने आखिरी 4 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए थे।

ईशान किशन ने 61 और हार्दिक पंड्या ने 52 रन बनाए। नामीबिया से कमान जेराई इरासमस ने 4 विकेट लिए। 210 रन का टारगेट चेज करने उतरी नामीबिया की टीम 18.2 ओवर में 116 रन पर ऑलआउट हो गई। वरुण चक्रवर्ती ने 3, अक्षर और हार्दिक ने 2-2 विकेट लिए। नामीबिया की ओर से लौरेन स्टीनकैंप ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए।

मोबाइल स्नैचिंग मामले में आरोपी गिरफ्तार, नकदी बरामद

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुलसुमपुरा थाना पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 2,000 रुपये नकद बरामद किए हैं। आरोपी की पहचान सैयद फकरू उर्फ अरबाज़ (23) पुत्र सैयद यूसुफ, निवासी नशेमन नगर, तालाबकट्टा, भवानी नगर, हैदराबाद के रूप में हुई है। वह बहादुरपुरा स्थित एक पुराने टायरों की दुकान में काम करता है।

पुलिस के अनुसार आरोपी कुलसुमपुरा थाने के अपराध संख्या 280/2025 धारा 304 सहपठित 3(5) बीएनएस के तहत वांछित था और घटना के बाद से फरार चल रहा था। 12-02-2026 को कुलसुमपुरा थाने की क्राइम टीम ने उसे दबोच लिया। बीते 16 दिसंबर को शिकायतकर्ता अपने दोस्तों के साथ जियागुड़ा स्थित पीला मंडप में खाना खाने के बाद बातचीत कर रहा था। इसी दौरान आरोपी सैयद फकरू उर्फ अरबाज़ अपने साथी इम्तियाज के साथ होंडा एक्टिवा पर वहां पहुंचा, जबकि उनके सहयोगी हाजी और कलीम यामाहा एफजेड मोटरसाइकिल पर थे। आरोपी फकरू मोबाइल चोरी की नीयत से वहां घूम रहा था और उसने शिकायतकर्ता को मोबाइल इस्तेमाल करते देखा। तुरंत वह वाहन को शिकायतकर्ता के पास ले गया और उसके साथी इम्तियाज ने शिकायतकर्ता के हाथ से मोबाइल छीन लिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

बाद में इम्तियाज ने चोरी किया गया मोबाइल किसी अज्ञात व्यक्ति को बेच दिया और हिस्सा फकरू को भी दिया, जिसमें से पुलिस ने 2,000 रुपये बरामद किए हैं। इस मामले के अन्य आरोपी मोहम्मद इम्तियाज उर्फ शूटर व शेख हाजी उर्फ याफई जेल में है। जबकि एक अन्य आरोपी कलीम फरार है। आरोपी के खिलाफ भवानी नगर थाने में भी दो मामले दर्ज हैं। यह गिरफ्तारी डीसीपी गोलकोंडा ज़ोन जी. चंद्र मोहन आईपीएस के पर्यवेक्षण में अतिरिक्त डीसीपी कृष्णा गौड़, एसीपी गोशामहल सुदर्शन, इंस्पेक्टर ए. रामुलु, डिटेक्टिव इंस्पेक्टर डी. नागार्जुन और कुलसुमपुरा थाना क्राइम टीम द्वारा की गई।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर टीपीसीसी की चेतावनी, 'घरेलू क्षेत्रों को खतरा'

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने गुरुवार को चेतावनी दी कि ऐसा कोई भी भारत—अमेरिका व्यापार समझौता न किया जाए, जिससे घरेलू उद्योगों, किसानों, मजदूरों और छोटे व्यवसायों को नुकसान पहुंचे। इंदिरा पार्क में श्रमिक और किसान संगठनों द्वारा आयोजित विशाल रैली और धरने में भाग लेते हुए गौड़ ने कहा कि जब भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता है, ऐसे समय में विदेशी कंपनियों को प्राथमिकता देने वाले व्यापारिक निर्णयों के गंभीर दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्रमिक अधिकारों, वेतन सुरक्षा और रोजगार संरक्षण पर स्पष्टता के बिना किए गए समझौते स्वीकार्य नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि यदि घरेलू उत्पादों को बढ़ावा दिए बिना विदेशी आयात का रास्ता खोला गया, तो छोटे व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसानों और मजदूरों की राय लिए बिना लिए गए एकतरफा निर्णयों का कांग्रेस पार्टी कभी समर्थन नहीं करेगी। यूनियन नेताओं ने आशंका जताई कि प्रस्तावित व्यापार समझौते से किसानों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, जिससे न्यूनतम समर्थन मूल्य और सब्सिडी प्रभावित हो सकती हैं।

आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव मे भाग लेने हेतु महेश बैंक चेरमैन एम.एम.पलोड, पूर्व चेरमेन रमेश बंग, निदेशक दिपक बंग, निलेश बंग, शासन सेवी योगेश खरगांधी, परशोत्तजी आदि गणमान्यो को निमंत्रीत करते हुए जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, तरूण महेता एवं अन्य।

मतदान ड्यूटी में बाधा के आरोप में पूर्व विधायक जग्गा रेड्डी पर मामला दर्ज

संगारेड्डी, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी पुलिस ने टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष और कांग्रेस नेता जग्गा रेड्डी के खिलाफ कल हुए नगरपालिका चुनावों के दौरान कथित रूप से चुनाव ड्यूटी में बाधा डालने के आरोप में मामला दर्ज किया है। यह मामला राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) के निर्देश पर दर्ज किया गया। पुलिस ने उनके खिलाफ संगारेड्डी थाने में आईपीसी की धाराओं 223, 351, 352, 132 और 329 के तहत केस दर्ज किया है। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए जग्गा रेड्डी ने एक प्रेस नोट में दावा किया कि उन्होंने एक मतदान केंद्र पर हस्तक्षेप तब किया, जब एक सर्किल इंस्पेक्टर द्वारा कथित रूप से एक कांग्रेस नेता के साथ दुर्व्यवहार और अपमान किया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने पार्टी सहयोगी की रक्षा के लिए संबंधित अधिकारी का सामना किया और आरोप लगाया कि सीआई प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार के पक्ष में कार्य कर रहा था।

उन्होंने कहा कि हालांकि वे वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क कर सकते थे, लेकिन स्थिति को तुरंत संभालने के लिए उन्होंने सीधे हस्तक्षेप करना उचित समझा। जग्गा रेड्डी ने संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कानून-व्यवस्था को जानबूझकर बाधित करने का आरोप लगाया। पूर्व विधायक ने बीआरएस नेताओं के.टी. रामाराव और टी. हरीश राव पर भी सोशल मीडिया पर झूठी कहानियां फैलाने का आरोप लगाया, जिनमें उन्हें अधिकारियों पर हमला करते हुए दिखाया गया है।

वाम दलों ने श्रम संहिताओं के खिलाफ अडिग संघर्ष का संकल्प लिया

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव पल्ला वेंकट रेड्डी ने घोषणा की कि वाम दल तब तक अडिग संघर्ष जारी रखेंगे जब तक केंद्र सरकार "मजदूर विरोधी, किसान विरोधी और जनविरोधी कानूनों" को वापस नहीं लेती।

राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल के दौरान नारायणगुड़ा चौरास्ता पर आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वाम दलों, केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और किसान संगठनों द्वारा आयोजित इस आंदोलन में लगभग 30 करोड़ लोगों ने भाग लिया। रेड्डी ने चार श्रम संहिताओं की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि इनसे मजदूरों के लंबे संघर्ष से प्राप्त अधिकारों को कमजोर किया गया है और उन्होंने पूर्व श्रम सुरक्षा प्रावधानों की बहाली की मांग की। उन्होंने प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौतों और पीपीपी मॉडल के तहत निजीकरण नीतियों का भी विरोध किया और केंद्र पर राष्ट्रीय हितों को कमजोर करने का आरोप लगाया।

सीपीआई(एम) के राज्य सचिव जॉन वेस्ली ने कहा कि श्रम संहिताओं ने हड़ताल और यूनियन बनाने के अधिकार को कमजोर किया है, जबकि सीपीआई(एमएल) न्यू डेमोक्रेसी के प्रवक्ता चलपति राव ने आरोप लगाया कि श्रम विभागों को कमजोर किया जा रहा है। सीपीआई(एमएल), एसयूसीआई और अन्य वाम संगठनों के नेताओं ने भी विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

आदिवासी छात्रावास में घटिया भोजन को लेकर विद्यार्थियों का प्रदर्शन

संगारेड्डी, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणखेड़ स्थित आदिवासी कल्याण आवासीय विद्यालय के छात्रों ने गुरुवार को भोजन की खराब गुणवत्ता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि उन्हें घटिया खाना परोसा जा रहा है और छात्रावास में लगाए गए मेनू का पालन नहीं किया जा रहा है। विद्यार्थियों ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रबंधन ने कोई सुधार नहीं किया। इससे नाराज छात्र नाश्ते के समय छात्रावास से बाहर निकल आए और विरोध जताते हुए अपनी प्लेटें सड़क पर फेंक दीं। इस दौरान उन्होंने छात्रावास प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी भी की। छात्रों ने वार्डन और संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि भोजन तय मेनू के अनुसार और अच्छी गुणवत्ता का ही परोसा जाए।

'छात्र जागरूक रहकर पुलिस की सहायता करें'

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सायबराबाद पुलिस के 24 वे गठन दिवस बालानगर पुलिस के साथ हिंद सेवा संघ के अध्यक्ष प्रमोद मोदी ने गुरुमूर्ति नगर के सरकारी स्कूल छात्रों को मिठाई व पुस्तकें वितरित की। अवसर पर उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वे हमेशा सजग रहें, आस पास किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों का जानकारी मिलते ही तुरंत पुलिस को सूचना दें। इससे जहां अपराधों में कमी आएगी वहीं पुलिस को भी सही दिशा में काम करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही उन्होंने कालेज के विधार्थियों को जागरूक अभियान के अंतर्गत कई कल्याणकारी परामर्श दिए। इस अवसर पर बाला-नगर पुलिस एसीपी नरेश रेडी, सर्कल इंस्पेक्टर नरसिम्हा राजू, सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार,हाजी,सरिता, ट्रैफिक पुलिस एसीपी गिरिप्रसाद सर्कल इंस्पेक्टर श्रीनिवास राव,सब इंस्पेक्टर भानुप्रसाद, हरिनाथ, श्रीनिवास, ट्रैफिक एवं लाइन आर्डर पुलिस एवम ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने बडी संख्या में भाग लिया।

मोबाइल और बाइक चोरी के दो शातिर आरोपी गिरफ्तार, 3 लाख की संपत्ति बरामद

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स (साउथ वेस्ट ज़ोन) और बंजारा हिल्स थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी हैदराबाद, साइबराबाद कमिश्नरेट और महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में मोबाइल फोन और दोपहिया वाहन चोरी की वारदातों में शामिल थे। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 3 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में सैयद फिरोज खान (25), निवासी नांदेड़, महाराष्ट्र, शेख समीर (24), निवासी चंद्रायनगुट्टा, हैदराबाद (मूल निवासी नांदेड़, महाराष्ट्र) शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 21 मोबाइल फोन, एक पल्सर बाइक और 2 धारदार खंजर बरामद किए। बरामद मोबाइल फोन विभिन्न थानों बंजारा हिल्स, केपीएचबी, कुकटपल्ली और रायदुर्गम में दर्ज मामलों से संबंधित हैं, जबकि 15 मोबाइल फोन ऐसे हैं जिनकी अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी। बाइक नांदेड़ रूरल थाने में दर्ज चोरी के मामले से संबंधित पाई गई। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी पहले स्क्रैप यार्ड में काम करते थे और आपस में मिलकर महंगी जीवनशैली जीने की चाह में चोरी की वारदातों को अंजाम देने लगे। हैदराबाद और साइबराबाद में ये सुरक्षा गार्डों और कैब चालकों को निशाना बनाते थे, खासकर तब जब वे ड्यूटी के दौरान सो रहे होते थे। इसके अलावा नांदेड़ (महाराष्ट्र) में दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं को भी अंजाम दिया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, टास्क फोर्स हैदराबाद सिटी, एम. इकबाल सिद्दीकी ने बताया कि आरोपियों ने बंजारा हिल्स, केपीएचबी, कुकटपल्ली, रायदुर्गम और नांदेड़ रूरल थानों में दर्ज कई मामलों में संलिप्तता स्वीकार की है। आरोपी सैयद फिरोज के खिलाफ महाराष्ट्र और तेलंगाना के विभिन्न थानों में पूर्व में भी कई मामले दर्ज हैं, जिनमें आर्म्स एक्ट के मामले भी शामिल हैं।

फुटपाथ कारोबारियों को परेशान न करने की अपील

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सुल्तान बाज़ार में फुटपाथ पर छोटे कारोबार करने वालों को पुलिस द्वारा रोका जा रहा है। इससे वहां के कारोबारी भयभीत हैं।

जानकारी मिलने पर आज बीजेपी लीडर गोविंद नारायण राठी पूर्व पार्षद शंकर यादव एवं डॉ भगवंत राव ने एडिशनल कमिश्नर ट्राफिक जोनल डेविस डीसीपी ट्रैफिक अश्विन कुमार से मुलाकात कर अनुरोध किया कि छोटे कारोबारी फुटपाथ पर कई सालों से रोजगार कर रहे हैं। इसके बाद भी यदि उन्हें प्रताडित कर परेशान किया गया तो उनकी जीविका ही खत्म हो जाएगी। ऐसे में आखिर वे अपने परिवार का पालन पोषण कैसे करेंगे। इस पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि वे उन्हें किसी भी तरह से परेशान नहीं करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि हमारा उद्देश्य कारोबार से किसी को वंचित नहीं करना है। यदि ट्रैफिक की समस्या हुई तो फिर उचित निर्णय लेकर समाधान किया जाएगा। गोविंद राठी ने उन्हें शिवरात्रि से पहले उनके उन्हीं स्थान पर कारोबार करने की अनुमति देने की अपील की जिसे अधिकारियों ने मान लिया है।

यूओएच ने केएसएचईसी के साथ समझौता किया

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) ने दोनों राज्यों के संस्थानों के बीच शैक्षणिक और शोध सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से केरल राज्य उच्च शिक्षा परिषद (केएसएचईसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।तिरुवनंतपुरम में केरल की उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. आर. बिंदु की उपस्थिति में हस्ताक्षरित इस एमओयू का उद्देश्य उन्नत शोध सुविधाओं तक पहुंच बढ़ाना, संयुक्त परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना, संकाय विकास का समर्थन करना तथा छात्रों के लिए इंटर्नशिप के अवसर सृजित करना है। हस्ताक्षर समारोह में यूओएच के प्रतिनिधि प्रो. एम. घनश्याम कृष्णा और प्रो. सम्राट एल. सबत के साथ केएसएचईसी के अधिकारी, जिनमें उपाध्यक्ष प्रो. राजन गुरुक्कल शामिल थे, उपस्थित रहे। यह साझेदारी साझा अवसंरचना और सहयोग के माध्यम से सतत संस्थागत संबंधों को बढ़ावा देने और शोध पारिस्थितिकी तंत्र के आधुनिकीकरण में सहायक होगी।हस्ताक्षर के बाद केएसएचईसी में एक संवादात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें हैदराबाद विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों, विभिन्न विश्वविद्यालयों में संचालित केएसएचईसी उत्कृष्टता केंद्रों के समन्वयकों, परियोजना टीम के सदस्यों तथा एएनआरएफ—पैर परियोजना के माध्यम से पहले से यूओएच से जुड़े शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.04/डीआरएम/एमइसीएच/एनइडी/ओटी/2025-26, दि.10-02-2026

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु खुली ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.-टी-12/एन/एम/वेल्ड/ग्रिड/पीएल/एनइडी डिवीजन/25-26, कार्य विवरणः एनइडी डिवीजन के सभी 7 पिट लाइनों (एनइडी=3, पीएयु=1, जे=1, एडब्ल्यूबी=1, एडीबी=1) तथा फ्राइट एग्जामिनेशन फैसिलीटीज (पीएयु=1) पर वेल्डिंग ग्रिड सुविधाओं का प्रावधान। कार्य का अनुमानित मूल्य रु.63,22,495.00 (जीएसटी सहित), पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.126,5800.00, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य (एफए&सीएओ/एससी एलआर.नं.ए/जीएसटी/स्पष्टीकरण/2019, दि.6-4-2020 देखें)

उपरोक्त निविदाएं दि.4-3-2026 के 15.00 बजे तक बंद होंगी।

तत्संबंधित अन्य जानकारी व ई-निविदाओं की प्रस्तुति हेतु कृपया वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेज चेक करें।

वरिष्ठ विभागीय यांत्रिक अभियंता, नांदेड

**शुद्धिपत्र सं.1 दि.10-02-2026
ई-निविदा सूचना सं.सी-एसजी-पीटी-एबीएस-04 एनडब्ल्यू-डब्ल्यूडी दि.04-02-2026 के प्रति**

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीएसटीइ/ परियोजनाएं/टेलि./ एससी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. व तिथिः सी-एसजी-पीटी-एबीएस-04 एनडब्ल्यू-डब्ल्यूडी दि.4-2-2026 (शुद्धिपत्र सं.1, दि.10-02-2026) कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे के गुंटकल डिवीजन में नलवार-वाडी सेक्शन में एटोमेटिक ब्लाक सिग्नलिंग व कवच कार्यो के प्रावधान हेतु विस्तृत सिग्नलिंग व दूरसंचार कार्य। अनुमानित परियोजना मूल्य रु.28,25,65,603.82, बोली सुरक्षा रु.15,62,800.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने

बोली बंद करने की तिथि (बोली तय तिथि)-7-3-2026 के 11.00 बजे

बोली खोलने की तिथिः -7-3-2026 समयः 11.00 बजे के पश्चात्

आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 120 दिन

निविदा पुस्तिका मूल्य रु. शून्य

शुद्धिपत्र जारी करने का कारणः पीवीसी कैलक्युलेशंस की अपडेटिंग हेतु

सभी बिड्डिंग जोकि इंडियन रेलवे ई-टेंडरिंग पोर्टलः www.ireps.gov.in पर होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युअल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी **वेबसाइटःwww.ireps.gov.in**पर उपलब्ध है।

डीवाय.सीएसटीइ/परियोजनाएं/टेलि./सिकंदराबाद

निविदा सं.32_2025-26_एसआर.डीइइ_टीआरडी_एचवायबी, दि.10-02-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व लिए, एसआर.डीइइ/टीआरडी/एचवायबी द्वारा निविदा सं.32_2025-26_एसआर.डीइइ_टीआरडी एचवायबी, दि.10-02-2026 के प्रति तत्संबंधित बंद करने की तिथिः 9-3-2026, समय 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता या बिड्डर्स उक्त बंद करने की तिथि व समय तक ही अपने मूल/संशोधित बोलियों को प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा इस मामले में किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन-एचवायबी डिवीजन के आइओएल स्थानों पर 105 स्के.एम.एम. से 160 स्के.एम.एम. तक जी जम्पर का उन्नयन या अपग्रेडेशन। निविदा का विज्ञापित मूल्य रु.1,30,85,533.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,15,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 06 महिने, बंद करने की तिथिः 9-3-2026

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर.डीइइ/टीआरडी/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, हैदराबाद

निविदा सूचना सं.-जी/ई.29/टीआर./ निविदा सूचना/51/2025-26

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.-जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-82-2025-26, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजन: एटीपी पर 12 एम एफओबी हेतु 6 संख्यक एस्केलेटर्स (अप एण्ड डाउन) का प्रावधान, डीएचएनइ पर नई 12 एम एफओबी हेतु 6 संख्यक एस्केलेटर्स (अप एण्ड डाउन) का प्रावधान, टीयु पर नई 12 एम एफओबी हेतु 4 संख्यक एस्केलेटर्स (अप एण्ड डाउन) का प्रावधान, एमएएलएम पर नई 12 एम एफओबी हेतु 4 संख्यक एस्केलेटर्स (अप एण्ड डाउन) का प्रावधान तथा एचएक्स पर नई 12 एम एफओबी हेतु 3 संख्यक एस्केलेटर्स (अप एण्ड डाउन) का प्रावधान के स्थान पर ओएचइ परिवर्तन या माडिफिकेशन कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.1,37,44,975.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु. 2,18,700.00

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 04-03-2026 के 15.00 बजे

टिप्पणीः 1. निविदाकार, निविदा दस्तावेज को वेबसाइटः www.ireps.gov.in से निःशुल्क रुप में डाउनलोड कर सकते हैं।

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग हेतु व अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल

संख्याः बी/एसजी. निविदा सूचना/23/2025-26 दि.11-02-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.6-3-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजन में एक वर्ष की अवधि हेतु आडियो पोर्शन 35 संख्यक सहित 600 संख्यक मोटोरोला जीपी 328 (5डब्ल्यू) 05 वाट्स वीएचएफ सेट्स तथा मोटोरोला जीएम 338/300 रेडियो एक्वीपमेंट की 25 वाट्ट्स वीएचएफ सेट्स की मरम्मत हेतु वार्षिक मरम्मत ठेका। पूर्व धरोहर राशिः रु.18,900.00, मूल्य राशि रु.9,42,750.50, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, सीटीबीः रु. शून्य

बंद करने की तिथि व समयः 06-03-2026 के 15.30 बजे

वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य की जानकारी, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव कार्य, अर्हता मानदंड आदि दिया गया है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्र को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक (एस&टी), विजयवाडा

निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.13-03-2026 के 11.30 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा दिनांकितः 11-02-2026
निविदा सं.-वाय-एसजी-36-2025-26-36 कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः इरीसेटः एटोमेटिक ब्लाक सिग्नलिंग हेतु लैब सेटअप। अनुमानित मूल्य रु.1,95,91,376.54 पूर्व धरोहर राशि रु.2,48,000.00

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, हैदराबाद

खुली निविदा सूचना सं. बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-42-2025-26 दि.10-02-2026

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु आईआरईपीएस में निविदाएं आमंत्रित हैं।

कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन-कृष्णा कैनाल जंक्शन (केसीसी) में आक्सीलरी ट्रांसफार्मर्स (25केवीए) का प्रावधान-टीसुंदुरु (टीएसआर) एबीएस कार्य। अनुमानित मूल्य रु.1,76,95,710.10, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली सुरक्षा (पूधरा) रु.2,38,500.00, बंद करने की तिथिः 10-03-2026

निविदा प्रपत्र मूल्य रु.शून्य

अधिक जानकारी व शर्तो हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी/विजयवाडा

निविदा सूचना सं. 01-जीएस-एससी-II-26-ओटी, दि.11-02-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, डीवाय.सीइ/जीएस/एचवायबी, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि. 6-3-2026 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.-01-जीएस-एससी-II-26-ओटी, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः एससी-डीएचएनइ- प्लाटफार्म नं.1 पर 275 एम लंबाई तथा प्लाटफार्म नं.2/3 पर 250 एम लंबाई हेतु एमबीएनआर पर सीओपीज का प्रावधान। विज्ञापित मूल्य रु.8,77,57,431.19, पूर्व धरोहर राशि रु.5,88,800.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति/हैदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in के माध्यम से)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु निविदा की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

एनआइटी सं.-सी/ई.29/टीआरडी/एससी/65/2025-26, कार्य विवरणः निविदा सं.-सी/ई.29/टीआरडी/ एससी/65/2025-26, दि.02-02-2026-एससी डिवीजन-सीबी ट्रिपिंग्स को टालने हेतु एससी डिवीजन के ओएचइ मास्ट/पोर्टल पर बंदरों के उत्पात से जुडे क्षेत्र या मंकी प्रोन एरिया में एन्टि-क्लाइंबिंग डिवाइस का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.1,84,18,139.50, कार्य पूरा करने की अवधिः 120 दिन, बंद करने की तिथि व समयः 9-3-2026 के 15.00 बजे

एनआयटी नं.-सी/इ.29/टीआरडी/एससी/66/2025-26, कार्य विवरणः निविदा सं. सी/इ.29/टीआरडी/एससी/66/2025-26 दि.02-02-2026, एससी डिवीजन-एससी डिवीजन पर 160 स्के.एमएम जम्पर्स सहित आईसोलेटर तथा जी जम्पर्स का उन्नयन या अपग्रेडेशन करना। अनुमानित मूल्य रु.2,75,01,732.00, बंद करने की तिथिः10-03-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः** http://ireps.gov.in पर लागिन करें।

निविदाकार तत्संबंधित में केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा इस मामले में मैन्युएल आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा।

आईआरईपीएस **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य विवरण दिया गया है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा जिसमें यदि कोई परिवर्तन हो तो उसे देख सकते हैं।

निविदाकार, किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाइन द्वारा जारी) को निविदा प्रस्तुति की अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी/सिकंदराबाद

A2438

निविदा नियम शर्ते/विस्तृत विवरण एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान मैच विश्व कप इतिहास के श्रेष्ठ मैचों में से एक था: इरफान पठान

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने बुधवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच हुए मुकाबले को विश्व कप इतिहास के श्रेष्ठ मैचों में से एक बताया। इरफान पठान ने जियोहॉटस्टार पर कहा, ₹यह इस विश्व कप के सबसे अच्छे मैचों में से एक था, इसमें कोई शक नहीं। असल में, यह विश्व कप इतिहास के सबसे अच्छे मैचों में से एक था, आसानी से शीर्ष पांच में। दो सुपर ओवर और पूरे समय जबरदस्त ड्रामा। नो-बॉल, फ्री हिट, रन-आउट, मिस्ड यॉर्कर, सब कुछ था जो आप चाह सकते थे।₹ पठान ने कहा, ₹गेंदबाजों ने दबाव में यॉर्कर फेंकने की कोशिश की और चूक गए, जो सबके साथ होता है। जब उन्होंने पेस का इस्तेमाल किया, तो उन्होंने रन बनाए। जब उन्होंने

धीमी गेंद फेंकी, तो उन्होंने मुश्किल खड़ी की और विकेट लिए। दूसरे सुपर ओवर में केशव महाराज की आखिरी गेंद बहुत बढ़िया थी। वह गुरबाज से दूर रहे, वाइड लाइन पर गेंदबाजी की, और पहले वाइड गेंद फेंकने के बाद खुद को संभाला। इससे उनकी क्लास का पता चलता है। सच में एक रोमांचक मुकाबला था।

साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच मैच रोमांचक रहा था। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 187 रन बनाए थे। अफगानिस्तान भी 19.4 ओवर में 187 रन पर सिमट गई। इसके बाद पहला सुपर ओवर हुआ जिसमें अफगानिस्तान ने 17 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स ने ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर स्कोर 17 कर दिया। इसके बाद दूसरा सुपर ओवर हुआ। इसमें दक्षिण अफ्रीका ने पहले खेलते हुए 23 रन बनाए।

पहले 2 गेंदों में बिना किसी रन के मोहम्मद नबी का विकेट गंवाने के बाद अफगानिस्तान को अगले 4 गेंदों पर 24 रन चाहिए थे। रहमानुल्लाह गुरबाज ने केशव महाराज को लगातार 3 छक्के लगाए। इसके बाद केशव ने वाइड फेंकी।

आखिरी गेंद पर 5 रन चाहिए थे। दोनों टीमों की जीत-हार के साथ एक और सुपर ओवर की संभावना थी, लेकिन गुरबाज इस गेंद पर आउट हो गए और अफगानिस्तान रोमांचक मुकाबले

मोस्का बंधुओं के तूफान में उड़ा नेपाल इटली ने विश्व कप में दर्ज की पहली जीत

मुंबई जस्टिन मोस्का और एंथनी मोस्का की शानदार साझेदारी के दम पर इटली ने नेपाल को टी20 विश्व कप के मुकाबले में 10 विकेट से हराया। इटली ने पहली बार विश्व कप में जीत दर्ज की है और उसके लिए यह सफलता ऐतिहासिक है। इटली ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया और क्रिशान कालुगमागे की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से नेपाल को सस्ते में ऑलआउट किया। नेपाल की टीम 19.3 ओवर में 123 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में मोस्का ब्रदर्स ने बेहतरीन साझेदारी की जिससे इटली ने 12.4 ओवर में बिना किसी नुकसान के 124 रन बनाकर जीत दर्ज की।

इटली ने सुपर आठ के लिए बरकरार रखी उम्मीद

इटली ने इस जीत के साथ ही सुपर आठ चरण में पहुंचने की अपनी उम्मीद बरकरार रखी है। फुटबॉल के लिए प्रसिद्ध इटली ने क्रिकेट में अपनी प्रतिभा दिखाई है। यह टीम पहली बार टी20 विश्व

कप में हिस्सा ले रही है और उसने इस टूर्नामेंट में जीत का खाता भी खोल लिया है। इटली की टीम ग्रुप सी में दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ दो अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। वहीं, नेपाल को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है।

मोस्का ब्रदर्स का कमाल

लक्ष्य का पीछा करते हुए जस्टिन मोस्का और एंथनी मोस्का ने शानदार बल्लेबाजी की और इटली को दमदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने नेपाल के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। मोस्का बंधुओं ने यह सुनिश्चित किया कि कम लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम दबाव में नहीं आए। इन दोनों बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाया और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाने तक क्रीज पर टिक रहे। एंथनी 32 गेंदों पर तीन चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 62 रन और जस्टिन 44 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों के सहारे 60 रन बनाकर नाबाद लौटे।

नेपाल को लगे शुरुआती झटके

पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल को शुरुआती झटके लगे। नेपाल ने 49 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवाए। टीम को पहला झटका कुशल भुर्तल को लगा जो पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान रोहित पौडेल 14 गेंदों पर 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे। फिर आसिफ शेख 20 रन बनाकर तीसरे बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। नेपाल ने इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए।

नेपाल की पारी

इटली ने नेपाल की पारी ऐसी लड़खड़ाई कि टीम वापसी ही नहीं कर सकी। नेपाल के लिए कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। नेपाल के लिए आरिफ शेख ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए, जबकि करण केसी 11 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 18 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, दीपेंद्र सिंह आरे ने 17, संदीप लामिछाने ने पांच, लोकेश बाम ने तीन और गुलशन झा ने तीन रन बनाए। इटली के लिए क्रिशान ने तीन विकेट झटके, जबकि बेन मानेंती ने दो विकेट लिए। वहीं, अली हसन, जेजे स्मट्स और जसप्रीत सिंह ने एक-एक विकेट झटके।

भारत-पाकिस्तान मैच के बहाने सुलह ?: 15 फरवरी को आमने-सामने होंगे पांच एशियाई क्रिकेट बोर्ड प्रमुख! आईसीआई की पहल

दुबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच चले विवाद के बाद अब आईसीसी डैमेज कंट्रोल मोड में दिख रहा है। 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले के दौरान एशिया की पांच बड़ी क्रिकेट ताकतों के प्रमुखों को एक साथ बैठाकर बातचीत कराने की योजना बनाई गई है। मकसद साफ है, तनाव कम करना और क्रिकेट कूटनीति के जरिए रिश्तों को पटरी पर लाना। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के प्रमुख अमीनुल इस्लाम ने कहा है कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच मैच देखने के लिए कोलंबो जाएंगे और उन्हें उम्मीद है कि पिछले कुछ सप्ताह से चल रहे तनावपूर्ण माहौल के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ उनके संबंध सुधरेंगे।

बीसीबी प्रमुख ने खोला राज

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने स्थानीय अखबार 'प्रथम आलो' को बताया कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद

(आईसीसी) की तरफ से निमंत्रण मिला है। अमीनुल ने कहा, 'आईसीसी के प्रमुख हितधारक पांच एशियाई देश हैं और वह चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को होने मैच के लिए सभी पांच एशियाई देशों के प्रतिनिधि एक साथ स्टेडियम में मौजूद रहें, मैच देखें और एक-दूसरे से बात करें।' भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एशिया के आईसीसी में महत्वपूर्ण सदस्य हैं। अमीनुल के मुताबिक, वर्ल्ड कप से ठीक पहले तीनों देशों के रिश्ते बेहद तल्ख हो गए थे। इस्लाम से पूछा गया कि क्या इस बैठक से बीसीसीआई के साथ उसके तनावपूर्ण संबंध खत्म करने में मदद मिलेगी, उन्होंने कहा, 'आप इसे कुछ इसी तरह मान सकते हैं।'

यू-टर्न के पीछे कूटनीति

आईसीसी की यह पहल ऐसे समय आई है जब पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ ग्रुप मैच के बहिष्कार की अपनी पुरानी घोषणा से आखिरी वक्त में पलटी मारी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रिकेट कूटनीति और आर्थिक असर को देखते हुए यह फैसला बदला गया। अमीनुल इस्लाम का दावा है कि पाकिस्तान बहिष्कार के लिए तैयार था और उन्हें खुद पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी को समझाना पड़ा। भारत-पाकिस्तान मैच को दुनिया के सबसे कमाऊ मुकाबलों में गिना जाता है, जिससे करीब 250 मिलियन डॉलर के प्रसारण राजस्व की बात होती है। बांग्लादेश ने दलील दी कि अगर यह मैच नहीं हुआ, तो नुकसान सिर्फ एक देश का नहीं, पूरे क्रिकेट जगत का होगा।

'पूरे टूर्नामेंट से हटने' की चेतावनी

बीसीबी प्रमुख ने यह भी कहा कि पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप से पूरी तरह हटने की धमकी तक दे दी थी। अगर ऐसा होता और बांग्लादेश भी किनारे रहता, तो टूर्नामेंट की सबसे कीमती टक्करें खतरे में पड़ जातीं। इससे ब्रॉडकास्ट डील और कमर्शियल समझौतों पर दूरगामी असर पड़ सकता था।

रहमान को बाहर करने से शुरू हुआ था विवाद

बीसीसीआई और बीसीबी के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब भारतीय बोर्ड ने कुछ अज्ञात परिस्थितियों के चलते बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स के आईपीएल अनुबंध से बाहर करने का आदेश दिया। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह कदम बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हिंसा से प्रेरित था जिसमें हिंदुओं को निशाना बनाया गया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए विश्व कप मैचों के लिए भारत आने से इनकार कर दिया। बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी ने बांग्लादेश की चिंताओं को खारिज कर दिया था।

बांग्लादेश आईसीसी से समझौता करेगा?

बांग्लादेश हालांकि अपने रुख पर कायम रहा इसके बाद उसे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया और उसकी जगह स्कॉटलैंड को दे दी गई। इस्लाम ने कहा कि बोर्ड यह सुनिश्चित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन तैयार करेगा जिससे आईसीसी की तरफ से उन्हें मिले आश्वासनों को अंतिम रूप दे दिया जाए। उन्होंने कहा, 'हम एक समझौता भी करेंगे। यह एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) जैसा दस्तावेज होगा, ताकि कोई अनिश्चितता न रहे। आईसीसी के साथ (समझौता ज्ञापन तैयार करने के संबंध में) चर्चा लगभग अंतिम पड़ाव पर है।

क्या सुलह की राह निकलेगी?

अब सबकी नजर इस बात पर है कि कोलंबो में होने वाली यह हाई-प्रोफाइल मुलाकात सिर्फ औपचारिकता रहती है या वाकई रिश्तों में नई शुरुआत का रास्ता खोलती है। भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा भावनाओं का ज्वार लेकर आता है, लेकिन इस बार स्टैंड्स से ज्यादा अहम बंद कमरे की बातचीत हो सकती है।

वनडे विश्व कप 2027 सिर्फ खेलना नहीं देश के लिए जीतना चाहता हूं: रोहित शर्मा

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब दिलाया, लेकिन उनके दिल में विश्व कप 2023 का खिताब न जीत पाने का गम अभी भी जिंदा है। रोहित उस कसक को मिटाने के लिए अगला वनडे विश्व कप खेलने और जीतने के प्रति दृढ़संकल्पित हैं। रोहित शर्मा आईसीसी इवेंट में कहा, वह सिर्फ वनडे विश्व कप 2027 खेलना नहीं चाहते हैं, बल्कि 2023 में अहमदाबाद में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारने वाली ट्रॉफी उठाने के लिए बेताब हैं।

पूर्व कप्तान ने कहा, मैं 50-ओवर का विश्व कप देखते हुए बड़ा हुआ हूं। उस समय कोई टी20 विश्व कप नहीं था, कोई आईपीएल नहीं था। वह क्रिकेट का सबसे ऊंचा स्तर था, जो हर चार साल में होता था। इसलिए, बेताबी थी। उस एक ट्रॉफी का इतना ज्यादा बोझ था। मैं सच में वह ट्रॉफी चाहता हूं,

इसलिए मैं कड़ी मेहनत करने और उसे पाने के लिए अपनी पूरी ताकत और काबिलियत से सब कुछ करने की कोशिश करूंगा। मैं वहां जाकर अपने देश के लिए विश्व कप जीतना चाहता हूं।

टी20 और टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास ले चुके रोहित शर्मा की उम्र और फिटनेस की वजह से 2027 विश्व कप में खेलने को लेकर सवाल था। पिछले 6 महीने में रोहित ने अपनी फिटनेस पर काम किया और अपना वजन कम किया है। साथ ही उनकी बल्लेबाजी में भी जोरदार बदलाव दिखा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में उनका बल्ला बेशक नहीं चला था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोहित ने अपनी बल्लेबाजी से रोमांचित किया था। फिटनेस और फॉर्म के प्रति रोहित की सजगता देखते हुए विश्व कप 2027 को लेकर उनके समर्पण का अंदाजा लगाया जा सकता है।

मौजूदा समय में वनडे फॉर्मेट के बेहतरीन सलामी बल्लेबाजों में से रोहित शर्मा ने 282 वनडे की 274 पारियों में 33 शतक और 61 अर्धशतक की मदद से 11,577 रन बनाए हैं।

पाकिस्तान सुपर लीग के आयोजकों को अफगानिस्तान का करारा तमाचा

नबी-फारुकी जैसे खिलाड़ियों ने नाम वापस लिया

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के 11वें संस्करण से पहले आयोजित पहली खिलाड़ियों की नीलामी से अफगानिस्तान के कई खिलाड़ियों ने अपना नाम वापस ले लिया। यह नीलामी बुधवार को लाहौर में हुई। एक फ्रेंचाइजी मालिक ने पुष्टि की थी कि मुजीब उर रहमान, सिद्दीकुल्लाह अटल, मोहम्मद नबी, वकार सलामखेल और फजल हक फारूकी जैसे खिलाड़ी नीलामी के लिए पंजीकृत थे। हालांकि, बाद में इन खिलाड़ियों ने अपना नाम वापस ले लिया।

क्यों लिया अफगानियों ने नाम वापस?

बताया जा रहा है कि पेशावर जाल्मी द्वारा अफगानिस्तान के

ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज को सीधे साइन किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर काफी प्रतिक्रिया देखने को मिली। इसी विवाद और आलोचना के चलते अन्य अफगान खिलाड़ियों ने भी नीलामी से दूरी बनाना बेहतर समझा। पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर ने कहा कि कुछ अफगान खिलाड़ी नीलामी सूची में शामिल थे, लेकिन किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें नहीं चुना। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों का असर नीलामी पर पड़ा।

दोनों देशों के बीच पहले से तनाव

नसीर के मुताबिक, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच रिश्तों में आई खटास का असर खेल जगत पर भी पड़ा है। पिछले साल के अंत में पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान के कुछ इलाकों में हवाई हमले किए जाने के बाद दोनों देशों के संबंध और बिगड़ गए थे। इस घटनाक्रम के बाद कई अफगान खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर पाकिस्तान सरकार की आलोचना की थी, जिस पर पाकिस्तान की ओर से भी प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं। इन परिस्थितियों के चलते अफगान खिलाड़ियों ने पीएसएल नीलामी से खुद को अलग रखने का फैसला किया।

अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी पर आईसीसी ने लगाया जुर्माना

अंपायर के फैसले पर असहमति जताना पड़ा भारी

अहमदाबाद, 12 फरवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह घटना अफगानिस्तान की पारी के 14वें ओवर की है जब गेंदबाज लुंगी एनगिडी की कलाई पर बंधे बैंड को लेकर नबी की अंपायर से लंबी बहस हो गई थी।

नबी के खाते में जुड़ा एक डिमेरिट अंक

आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'नबी ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता की धारा 2.4 का उल्लंघन किया है जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्देशों का पालन नहीं करने के संबंध में है।' नबी पर एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया। नबी ने आरोप और सजा स्वीकार कर लिया है जिससे

औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर जयरामन मदनगोपाल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, थर्ड अंपायर नितिन मेनन और चौथे अंपायर के.एन. अनंथापद्मनाभन ने नबी पर आरोप लगाए थे। लेवल 1 के उल्लंघन में कम से कम आधिकारिक फटकार, ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक मिलते हैं।

सुपर ओवर में हारा था अफगानिस्तान

अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच बेहद रोमांचक मैच खेला गया था जिसका परिणाम दो सुपर ओवर के बाद निकला था। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 187 रन बनाए थे। अफगानिस्तान भी 19.4 ओवर में 187 रन पर सिमट गई। इसके बाद हुए पहले सुपर ओवर में अफगानिस्तान ने 17 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने भी 17 रन बनाए और मैच दूसरे सुपर ओवर में पहुंच गया। इसमें दक्षिण अफ्रीका ने पहले खेलते हुए 23 रन बनाए। 24 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी अफगानिस्तान ने पहले 2 गेंदों में बिना किसी रन के मोहम्मद नबी का विकेट गंवा दिया। अगले 4 गेंदों पर 24 रन चाहिए थे। रहमानुल्लाह गुरबाज ने केशव महाराज को लगातार तीन छक्के लगाए। इसके बाद केशव ने वाइड फेंकी। आखिरी गेंद पर 5 रन चाहिए थे। गुरबाज इस गेंद पर आउट हो गए और अफगानिस्तान रोमांचक मुकाबले को 4 रन से गंवा बैठा।

श्रीलंका की बड़ी जीत, ओमान को 105 रन से हराया

कैंडी, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप बी के मुकाबले में श्रीलंका ने ओमान को 105 रन से हरा दिया। श्रीलंका की यह दूसरी जीत है। 226 रन के बड़े लक्ष्य के दबाव में ओमान की बल्लेबाजी बिखर गई। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और 12 के स्कोर पर दोनों सलामी बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए हम्माद मिर्जा भी 9 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए मोहम्मद नदीम और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी

के लिए आए वसीम अली ने क्रीज पर रुकने का साहस दिखाया और चौथे विकेट के लिए पारी की सबसे बड़ी 42 रन की साझेदारी की। वसीम 20 गेंद पर 3 छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए। नदीम 56 गेंद में 3 चौकों और 1 छक्के की मदद से 53 रन बनाकर नाबाद रहे। इन दोनों बल्लेबाजों को छोड़कर कोई भी अन्य बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सका।

ओमान 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 120 रन बना सकी और 105 रन के बड़े अंतर से मैच हार गई।

दुश्मंथा चमीरा ने 2 ओवर में 19 रन देकर 2, महिश तिक्षाणा ने 4 ओवर में 11 रन देकर 2, दुनिथ वेलालागे ने 4 ओवर में 17 रन देकर 1, दुशन हेमंथा ने 4 ओवर में 45 रन देकर 1, कामिंदु मेंडिस ने 2 ओवर में 10 रन देकर 1 विकेट लिए।

इसके पहले ओमान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने खराब शुरुआत के बावजूद 5 विकेट पर 225 रन बनाए थे। श्रीलंका की तरफ से कप्तान दासुन शनाका ने मात्र 19 गेंद पर 5 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 50 रन की पारी खेली। अंतरराष्ट्रीय टी20 में श्रीलंका की तरफ से यह सबसे तेज अर्धशतक है। शनाका के अलावा, पवन रथनायके ने 28 गेंद पर 1 छक्का और 8 चौकों की मदद से 60 रन और कुसाल मेंडिस ने भी 45 गेंद पर 7 चौकों की मदद से 61 रन की पारी खेली।

मानहानि मामले में मद्रास हाईकोर्ट का धोनी को आदेश अनुवाद और ट्रांसक्रिप्शन कार्य का खर्च उठाने को कहा

चेन्नई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को उनके द्वारा दायर मानहानि मामले में अनुवाद और ट्रांसक्रिप्शन कार्य के लिए 10 लाख रुपये जमा करने का निर्देश दिया है। यह मामला सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी जी. संपत कुमार के खिलाफ दायर किया गया है, जिसमें धोनी ने 2013 के आईपीएल सट्टेबाजी घोटाले से कथित रूप से जोड़ने पर 100 करोड़ रुपये हर्जाने की मांग की है।

न्यायालय का आदेश

न्यायमूर्ति आर. एन. मंजुला ने बुधवार यानी 11 फरवरी को अंतरिम आदेश पारित करते हुए कहा कि 28

अक्तूबर 2025 के पूर्व आदेश के अनुसार, अदालत के आधिकारिक दुभाषिया (इंटरप्रिटर) ने मामले से संबंधित सीडी की सामग्री का लिप्यंतरण (ट्रांसक्रिप्शन) और अनुवाद का कार्य शुरू कर दिया है। हालांकि, यह कार्य आवश्यक शुल्क के भुगतान की शर्त पर किया जा रहा है। अदालत ने कहा कि दुभाषिया (इंटरप्रिटर) से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह एक बहुत बड़ा कार्य है, जिसे पूरा करने में एक दुभाषिया (इंटरप्रिटर) और एक टाइपिस्ट को लगभग तीन से चार महीने का समय लगेगा। प्रतिलिपियां तैयार करने में अतिरिक्त खर्च भी शामिल है।इसी को ध्यान में रखते हुए ट्रांसक्रिप्शन और अनुवाद का शुल्क 10 लाख रुपये निर्धारित किया गया है, जिसका भुगतान वादी (धोनी) को करना होगा। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि सामान्य परिस्थितियों में वादी को स्वयं दस्तावेजों का अनुवाद कराकर वाद पत्र के साथ प्रस्तुत करना होता है।

मुख्यमंत्री ने राजनाथ सिंह को गांधी सरोवर शिलान्यास के लिए आमंत्रित किया

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को नई दिल्ली में विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक कर तेलंगाना राज्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। सबसे पहले मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और उन्हें फरवरी के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित गांधी सरोवर परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया। बैठक के दौरान रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में ईसा और मूसी नदियों के संगम पर चल रही पहल की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि फरवरी 1948 में इसी स्थल पर महात्मा गांधी की अस्थियों का विसर्जन किया गया था। उन्होंने कहा कि गांधी सरोवर परियोजना, मूसी पुनरुद्धार परियोजना का हिस्सा है। केंद्रीय मंत्री को यह भी अवगत कराया गया कि बापू घाट को एक प्रमुख शैक्षणिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू और रेल व इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव से अलग-अलग मुलाकात की। नागर विमानन मंत्री से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने वारंगल के मामूनूर हवाई अड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण पूर्ण होने के बाद आवश्यक कार्रवाई आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि कोत्तागुडेम हवाई अड्डे के लिए पलवनचा में स्थान चिह्नित किया गया है और वहां ऑब्स्टेकल लिमिटेशन सरफेस (ओएलएस) सर्वे तथा व्यवहार्यता अध्ययन कराने का अनुरोध किया।

साथ ही पेद्दापल्ली जिले में अंतर्गांव हवाई अड्डे के लिए वैकल्पिक स्थल चिन्हित किए जाने की जानकारी देते हुए शीघ्र स्वीकृति की मांग की। बाद में मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर राज्य से संबंधित विभिन्न रेल परियोजनाओं पर चर्चा की।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने का अभियान जारी रहेगा : डीसीपी

रैनबाज़ार थाना क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कॉर्डन एंड सर्च , 37 वाहन जब्त

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चारमीनार ज़ोन के डीसीपी किरण खरे प्रभाकर के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण और निर्देशों पर आज रीनबाज़ार थाना क्षेत्र में व्यापक कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना था। इस विशेष अभियान का नेतृत्व अतिरिक्त डीसीपी और एसीपी ने किया, जबकि रीनबाज़ार थाने के एसएचओ चि. नेताजी के साथ सशस्त्र पुलिस बल ने सक्रिय रूप से भाग लिया। अभियान के दौरान बिना नंबर प्लेट या छेड़छाड़/फर्जी नंबर प्लेट के साथ चलाए जा रहे कुल 37 दोपहिया वाहनों को जब्त किया गया। 6 राउडी शीटरों सैयद अली, हबीब सिकंदर, तालिब खान, जाफर अली, अली हुसैन और सैयदुद्दीन को चिन्हित कर हिरासत में लिया गया तथा उनकी वर्तमान गतिविधियों का सत्यापन किया गया। नौ संदिग्ध सूची में शामिल व्यक्तियों खालिद, समीर, अजीज बाबा, हैदर अहमद, इब्राहिम, इब्राहिम खान, सैयद अली, शेख मोहम्मद और अजहर की पहचान कर उनके विवरणों की गहन जांच की गई। पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान तीन खतरनाक चाकू, एक हुक्का सेट, पांच प पैकेट अवैध गांजा, तीन छोटे गैस सिलेंडर जप्त किया है। डीसीपी किरण खरे प्रभाकर ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

भारी उद्योगों में आग से सुरक्षा के लिए कड़े निर्देश दिए गए: के. रामकृष्ण राव

सिगाची इंडस्ट्रीज मामले पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मुख्य सचिव के. रामकृष्णराव ने उद्योगों में आग की घटनाओं को रोकने और श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आग से सुरक्षा के लिए विस्तृत दिशा-निर्देशों वाला मैनुअल तैयार करने को भी कहा। गुरुवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में सिगाची इंडस्ट्रीज में हुई दुर्घटना और उससे संबंधित उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई। इस दौरान दुर्घटना में मृत श्रमिकों के परिवारों को एक्स-ग्रेशिया भुगतान, पीड़ित परिवारों की स्थिति और कोर्ट मामलों की प्रगति पर अधिकारियों से जानकारी ली गई। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्यभर में भारी, मध्यम और लघु उद्योगों में राज्य और जिला स्तर पर विभिन्न विभागों के संयुक्त निरीक्षण दल बनाकर नियमित निरीक्षण किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला स्तर पर राजस्व, पुलिस, उद्योग, श्रमिक, स्वास्थ्य, अग्निशमन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण दल बनाए जाएं और निरीक्षण की जानकारी ऑनलाइन डैशबोर्ड पर अपडेट की जाए।

उन्होंने उद्योगों में सुरक्षा मानक, सुरक्षा ऑडिट और श्रमिकों के लिए सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू करने को भी कहा। भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस समीक्षा बैठक में विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार, संजय कुमार, दान किशोर, फायर सर्विसेज़ निदेशक जनरल विक्रम सिंह मान, संगारेड्डी कलेक्टर प्रवीन्य, फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी कमिश्नर शशांक, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मेंबर सेक्रेटरी रवि सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

चार राज्यों से जुड़े मोबाइल स्नैचिंग गिरोह के 4 आरोपी गिरफ्तार

21 मोबाइल और 6 लाख का माल बरामद

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेहदीपट्टनम थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय मोबाइल स्नैचिंग गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 21 मोबाइल फोन और एक रुपये नकद बरामद किए हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 6 लाख रुपये बताई गई है। एक आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी फरार है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनिल कुमार नोनिया उर्फ अनिल (25), पारन कुमार (25), देवा कुमार (21) और गौरव नोनिया (18) के रूप में हुई है। आरोपी झारखंड और पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, 11 फरवरी को शाम करीब 4 बजे मेहदीपट्टनम पुलिस की क्राइम टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा। बाद में रात 9:35 बजे पुख्ता सूचना के आधार पर चारों को हिरासत में लिया गया। पुलिस उपायुक्त, गोलकोंडा ज़ोन, हैदराबाद जी. चंद्र मोहन ने बताया कि जांच में सामने आया कि आरोपी बड़े शहर हैदराबाद में वारदात करने की योजना बनाकर आए थे। फरार आरोपी सागर कुमार नोनिया ने उन्हें रहने की व्यवस्था और प्रतिदिन एक रुपये देने का लालच दिया था। इसके बाद आरोपी रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में मोबाइल चोरी और स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देते थे। चोरी किए गए मोबाइल फोन वे सागर कुमार को सौंप देते थे, जो उन्हें ठिकाने लगाता था। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि उनके पास आय का कोई स्थायी साधन नहीं था, इसलिए उन्होंने अपराध का रास्ता अपनाया।

यह कार्रवाई डीसीपी गोलकोंडा ज़ोन जी. चंद्र मोहन के पर्यवेक्षण में अतिरिक्त डीसीपी कृष्णा गौड़, एसीपी आसिफनगर बी. किशन कुमार, मेहदीपट्टनम एसएचओ एस. मल्लेश, डिटेक्टिव इंस्पेक्टर एन. रामबाबू, डीएसआई साई किरण और क्राइम स्टाफ की टीम ने अंजाम दी। सराहनीय कार्य के लिए पुलिस टीम को पुरस्कृत किया गया है।

Microsoft Solutions Partner

H2H BUSINESS NETWORKING
BUSINESS MEET
H2H 7- ADITHYA

H2H Members -700/-
Non Members - 800/-
DINNER FOLLOWS

Date: 14 Feb 2026 (Sat)
Time: 6.30 Pm
Venue: Hotel Ricch
Suchitra , Kompally

Gpay/Phone Pe
Pankaj Varma 91790 96100

REGISTER NOW
LIMITED SEATS REGISTER NOW

WELCOME TO ALL SANATANI HINDU BUSINESSMEN

Connect Communicate Grow Unite

FOR DETAILS CONTACT
PK Vinod Kumar, Advisor, 98490 28423
Sujatha Nambiar, President, 99893 11141
Sudesh Patil, Vice President, 86869 90882
Pankaj Varma, Treasurer, 91790 96100
Sreekanth Riyani, Secretary, 62817 25 252

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

पीएम.श्री. केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-2
नौसेनाबाग, विशाखापत्तनम
PMSHRI KENDRIYA VIDYALAYA NO-2
Nausenabaugh, Visakhapatnam

प्रत्यक्ष साक्षात्कार / WALK-IN-INTERVIEW (2026-27)

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 नौसेनाबाग, विशाखापट्टनम में रिक्त पदों/निकट भविष्य में होने वाले रिक्त पदों के समक्ष पैनल तैयार करने हेतु दैनिक आधार पर अंशकालिक/संविदा शिक्षकों की आवश्यकता है / Wanted teachers in PMSHRI Kendriya Vidyalaya No.2, Nausenabaugh, Visakhapatnam for preparation of panel on purely Part-time /contractual on day to day basis against vacancies & likely to get vacancies:

दिनांक व समय /Date & Time	पद एवं अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता / Designation & Essential Qualification
16-02-2026 08:30 am to 02:00 pm	1. PGT (Maths, Physics, Chemistry, Economics, Commerce, Hindi, English, Biology, Computer Science) - Qualifications as per KVS Norms 2. TGT (English, Hindi, Sanskrit, Social Science, Science, Maths, Special Educator) - Qualifications as per KVS Norms 3. Primary Teacher & Primary Teacher (Music) - Qualifications as per KVS Norms 4. Vocational Instructor - B.E/B.Tech (ECE) + minimum 1 year exp. in relevant field 5. Sports Coach, Yoga, Nurse, Counsellor, Arts Coach, Computer Instructor - Primary, Computer Instructor - Secondary Qualifications as per KVS Norms 6. Balvatika III - Qualifications as per KVS Norms

अधिक जानकारी के लिए https://drive.google.com/drive/folders/1CjQFxj97cN0kTW2UvqTAevNhZjACapmN पर क्लिक करें एवं विद्यालय की वेबसाइट https://no2nausenabagh.kvs.ac.in/ या सूचना पट्ट देखें। इच्छुक अभ्यर्थी आवश्यक रूप में पंजीकरण फॉर्म भरकर एवं समस्त आवश्यक दस्तावेज की मूल एवं छायाप्रति साथ लेकर आएं। स्थान: पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 नौसेनाबाग, विशाखापट्टनम। For more information about qualification: https://drive.google.com/drive/folders/1CjQFxj97cNOkTW2UvgTAevNhZjACapmN and visit the school website https://no2nausena bagh.kvs.ac.in/ or Notice Board. Interested candidates must bring filled registration form with one Passport size photo & Photocopies of all required documents along with original. Venue: PM SHRI Kendriya Vidyalaya No.2 Nausenabaugh, Visakhapatnam.

Sd/-
प्राचार्य/Principal

बस दुर्घटना पीड़ितों को जल्द मिलेगा 5 लाख रुपये की मदद : शब्बीर अली

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने घोषणा की कि मदीना बस दुर्घटना के प्रत्येक मृतक के परिजनों को 5 लाख रुपये की मदद का चेक जल्द ही वितरित किया जाएगा, चुनाव मॉडल कोड की पाबंदियों के हटने के तुरंत बाद। गुरुवार को कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल — जिसमें उस्मान मोहम्मद खान, एसके अफ़ज़लुद्दीन, शेख अर्शद, मतीन शरीफ़ और मुजीबुल्लाह शरीफ़ — पीड़ित परिवारों के साथ सचिवालय पहुंचे और वित्तीय सहायता वितरण में हो रही देरी को लेकर शब्बीर अली को ज्ञापन सौंपा। शब्बीर अली ने स्पष्ट किया कि वितरण में देरी प्रशासनिक लापरवाही के कारण नहीं, बल्कि चुनाव मॉडल कोड के नियमों के कारण हुई। उन्होंने कहा कि चेक तैयार हैं और जैसे ही पाबंदियाँ हटा दी जाएँगी, ये कुछ ही दिनों में परिजनों को प्रदान कर दिए जाएंगे। याद दिलाया गया कि पीड़ित मदीना की तीर्थ यात्रा पर जा रहे थे, जब यह दुर्घटना हुई। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि डीएनए पहचान और परिवारों की इच्छा के अनुसार जन्नत अल-बाकी में अंतिम संस्कार की व्यवस्था सहित हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाए। इस प्रक्रिया में मंत्री मोहम्मद अज़हरुद्दीन और वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। सलाहकार शब्बीर अली ने सरकार की मृतक परिवारों को समय पर राहत सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दोहराया।

बैद्यनाथ नागपूर असली आयुर्वेद
आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!

असहनीय जोड़ों का दर्द
इसके लिए चाहिए एक्स्ट्रा केयर
• जोड़ों की पुरानी तकलीफ़
- पीठ दर्द
- घुटनों का दर्द
- कंधो व गर्दन का दर्द
• माँसपेशियों में अकड़न और मोच

रुमार्थो गोल्ड+ कॅप्सूल
स्वर्ण भस्म युक्त

श्री निता बालू, विखापट्टनम् : प्र. मेरी बेटी की उम्र 19 वर्ष है, उसे गले में खराश के साथ बार-बार खाँसी आ रही है। कृपया उपचार बताये।
उ. बैद्यनाथ सितोपलादि चूर्ण 1 चम्मच सुबह-शाम शहद के साथ दे। बैद्यनाथ खदिरादी बटी 1-1 टॅबलेट दिन में 3 बार चुसे तथा बैद्यनाथ कासामृत 2-2 चम्मच सुबह-शाम लें।

श्री रविकांत नडेल्ला, विजयवाडा : प्र. मुझे 3-4 दिन से बुखार है तथा पुरे शरीर में दर्द व अकड़न लग रही है।
उ. बैद्यनाथ महासुदर्शन काढ़ा 3 चम्मच बराबर पानी के साथ भोजन पश्चात सुबह-शाम लें। साथ में बैद्यनाथ महायोगराज गुग्गुलु तथा सर्वज्वरहर लौह 1-1 टॅबलेट सुबह-शाम भोजन पश्चात पानी के साथ लें।

श्री विजय चंदेल, खम्मम् : प्र. मुझे 1 सप्ताह से सर्दी, जुकाम है तथा शरीर में बुखार है एसा लगता है।
उ. बैद्यनाथ लक्ष्मीविलास रस तथा त्रिभुवनकिर्ती रस 1-1 टॅबलेट सुबह-शाम भोजन के पश्चात पानी के साथ लें। बैद्यनाथ सितोपलादि चूर्ण 1 चम्मच सुबह-शाम शहद के साथ लें।

सौ. रवि पामूला, हैद्राबाद : प्र. मेरी उम्र 38 वर्ष है, मुझे चलते समय घुटनों में बहुत दर्द होता है। उठते-बैठते कमर दर्द भी रहता है, कृपया उपचार बतायें।
उ. बैद्यनाथ महारास्नादि काढ़ा 3-3 चम्मच समभाग पानी के साथ सुबह-शाम भोजन के बाद लें। साथ में बैद्यनाथ रुमार्थो टॅबलेट 1-1 टॅबलेट सुबह-शाम पानी के साथ लें। बैद्यनाथ रुमा ऑईल दर्द की जगह लगायें।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.) प्रधान वैद्य

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: 844 844 4935 I www.baidyanath.co

स्थापना 1983 ।। श्री आईमाता प्रसादाता ।। पंजीकृत सं.1941/83

सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग - 1
(दि.15 फरवरी 2026 से 29 मार्च 2026 प्रत्येक रविवार को सीरवी क्रिकेट ग्राउंड अलियाबाद एवं 22 यार्ड एरेना कुन्दनपल्ली में खेले जायेंगे)

SIRVI SAMAJ PARSIGUTTA PREMIER LEAGUE
SSPPL-1
SIRVI SAMAJ PARSIGUTTA PREMIER LEAGUE
HYDERABAD T.G- 2026
15th Feb – 29th March

भव्य शुभारम्भ कार्यक्रम
कल शनिवार, दि.14 फरवरी 2026 प्रात: 8 बजे
: शुभस्थल : Sirvi Cricket Ground Aliyabad
नोट: भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी।

Sponsored & Co-sponsored By:
Trophy Sponsor: ashirvad by aliaxis, SRI JAI BHAVANI MARKETING, Mahender Devda 9440067447, Hyderabad-Warangal
Jersey Sponsor: ELVIS, M.R.Traders Bandlaguda, Keesara, Mohit Choudhary 9502634097
Umpire Sponsor: NEXON PAINTS, Jubilee Hills, Khartaram, Praveen Aglecha

Jai Bhavani Silver Palace, Pot Market, Secunderabad
JC Jewellers, Pot Market, Secunderabad
Royal Gold, Rajuramji, Omprakashji, Hapuramji Barfa, Pot Market, Secunderabad
C.Mohanlal Choudhary Jewellers, Keesara, Kushaiguda
Jagadamba Jewellers Gold & Silver Palace, Parsigutta X Road
Jyothi Jewellers Gold & Silver House, Nagaram
Dhanalakshmi Hardware & Plywood, Indira Nagar, Srinagar Colony
L.Rajender Jewellers Gold & Silver House, Sanath Nagar, Nizampet
Hari Om Imitation Jewellery Wholesale, Pot Market, Secunderabad
Ramdev Jewellers, Main Road, Aliyabad, Shameerpet
Ambica Silver Palace Wholesale, Pot Market, Secunderabad
Sri Jagadamba Jewellers, Moula-Ali, Hyderabad

:विशेष: महाशिवरात्रि का जागरण – रविवार दि.15 फरवरी 2026 रात्रि 8.15 बजे से श्री आईमाताजी मंदिर पारसीगुटा में, : भजन गायकार : श्री कृष्णा भजन मंडली (सोहन गेहलोत, वेनाराम परमार)

समाज बन्धुओं से निवेदन है उपरोक्त कार्यक्रम में समय पर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

:निवेदक: सीरवी समाज एवं शिक्षा समिति तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
: अध्यक्ष : मोहनलाल हाम्बड़ 9948177436
शिक्षा समिति अध्यक्ष: लाबूराम पंवार 9618779482
सचिव: चेलाराम भायल 9490992536
: सचिव : नारायणलाल काग 9849722490
महिला मंडल अध्यक्षा: सुशीला देवड़ा
सचिव: निर्मला देवड़ा
खेल मंत्री: हिमताराम हाम्बड़ 8341708301
P.Solankey

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.